Happy New Year! 2021

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अख़बार

क्राइम रिव्यू

साहस सच लिखने का

UPHIN/2014/67765
वर्ष :07 अंक 28 पृष्ठ :8 मूल्य: ₹2
लखनऊ, सोमवार 28 दिसंबर 2020

www.crimereview.co.in
www.facebook.com/hemant4u4life
@hemant4u4life

अरुण जेटली की प्रतिमा का अनावरण 2 | पिता और उसकी प्रेमिका को मार डाला 3 | कितना सफल होगा कांग्रेस-वाम मिलन ? 4 | मुझे अब नहीं रहना मुख्यमंत्री : नीतीश 5

इतिहास के पन्नों से...

इंसानों पर 2020 से पहले भी आ चुकी आफत...

पंकज द्विवेदी

लखनऊ। साल 2020 मौजूदा पीढ़ी के लिए कभी ना भूली जा सकने वाली यादें छोड़े जा रहा है। दुनिया ने 10 लाख लोगों को वायरस के कारण अपनी जान से हाथ धोते देखा। मौत ही नहीं इसने इंसान के जीने की राह में भी बेशुमार मुश्किलें खड़ी की। अर्थव्यवस्था फेल हो गई। नौकरी, रोजगार छिन गए। साल भर भारत में बाढ़, तूफान, भूकंप के झटके डराते रहे।पड़ोसी मुल्क से सीमा पर खूनी झड़प तक हुई। इन सभी मुश्किल हालात से गुजरने पर अगर आप सोच रहे हैं कि 2020 दुनिया के इतिहास का सबसे बुरा साल है, तो आपको इंसान पर आई पुरानी आफत पर भी गौर करना चाहिए...

साल 536 : जब लाखों लोग भूख से मर गए

यह आज से करीब 15 सौ साल पहले की बात है साल 536 में दो विशाल ज्वालामुखी फटने पर धूल का इतना गुबार पैदा हुआ कि आने वाले 18 महीने सूरज की रोशनी धरती की सतह पर भी नहीं पहुंच सकी। इससे उत्तरी ध्रुव के इलाके में तापमान गिर गया। गर्मियों में बर्फबारी की नौबत आ गई। सूरज की रोशनी ना मिलने से फसलें बर्बाद हो चुकी थी। यूरोप और आसपास के इलाकों में अकाल पड़ गया। लाखों लोग भूख से मर गए।

साल 1347-52 : ब्यूबोनिक प्लेग से करोड़ों मरे

मंगोलिया में 1347 में बैक्टीरिया का एक घातक रूप प्लेग के रूप में सामने आया था। जनवरी 1348 में इस बीमारी का एक और घातक रूप उभरा जिसने लोगों को तेजी से चपेट में लेना शुरू कर दिया। इसमें संक्रमित इंसान के शरीर में चकत्ते बन जाते थे। उल्टी, बुखार और कंपकंपी आती थी। इससे बड़ी तादाद में मौत हुई। जब तक इस बीमारी का कहर थमा तब तक यूरोप की आधी आबादी (ढाई से करीब 5 करोड लोग) इसकी चपेट में आकर खत्म हो चुकी थी। इसमें अफ्रीका, एशिया और यूरोप में तबाही मचाई इसी बीमारी ने 17 और 19वीं सदी में भी सिर उठाया तो भीषण हालात बने। भारत में 1855- 1900 के बीच प्लेग से 1.2 करोड लोग मरे।

साल 1520 : स्मॉलपॉक्स से हुई मौत

साल 1520 में स्पैनिश हमलावर हर्नियन कोटर्ज अपने साथ 500 सैनिकों को लेकर सेंट्रल मैक्सिको के एजटेक साम्राज्य पहुंचा जहां की आबादी 1.6 करोड़ थी। इतनी बड़ी आबादी पर उसने 1521 में हुकूमत भी कायम कर ली। बताया जाता है कि वह अपने साथ स्मॉलपॉक्स की महामारी लाया और इसने उस देश की 40त्न आबादी का सफाया कर दिया। ग्रंज डॉट काम के मुताबिक इतनी तादात में मौतें हो रही थी कि लोगों को उनके ही घरों के नीचे दफनाकर उनके घरों को कब्र में तब्दील किया जा रहा था।

साल 1770 अकाल से करोड़ से अधिक मौतें

इस साल बंगाल के इलाके में जिसमें आज का बांग्लादेश, पश्चिम बंगाल और बिहार व ओड़ीशा का कुछ हिस्सा शामिल था, भारी अकाल पड़ा जिससे 1769 से 1773 के बीच करीब एक करोड़ लोगों की भुखमरी से मौत हो गई। इसने एक तरह से बंगाल क्षेत्र की एक तिहाई आबादी का सफाया कर दिया था। इस दौर की बुरी यादें दर्द और पीड़ा बंगाल के साहित्य में भी बयां की गई है।

साल 1783 ज्वालामुखी फटने से हाहाकार

जून 1783 में आइसलैंड का लाकी ज्वालामुखी सक्रिय हुआ और यह आठ महीने आग उगलता रहा। इससे दुनिया में बेतहाशा गर्मी और फिर सर्दी पड़ी। ज्वालामुखी के कारण 1783 के उस पूरे साल उत्तरी ध्रुव के देशों के लोग जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हुए। इससे लोगों में सांस से जुड़ी दिक्कतें बढ़ गई। एसिड की बारिश हुई। एक साल के भीतर ही आइसलैंड के आधे पशु मर चुके थे, और इस देश की 20 फ़ीसदी आबादी का नाश हो गया। बताया जाता है कि उस साल जो सर्दी पड़ी उससे इतनी तबाही और भुखमरी हुई कि उसका अंजाम 1789 की फ्रांसीसी क्रांति के रूप में हुआ।

साल 1918 स्पैनिश फ्लू ने ली करोड़ों की जान

इस साल एच1 एन1 इनफ्लुएंजा फ्लू महामारी बन गया और दुनिया में हर तीसरा शख्स इससे बीमार पड़ गया। अनुमान के मुताबिक 50 करो? लोग इससे संक्रमित हुए और 5 करोड़ लोगों की मौत भी हुई। भारत के उत्तरी भूभाग में इससे 1.2-1.3 करोड़ मौतें हुई। यह कुल आबादी का 4 से 6 प्रतिशत था।

साल1943 दूसरा विश्व युद्ध, भारत में भुखमरी

दूसरे विश्व युद्ध के दौरान साल 1943 सबसे बुरा रहा। कंसंट्रेशन कैंप जनसंहार के केंद्र बन गए। बमबारी की दौड़ शुरू हो गई और दुनिया भर में लड़ाई छिड़ गई। ग्रंज डॉट काम के मुताबिक, ब्रिटिश भारत से उस समय बड़ी तादात में रसद और खाने-पीने का सामान युद्ध के मोर्चे पर और ब्रिटेन तक लाया गया। जिससे भारत में भुखमरी और अकाल पड़ गया। इससे भारतीय उपमहाद्वीप में 30 लाख मौतें हो गई।

साल 1947 करोड़ों बेघर, दंगों में लाखों मौतें

भारत-पाकिस्तान विभाजन के वक्त पंजाब का इलाका सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। यहां करीब 4 से 5 लाख लोगों की मौत होने का अनुमान है। डेढ़ करोड़ लोगों के बेघर होने और दंगों में 10 से 20 लाख लोगों की मौतें होने का अनुमान है।

मजहब देश, काल और परिस्थिति के हिसाब से बदलते हैं, लेकिन पूर्वज नहीं : योगी

अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस पर आयोजित काव्य संध्या में सीएम ने कहा कि अटल जी एक कवि थे वह एक साहित्यकार थे और साहित्य से राजनीति में आए। कवि हृदय राजनेता के लिए यह उपयुक्त श्रद्धांजलि है

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मजहब देश, काल और परिस्थिति के हिसाब से बदलते हैं, लेकिन पूर्वज नहीं। भगवान राम वैश्विक नायक हैं। यह बात तब और चरितार्थ होती है, जब इंडोनेशिया के मुस्लिम कलाकार रामलीला के पात्र बनकर मंच पर उतरते हैं। सीएम योगी ने बताया कि इंडोनेशिया की रामलीला के पात्रों को मैंने अयोध्या में देखा, उसके बाद उन्हें लखनऊ में सम्मान के लिए बुलाया। मैं देखकर हैरान था कि सभी पात्र मुस्लिम थे। मैंने उनसे कहा कि आप मुस्लिम होने के बावजूद राम, सीता या हनुमान बने थे। उन्होंने कहा हमारे यहां राम को लोग बड़ी श्रद्धा के साथ सम्मान करते हैं। राम हमारे पूर्वज हैं और इस्लाम हमारा मजहब। मैंने कहा- अगर भारत के अंदर कोई बनता तो फतवा जारी हो गया होता।

इससे पहले सीएम योगी ने भारत रत्न व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित काव्य संध्या का दीप जलाकर उद्घाटन किया। पं. अटल बिहारी वाजपेयी मेमोरियल फाउंडेशन की ओर से अटल जयंती की पूर्व संध्या पर कन्वेंशन सेंटर में गुरुवार को आयोजित काव्य समारोह में अटल व्यक्तित्व को कवि डॉ. कुमार विश्वास ने विराट काव्यांजलि दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या की पहचान राम के साथ-साथ दीपोत्सव से भी होनी चाहिए। मंदिर तो अनेक बन सकते हैं पर अयोध्या में राम मंदिर हमारी आस्था का केंद्र बिंदु है। यहां रामलीला करने आए इंडोनेशिया के कलाकारों में अधिकतर मुस्लिम थे। भारत के अंदर वो रामलीला के पात्र बनते तो फतवा जारी हो जाता।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अटल एक कवि थे। एक साहित्यकार थे और साहित्य से राजनीति में आए थे। कवि हृदय राजनेता के लिए यह उपयुक्त श्रद्धांजलि है। वर्ष 1957 में उन्होंने राजनीति में कदम रखा और वर्ष 2006 तक सक्रिय रूप से राजनीति को प्रभावित किया। अटल सबके प्रिय बने रहे। दल से ऊपर उठकर उनके प्रति लोगों में सम्मान का भाव था। सार्वजनिक जीवन में जाने की इच्छा रखने वाले प्रत्येक नागरिक के लिए अटल का जीवन अनुकरणीय हो सकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने सदैव प्रेरणा दी कि राजनीति मूल्यों की होनी चाहिए, आदर्शों की होनी चाहिए। उनकी स्मृतियां हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। अटल की कविताओं में राष्ट्र के प्रति जो भी भाव हैं, वो आज साकार होते दिखते हैं। जिस दिन कश्मीर में धारा 370 समाप्त हुई, अटल की आत्मा को शांति मिली होगी कि उनका संकल्प पूरा हुआ। अपने महापुरुषों के प्रति श्रद्धा का भाव सिर्फ भाषणों से नहीं, व्यावहारिक रूप से होना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहा कि कोरोना काल में हम लापरवाही नहीं कर सकते। हम सतर्क रहते हुए सभी कार्यक्रमों को करेंगे तो कोरोना से भी जीतेंगे और अपने महापुरुषों को श्रद्धांजलि भी दे पाएंगे। उन्होंने कहा कि लोहिया के नाम पर लोग राजनीति जरूर करते हैं, लेकिन परिवारवाद को ब?ावा देते हैं। आज वे लोग वातावरण खराब कर रहे, हमें समझना होगा। कार्यक्रम में मंत्री ब्रजेश पाठक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह आदि मौजूद रहे।

कुमार विश्वास ने की योगी के पहनावे की तारीफ, बोले- देखकर प्रणाम करने का दिल करता है

कवि कुमार विश्वास ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, मंत्री ब्रजेश मिश्रा, डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा की मौजूदगी में कविताओं से समा बांधा। कविता पाठ के दौरान कई ऐसे मौके आए जब कुमार विश्वास ने सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ हंसी-ठिठोली भी की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भगवा वस्त्र पहनने पर तंज कसने वालों लोगों पर कुमार विश्वास ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमसे किसी ने कहा कि वो(सीएम योगी) भगवा पहनते हैं. पत्रकार इस टिप्पणी को नोट करें। हम शासकों की आलोचना कर सकते हैं, प्रशंसा कर सकते हैं लेकिन सीएम योगी की वेशभूषा है वह सनातन धर्म में प्रणाम करने के लिए बाध्य करती है।

श्री राम मंदिर के लिए निधि समर्पण अभियान 15 से

जयपुर। अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर के निर्माण के लिए राजस्थान में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण निधि समर्पण अभियान के माध्यम से धन संग्रह किया जाएगा। यह विश्व का सबसे बड़ा अभियान होगा, जो एक माह यानि 15 जनवरी से 15 फरवरी तक चलेगा। इससे पहले रविवार को अम्बाबा?ी स्थित आदर्श विद्या मंदिर के स्वस्तिक भवन में प्रान्त प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया। प्रांत अभियान प्रमुख व विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री राजाराम ने निधि संग्रह में लगने वाले कार्यकर्ताओं को जनसंपर्क से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी। उन्होंने निधि समर्पण राशि के अंतर्गत 10,100 और 100 रुपये के कूपन तैयार किए गए हैं। इसके अलावा अधिक राशि देने वाले राम भक्त चेक या रसीद बुक के माध्यम से पैन नंबर के साथ दे सकेंगे।

अपने बिल्डरों को लाभ पहुंचा रही सरकार : फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर अपने पसंदीदा बिल्डरों को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया है। फडणवीस ने कहा कि इस मामले में अगर मुख्यमंत्री ने कार्रवाई नहीं की तो वे हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल करेंगे। फडणवीस ने इस संदर्भ में मुख्यमंत्री को पत्र भी लिखा है।

फडणवीस ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि कोरोना संकट के दौरान निर्माण कार्य क्षेत्र को उबारने के लिए दीपक पारेख समिति ने अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को दी थी। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने इस समिति की रिपोर्ट में से सिर्फ अपने पसंदीदा बिल्डरों को लाभ पहुंचाने वाली सूचनाओं को लागू किया। इन सुविधाओं में मुद्रांक शुल्क में राहत दिया जाना, रेडी रेकनर की दर, प्रीमियम आदि में छूट दिया जाना शामिल है। फडणवीस ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा कोरोना काल में लिए गए निर्णय का लाभ सिर्फ 5 बिल्डरों को 2 हजार करोड़ रुपये का लाभ मिला है। इससे राज्य सरकार को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने यह निर्णय मंत्री समूह की बैठक में लिया था। आमतौर पर मंत्री समूह की बैठक का हर निर्णय गोपनीय रहता है लेकिन इस निर्णय की प्रति बिल्डरों को सहज उपलब्ध हो गई।

शिवसेना प्रवक्ता संजय राऊत की पत्नी को ईडी का नोटिस

मुंबई। शिवसेना प्रवक्ता एवं राज्यसभा के सदस्य संजय राऊत की पत्नी वर्षा राऊत को रविवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पंजाब एंड महाराष्ट्र को-आपरेटिव बैंक घोटाले में पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में वर्षा को 29 दिसम्बर को ईडी कार्यालय में उपस्थित रहने का आदेश दिया गया है। शिवसेना प्रवक्ता राऊत ने पत्रकारों से कहा कि वह इस मामले में अलग से पत्रकार वार्ता कर विस्तृत जानकारी देंगे। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. किरीट सोमैया ने कहा कि को-आपरेटिव बैंक घोटाले में 10 हजार से अधिक खाताधारकों के साथ अन्याय हुआ है। इस मामले में सांसद राऊत का परिवार लाभार्थी है अथवा नहीं, इसका खुलासा खुद राऊत को करना चाहिए।

ड्राइवरलेस मेट्रो का शुभारंभ — प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को देश की पहली चालक रहित ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

देश में 2025 तक 25 से ज्यादा शहरों में मेट्रो चलाने की योजना : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को देश की पहली चालक रहित ट्रेन को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि सरकार की योजना वर्ष 2025 तक 25 से ज्यादा शहरों में मेट्रो चलाने की है। उन्होंने कहा कि आज मेट्रो केवल सार्वजनिक परिवहन का एक माध्यम नहीं है, बल्कि प्रदूषण को कम करने का एक शानदार तरीका है।

प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिल्ली मेट्रो की 37 किमी लम्बी मजेंटा लाइन (जनकपुरी पश्चिम से बॉटनिकल गार्डन) पर देश की पहली चालक रहित ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही उन्होंने 23 किमी लम्बे एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन (नई दिल्ली से द्वारका सेक्टर 21) की यात्रा के लिए नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) सेवाओं का भी शुभारंभ किया।

दिल्ली और एनसीआर में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए बन रहे भारत के पहले रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि दिल्ली मेरठ आरआरटीएस का शानदार मॉडल दिल्ली और मेरठ की दूरी को घटाकर एक घंटे से भी कम कर देगा।

उन्होंने कहा कि उन शहरों में जहां यात्री संख्या कम है, वहां मेट्रोलाइट वर्जन पर काम हो रहा है। ये सामान्य मेट्रो की 40 प्रतिशत लागत से ही तैयार हो जाती है। जिन शहरों में सवारियां और भी कम हैं, वहां मेट्रोनियो पर काम हो रहा है। ये सामान्य मेट्रो की 25 प्रतिशत लागत से ही तैयार हो जाती है। इसी तरह वॉटर मेट्रो भी आउट ऑफ द बॉक्स सोच का उदाहरण है।

सरकार ने पहली बार मेट्रो नीति तैयार की

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने पहली बार मेट्रो नीति तैयार की और इसे एक सर्वांगीण रणनीति के साथ लागू किया। इसमें हमारा जोर स्थानीय मांग के अनुसार काम करने, स्थानीय मानकों को बढ़ावा देने, मेक इन इंडिया के विस्तार और आधुनिक तकनीक के उपयोग पर था। उन्होंने कहा कि यह ध्यान में रखा गया है कि शहर के लोगों की जरूरतों और वहां की पेशेवर जीवनशैली के अनुसार मेट्रो के विस्तार, आधुनिक तौर-तरीकों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। यही कारण है कि विभिन्न शहरों में विभिन्न प्रकार की मेट्रो रेल पर काम किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश को भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार करना शासन की एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने इस तथ्य पर अफसोस जताया कि कुछ दशक पहले, जब शहरीकरण की मांग महसूस की गई थी, तब भविष्य की जरूरतों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया, आधे-अधूरे काम किए गए और भ्रम बना रहा। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत, आधुनिक सोच कहती है कि शहरीकरण को चुनौती न मानकर एक अवसर की तरह इस्तेमाल किया जाए। एक ऐसा अवसर जिसमें हम देश में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर बना सकते हैं। एक ऐसा अवसर जिससे हम इज ऑफ लिविंग (जीवन जीने की सुगमता) बढ़ा सकते हैं। सोच का ये अंतर शहरीकरण के हर आयाम में दिखता है।

स्मार्ट सिस्टम की तरफ आगे बढ़ रहा है देश

प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि तीन साल पहले उन्होंने जिस मजेंटा लाइन का उद्घाटन किया था आज फिर उसी रूट पर देश की पहली ऑटोमेटिड मेट्रो का भी उद्घाटन करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि ये दिखाता है कि भारत कितनी तेजी से स्मार्ट सिस्टम की तरफ आगे बढ़ रहा है।

दुनिया के चुनिंदा देशों में शामिल हो गया भारत

प्रधानमंत्री ने चालक रहित मेट्रो रेल की उपलब्धि पर कहा कि हमारा देश आज दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जहां इस तरह की सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि हम ऐसे ब्रेकिंग सिस्टम का भी प्रयोग कर रहे हैं जिनमें ब्रेक लगाने पर 50 प्रतिशत उर्जा वापस ग्रिड में चली जाती है। आज मेट्रो रेल में 130 मेगावाट सोलर पावर का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसे बढ़ाकर 600 मेगावाट तक ले जाया जाएगा।

अटल बिहारी वाजपेयी को किया याद

मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा कि दिल्ली में पहली मेट्रो अटल जी के प्रयासों से चली थी। उन्होंने कहा कि 2014 में वह सत्ता में आए तो सिर्फ 5 शहरों में मेट्रो रेल थी। आज 18 शहरों में मेट्रो रेल की सेवा है और वर्ष 2025 तक हम इसे 25 से ज्यादा शहरों तक विस्तार देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि साल 2014 में देश में सिर्फ 248 किलोमीटर मेट्रो लाइन्स आपरेशनल थीं। आज ये करीब तीन गुनी यानी 700 किलोमीटर से ज्यादा है। वर्ष 2025 तक हम इसका विस्तार 1700 किलोमीटर तक करने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि ये केवल आंकड़े नहीं हैं बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन में सहजता के प्रमाण हैं। ये सिर्फ ईंट पत्थर, कंक्रीट और लोहे से बने इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं हैं बल्कि देश के नागरिकों, देश के मिडिल क्लास की आकांक्षा पूरा होने के साक्ष्य हैं।

अहमदाबाद के बाद एनसीएमसी सेवा से जुड़ी दिल्ली मेट्रो

उन्होंने कहा कि आज नेशनल कॉमन मॉबिलिटी कार्ड से मेट्रो भी जुड़ रही है। पिछले साल अहमदाबाद से इसकी शुरुआत हुई थी। आज इसका विस्तार दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर हो रहा है। मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कॉमन मोबिलिटी कार्ड इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। आप जहां कहीं से भी यात्रा करें, आप जिस भी सार्वजनिक वाहन से यात्रा करें, ये एक कार्ड आपको एकीकृत सुविधा देगा।

तमाम सेवाओं को एकीकृत कर रही सरकार

मोदी ने कहा कि सरकार ने जनता की सुविधा की लिए जीएसटी, फास्ट टैग कार्ड, एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड सहित तमाम व्यवस्थाओं को एकीकृत करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि वन नेशन, वन राशन कार्ड से एक स्थान से दूसरे स्थान जाने वाले नागरिकों को नया राशन कार्ड बनाने के चक्करों से मुक्ति मिली है। इसी तरह नए कृषि सुधारों और ई-नाम जैसी व्यवस्थाओं से वन नेशन, वन एग्रीकल्चर मार्केट की दिशा में देश आगे बढ़ रहा है।

मेट्रो के विस्तार में मेक इन इंडिया

प्रधानमंत्री ने कहा कि मेट्रो सर्विसेस के विस्तार के लिए, मेक इन इंडिया महत्वपूर्ण है। मेक इन इंडिया से लागत कम होती है विदेशी मुद्रा बचती है और देश में ही लोगों को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिलता है। उन्होंने काह कि रोलिंग स्टॉक के मानकीकरण से हर कोच की लागत अब 12 करोड़ से घटकर 8 करोड़ पहुंच गयी है। आज चार बड़ी कंपनियां देश में ही मेट्रो कोच का निर्माण कर रही हैं। दर्जनों कंपनिया मेट्रो कंपोनेंट्स के निर्माण में जुटी हैं। इससे मेक इन इंडिया के साथ ही आत्मनिर्भर भारत के अभियान को मदद मिल रही है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक मंगू सिंह सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

लोकतंत्र अच्छा है. मैं ऐसा इसलिए कहता हूं क्योंकि अन्य प्रणालियां इससे बदतर हैं।
–पं. जवाहर लाल नेहरू

डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवती की मौत

बांदा। अपने जीजा के साथ बाइक में सवार होकर गांव वापस लौट रही युवती की डंपर की टक्कर से घटनास्थल पर मौत हो गई।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

घटना थाना चिल्ला अंतर्गत ग्राम सहूरपुर में शकूरपुर में रविवार की शाम को हुई। ग्राम अदरी निवासी अफसरी बेगम (24) पुत्री उस्मान खान अपने जीजा तौकीर के साथ इलाज के लिए बिंदकी गई थी। वहां से बाइक में ही वापस लौट रही थी, तभी सहूरपुर में तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। जिसकी घटनास्थल पर मौत हो गई। इस बात की जानकारी देते हुए मृतक के जीजा तौकीर ने बताया कि तेज रफ्तार डंपर ने बाइक में पीछे से ठोकर मारी जिससे अफसरी घायल हो गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

कार सवार से 402 ग्राम चरस बरामद

चंबा। पुलिस ने डलहौजी क्षेत्र की ठंडी सडक पर नाकाबंदी के दौरान कुल्लू जिले के एक टैक्सी वाहन से 402 ग्राम चरस बरामद की है। आरोपी चालक को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया है। वहीं वाहन को भी जब्त कर लिया है। मादक द्रव्य अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसपी चंबा एस अरुल कुमार ने बताया कि डलहौजी में ठंडी सडक पर सर्किट हाउस के समीप नाका लगा रखा था। इसी दौरान सुभाष चौक की ओर से आ रहे टैक्सी वाहन को चेकिंग के लिए रोककर जब तालाशी ली गई तो सीट के नीचे छिपाकर रखी 402 ग्राम चरस बरामद हुई।

किसान की आय बढ़ाने को प्रदेश में बनेंगे 13 और एक्सीलेंस सेंटर, रोग मुक्त मिलेंगे पौध

सतर्कता

- ात मिनी एक्सीलेंस सेंटर बन चुके हैं, १ निर्माणाधीन
- उद्यान मंत्री ने कहा, किसानों की आय ब ?ाने के लिए पिछली सरकारों ने कुछ नहीं किया
- 2017 तक प्रदेश में मात्र 69.78 हेक्टेयर क्षेत्रफल में ही बने थे पाली हाउस,
- अब 126.86 हेक्टेयर में पाली हाउस में खेती कर रहे किसान

लखनऊ। पिछली सरकारों ने किसानों को सिर्फ ठगने का काम किया है। उनके लिए वे एक भी ऐसी योजना नहीं बता सकते, जो उनके हमेशा काम आए और प्रगति पथ की ओर ले जाए। किसान देश के विकास के साथ कदमताल मिलाकर चलें। किसानों की आय लगातार बढ़ती रहे। वैज्ञानिक खेती की ओर अग्रसर हों, दुनिया के साथ किसान तालमेल बिठाकर चले इसके लिए भाजपा ने काम किया है। इसके लिए किए गये सैक ?ों काम में से एक है, मिनी सेंटर फार एक्सीलेंस। सात जिलों में इसकी स्थापना हो चुकी है। चंदौली में निर्माणाधीन है और

तेरह जनपदों में बनने के लिए प्रस्तावित है। ये बातें प्रदेश के उद्यान मंत्री श्रीराम चौहान ने कही।

यह बता दें कि सेंटर फार एक्सीलेंस पाली हाउस की तरह ही होता है। इसको सरकार अपनी तरह से स्थापित कर रही है। इसमें फल व सब्जियों के रोग मुक्त बीज उगाये जाते हैं। जो भी पौध इसमें तैयार होगा, वह हृष्ट-पुष्ट होगा। यदि वह पहले से हृष्ट-पुष्ट होगा, रोगमुक्त होगा तो उसकी पैदावार भी जल्द और अच्छी होगी। सरकार द्वारा स्थापित इन एक्सीलेंस सेंटरों में दो रुपये प्रति पौध के हिसाब से किसान को पौधे दिये जाते हैं। यदि किसान अपना बीज यहां उगाना चाहता है तो यह सुविधा भी एक्सीलेंस सेंटरों में उपलब्ध है। इसके लिए एक्सीलेंस सेंटर एक रुपये प्रति पौध के हिसाब से पैसा लेते हैं।

हापुड़ व कुशीनगर में बनेगा आलू आधारित मिनी एक्सीलेंस सेंटर

उद्यान मंत्री ने विशेष वार्ता में बताया कि हापुड़, अलीगढ़, मऊ, बहराइच, फतेहपुर, रामपुर, अम्बेडकरनगर में मिनी एक्सीलेंस सेंटर स्थापित हो चुके हैं। किसान वहां से लाभ ले रहे हैं। हापुड़ और कुशीनगर में आलू आधारित मिनी एक्सीलेंस सेंटर बनना है। उन्होंने बताया कि आफ सीजन में भी हाई वैल्यू सब्जी एंव पुष्प उत्पादन को ब?ावा देने के लिए एकीकृत बागवानी विकास मिशन के अंतर्गत 2017-18 से 2020-21 के बी ग्रीन हाउस एवं टीनशेड का निर्माण कर 126.86 हेक्टेयर में वैज्ञानिक ढंग से खेती किसान कर रहे हैं, जबकि 2017-18 से पूर्व मात्र 69.78 हेक्टेयर में ही पाली हाउस बन पाया था।

आय के साथ ही पानी का बना रहे स्रोत, इस पर भी ध्यान दे रही सरकार

उद्यान मंत्री ने कहा कि किसानों की आय बढ़ने के साथ ही पानी की खपत भी कम हो। इससे पानी का लेवल नीचे नहीं जाएगा। इस पर भी भाजपा ने काम किया। इसके लिए ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई की ग्राह्यता को बढ़ाने के लिए 80 से 90 प्रतिशत अनुदान पर ड्रिप सिंचाई पद्धति को 178767 हेक्टेयर में स्थापित करायी। इससे पहले 2006 से लेकर 2017 तक 38870 हेक्टेयर में ही यह पद्धति स्थापित थी। उद्यान मंत्री हिन्दुस्थान समाचार से कहा कि पिछली सरकारों ने कभी नहीं चाहा कि किसान वैज्ञानिक खेती से जु?कर स्वयं सक्षम हो जाय, वे हमेशा इसे गरीब ही बने रहने में अपना हित समझते रहे। हमने किसान भाइयों के स्थायी विकास पर ध्यान दिया। इसके तहत तमाम वैज्ञानिक पद्धति से जो?ा। किसानों को उत्पाद बेचने के लिए नजदीक में बाजार उपलब्ध हो, इस पर ध्यान दिया।

1.28 लाख को रोजगार

उन्होंने कहा कि फरवरी 2018 में आयोजित उप्र इन्वेस्टर्स समिट में खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर के उद्योगपतियों द्वारा धनराशि 15182.54 करोड़ के 285 एमओयू हस्ताक्षरित हुए थे, जिसके सापेक्ष आज 123 इकाइयां व्यवसायिक उत्पादन कर रही हैं। 41 इकाइयां व्यवसायिक उत्पादन कर रही हैं। उन्होंने हिन्दुस्थान समाचार से कहा कि उप्र खाद्य प्रंसस्करण उद्योग नीति-2017 के अंतर्गत अब तक 636 आन लाइन आवेदन पंजीकृत हुए हैं, जिनमें 3312.82 करोड़ रुपये की पूंजी निवेश तथा 1.28 लाख प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार का सृजन हुआ है।

फिरोजशाह कोटला स्टेडियम में अरुण जेटली की प्रतिमा का अनावरण

नई दिल्ली। गृहमंत्री अमित शाह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिवंगत नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली की 68वीं जयंती के मौके पर सोमवार को नई दिल्ली स्थित फिरोजशाह कोटला स्टेडियम में सोमवार को उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। यह प्रतिमा छह फुट लम्बी है और इसका वजन 800 किलो है। इसे बनाने में 15 लाख की लागत आई है।

प्रतिमा अनावरण के मौके पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ÷यह मेरे लिए बहुत सम्मान और खुशी की बात है कि मैं यहां फिरोजशाह कोटला स्टेडियम में हूं, जिसने अतीत में कुछ ऐतिहासिक क्रिकेट के क्षण देखे हैं।÷ उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अरुण जेटली में गहरी दोस्ती थी। वे एक बेहद तार्किक चिंतक थे और उनके पास हर सवाल का सटीक जवाब होता था।

इससे पहले, शाह ने अरुण जेटली की जयंती पर उन्हें याद करते हुए अपना अच्छा मित्र बताया। उन्होंने ट्वीट कर कहा, %वह एक उत्कृष्ट सांसद थे, उनके जैसा ज्ञान और अंतर्दृष्टि बहुत कम देखने को मिलती है। उन्होंने भारतीय राजनीतिक में एक बड़ा योगदान दिया और उत्साह व निष्ठा के साथ देश की सेवा की। इस मौके पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली और बीसीसीआई के पूर्व प्रमुख व केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर समेत डीडीसीए के कई अधिकारी मौजूद रहे।

सपा छोकर दर्जन भर से अधिक अल्पसंख्यक राष्ट्रीय कांतिकारी समाजवादी पार्टी में हुए शामिल

लखनऊ। राष्ट्रीय क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी (आरकेएसपी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में अल्पसंख्यक समुदाय के दर्जन भर नेता और कार्यकर्ता समाजवादी पार्टी को छोड़कर राष्ट्रीय क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए।

आरकेएसपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अधिकतर राजनीतिक पार्टियों ने मुस्लिम समुदाय को सिर्फ ठगा है। उनके तरक्की और विकास के लिए कभी कुछ न तो सोंचा और न ही कभी कुछ किया सिर्फ उन्हें बंधुआ वोट बैंक समझकर उनका राजनीतिक प्रयोग किया है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी अपने अल्पसंख्यक भाइयों बहनों के सम्मान की ल?ाई को न केवल आगे ब?ाएगी बल्कि हर स्तर पर उनके विकास और तरक्की के लिए समर्पित रहेगी।

गोपाल राय ने देश के विकास में अल्पसंख्यक समुदाय के योगदानों का सराहना करते हुए कहा कि यह वह कौम है जो हमेशा जुल्म और सितम के खिलाफ ल?ाई ल?ा है, मगर आज लाचार हो गया है क्योंकि इस समुदाय को आजादी के बाद पहले तो कांग्रेस पार्टी ने गुमराह किया और फिर सोशलिस्टों ने मगर अब वक्त आ गया है कि अपने बेहतरी के लिए अल्पसंख्यक समुदाय राष्ट्रीय क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी के साथ कंधा से कंधा मिलाकर देश और समाज के लिए ल?ाई ल?। सभा को प्रमुख रूप से संबोधित करते हुए हुए आनंद सिंह,नसीम हैदर अली ने कहा कि संघर्ष जारी रहेगा और अल्पसंख्यक समुदाय के स्थिति में सुधार हो इसके लिए हम सब जो मिल जुलकर काम करना होगा।

सीआरपीएफ ने किया बैंड प्रदर्शन

जम्मू। ग्रुप केन्द्र बनतालाब की बैंड टीम द्वारा रविवार को ''वैब-मॉल, छन्नी हिम्मत, जम्मू'' में ''एक भारत, श्रेष्ठ भारत'' के अन्तर्गत ''केरिपुबल बैंड-प्रदर्शन कार्यक्रम' आयोजित किया गया।

इस बैंड प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल एवं आम जनता के बीच सार्वजनिक संबंधों को मजबूती प्रदान करना था। बैंड टीम ने अपनी मधुर धुनों से वहॉ पर उपस्थित आम जनता, विषेशकर बच्चों का मनोरंजन किया, जिसका सभी ने भरपूर आनन्द लिया और तालियों की ग?ग?हट के साथ प्रसंशा भी की। कार्यक्रम के अंत में वहॉ पर उपस्थित सभी लोगों, विषेशकर बच्चों को मिठाई व चैकलेट वितरित की गई।

उपरोक्तानुसार ''केरिपुबल बैंड-प्रदर्शन कार्यक्रम'' एस.पी. सिंह, उप महानिरीक्षक, ग्रुप केन्द्र बनतालाब एवं सुनीत वार्ष्णेय, कमाण्डेंट 76 बटा., केरिपुबल के कुशल नेतृत्व में आयोजित करवाया गया। इस कार्यक्रम के दौरान प्रेम चन्द्र गुप्ता, कमाण्डेंट, ग्रुप केन्द्र बनतालाब एवं कृष्ण दत्त जोशी, कमाण्डेंट, 160 बटा., केरिपुबल तथा सुमित वर्मा, उप कमाण्डेंट, ग्रुप केन्द्र बनतालाब भी अपने-अपने परिवार के साथ उपस्थित थे।

साथ ही इस कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु ग्रुप केन्द्र बनतालाब की बैंड टीम एवं 76 बटा. के राजपत्रित अधिकारियों व कार्मिकों द्वारा भरपूर सहयोग किया गया।

पश्चिम रेलवे ने यात्री सुरक्षा को लेकर विभिन्न तकनीकी उपाय किए

सतर्कता

- र्चगेट और विरार स्टेशनों के बीच लगाए जा रहे 2600 सीसीटीवी कैमरे

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुरक्षा के लिए विभिन्न तकनीकों के उपयोग की दिशा में बड़े कदम उठाये गये हैं। इस दिशा में रेल सुरक्षा बल द्वारा अपनाई गई कुछ महत्वपूर्ण पहलों के अंतर्गत ड्रोन तकनीक, बायोमेट्रिक टोकन मशीन, क्यूआर कोड आधारित ई-पास प्रणाली, प्लेटफार्मों पर सेगवे आदि तकनीकों का उपयोग मुख्य रूप से शामिल है। हाल ही में किए गए विकास के अंतर्गत मुंबई सेंट्रल मंडल के रेल सुरक्षा बल द्वारा सभी रेलवे स्टेशनों और अत्यधिक संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा के लिए क्यू आर कोड आधारित ई-पेट्रोलिंग एवं बीट मैनेजमेंट सिस्टम को लॉन्च किया गया है। यह प्रणाली पूरे भारतीय रेलवे पर इस प्रकार की पहली प्रणाली है तथा पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक आलोक कंसल द्वारा हाल ही में इसका उद्घाटन किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर के अनुसार यात्रियों की सुरक्षा की दृष्टि से पश्चिम रेलवे की सुरक्षा शाखा द्वारा अनेक तकनीकी पहल एवं उपाय किए गए हैं। ई-पेट्रोलिंग एवं बीट मैनेजमेंट सिस्टम स्टाफ मैनेजमेंट और सुरक्षा मॉनिटरिंग के लिए हाल ही में शुरू की गई एक उन्नत प्रणाली है। यह प्रणाली पूरे मंडल के ड्यूटी बीट के सिस्टमैटिक कवरेज के लिए ऑन ड्यूटी स्टाफ की सटीक मॉनिटरिंग और प्रभावी पर्यवेक्षण सुनिश्चित करता है। सुरक्षा स्थिति पर निगरानी के लिए स्टाफ की जियो स्पेशल मैपिंग और ग्राफिकल रिप्रेजेंटेशन के साथ दैनिक मासिक विश्लेषणात्मक रिपोर्ट एक नई विशेषता है। कस्टम डिजाइन मोबाइल एप्लीकेशन के जरिये स्टाफ स्थल पर इंस्टॉल क्यू आर कोड स्कैनिंग से ड्यूटी पर अपनी उपस्थिति दर्ज करते हैं। उन्हें सिस्टम में शामिल ई-नोटिस बोर्ड सुविधा और ग्रुप मैसेजिंग के जरिये किसी अनपेक्षित घटना को अटेंड करने के लिए निर्देश दिया जा सकता है। मुंबई मंडल में इस प्रणाली के सफल क्रियान्वयन के साथ अब इसे पश्चिम रेलवे के सभी मंडलों पर क्रियान्वित किया जाएगा।

ठाकुर ने बताया कि मुंबई सेंट्रल मंडल में चर्चगेट और विरार स्टेशनों के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 'एडवांस वीडियो एनालिटिक्स कैपेबिलिटीज एवं 'मशीन लर्निंग से युक्त 2600 सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जा रहे हैं। आरपीएफ द्वारा सीसीटीवी फुटेज की सहायता से चोरी, डकैती और छेड़छाड़ जैसे जघन्य अपराधों के साथ वर्ष 2020 में अब तक कुल 21 मामलों का पता लगाया गया है। अत्याधुनिक सीसीटीवी सिस्टम के जरिए आरपीएफ न केवल अपराधों पर रोक एवं उनका पता लगाएगा; बल्कि आग, अत्यधिक भीड़ भाड़, कचरे की समस्या आदि जैसी आकस्मिक घटनाओं की भी सक्रियता से पहचान करने, उन्हें रोकने और उनके निदान में भी सहायता करेगा। रेल अधिनियम के अंतर्गत प्रावधानों के अधीन ट्रेनों और रेल परिसरों में अनधिकृत फेरी वालों के विरुद्ध नियमित अभियान भी चलाए जा रहे हैं। वर्ष 2020 के दौरान अब तक कुल 4098 फेरी वालों तथा विक्रेताओं के विरुद्ध मुकदमा चलाया गया और दंडस्वरूप उनसे 17,35,200 रु. की वसूली की गई है। अनधिकृत विक्रेताओं के लिए स्टेशन स्तर पर विशेष दस्ते भी तैयार किए गए हैं और इन विशेष दस्तों द्वारा समय-समय पर विशेष अभियानों के साथ-साथ औचक जांच भी की जाती है।

इसके साथ ही, मुंबई उपनगरीय सेक्शन के संबंधित एमसीजीएम, एमबीएमसी, वीवीएमसी के पदाधिकारियों के साथ समन्वय करते हुए रेलवे स्टेशनों के प्रवेश, निकास, एफ ओ बी, आर ओ बी, सबवे आदि के आसपास के शहरी क्षेत्रों में अनधिकृत फेरी वालों की समस्या से निपटने हेतु संयुक्त अभियान भी प्रायः चलाए जा रहे हैं। ड्रोन टेक्नोलॉजी की शुरुआत भी एक अन्य महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी उपलब्धि कही जा सकती है। ड्रोन की परिकल्पना रेलवे की विशाल परिसंपत्तियों पर नजर रखने के लिए की गई है। अपराध-प्रवृत्त लोकेशनों पर निगरानी रखने हेतु उनकी पहचान की जाती है जिससे 'क्रिक रिस्पांस टीमों% की मदद से अपराधियों की तत्काल ट्रैकिंग एवं उनके विरुद्ध कार्रवाई की जा सके। इस प्रणाली द्वारा दुर्घटनाओं, आपदाओं अथवा आतंकवादी हमले जैसी आकस्मिक घटनाओं को रोकने हेतु महत्वपूर्ण सहायता और आसूचना प्रदान की जाती है। मंडल के समग्र उपनगरीय रेल नेटवर्क की निगरानी हेतु एक केंद्रीयकृत 'कमांड एंड कंट्रोल सेंटर% की स्थापना की गई है। महत्वपूर्ण स्टेशनों जैसे चर्चगेट, मुंबई सेंट्रल, बांद्रा टर्मिनस, बोरीवली एवं अंधेरी पर सेगवे की व्यवस्था की गई है। 'रेस्पांस' के समय में तेजी से कमी लाने के लिए फोर्स के सदस्यों की 'मोबिलिट% में सुधार किया गया है। अत्यल्प समय में प्लैटफॉर्मों की त्वरित पेट्रोलिंग के लिए स्टाफ द्वारा बैटरी चालित रिफाइंड टेक्नोलॉजी उपस्कर के 11 यूनिटों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

विशेष साइबर सेल की स्थापना ¯ ठाकुर ने बताया कि साइबर-अपराधों की घटनाओं पर नियंत्रण रखने के लिए सभी मंडलों की सहायता हेतु जोनल स्तर पर साइबर अपराध का पता लगाने में विशेषज्ञों सहित एक विशेष साइबर सेल की स्थापना की गई है। यह सेल साइबर अपराधों का विश्लेषण करने में सक्षम है। डिजिटल सबूतों की पहचान और संरक्षण, सोशल मीडिया विश्लेषण, खुफिया जानकारी जुटाने, साइबर पेट्रोलिंग में भी मदद करता है। वीडियो विश्लेषण और साइबर सुरक्षा के लिए उन्नत उपकरण एक समर्पित टीम के साथ स्थापित किए गए हैं, जो भारतीय रेलवे की डिजिटल संपत्ति को सुरक्षित रखने के लिए 24 घंटे कार्य कर रहे हैं।

रेप पीड़िता ने सीएम उद्धव ठाकरे से की कार्यवाही की मांग

मुंबई। धनानी मोटर के मालिक जुबेर धनानी की हैवानियत की शिकार 29 वर्षीय पीड़िता ने सीएम उद्धव ठाकरे से मांग की है, कि वह उसके अपहरण और रेप के आरोपी जुबेर धनानी पर कड़ी कार्यवाही करें और उसे न्याय दिलाये। पीड़िता ने कहा कि उसके रेप और अपहरण का आरोपी जुबेर धनानी अपने पिता इकबाल धनानी और भाई आसिफ धनानी के साथ अभी भी फरार है। जिससे उसकी जान को खतरा है। पीड़िता ने कहा कि उसके साथ अगर कोई भी अनहोनी होती है। तो इसके जिम्मेदार यह तीनों ही होंगे। बतादे कि एक महिला के अपहरण और उससे रेप के आरोप में धनानी मोटर के मालिक जुबेर धनानी पर पालघर पुलिस ने केस दर्ज किया है। लेकिन महिला से दरिंदगी के कई घंटे बीत जाने के बाद भी जुबेर धनानी अपने भाई और आसिफ धनानी और पिता इकबाल धनानी के साथ पुलिस की पकड़ी से बाहर है। पीड़िता का आरोप है,कि जुबेर ने पहले तो उसे शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए और जब वह गर्भवती हो गई,तो बोईसर के साई साक्षी नामक अस्पताल में उसका जबरन गर्भपात करा दिया। और बाद में उसका फोन उठाना छोड़कर उसके परिजनों को धमकाया जाने लगा। मामले में सुलह के लिए बोईसर बुलाकर पीड़िता का अपहरण कर लिया और उसके साथ कार में ही जुबेर ने रेप किया। आरोप है, कि जुबेर के पिता इकबाल धनानी और भाई आसिफ धनानी ने घर वालो को मुंह खोलने पर परिणाम भुगतने की धमकी दी। पुलिस जुबेर धनानी पर रेप और अपहरण व पिता इकबाल और भाई आसिफ पर अन्य आपराधिक धाराओं में केस दर्ज कर उनकी तलाश में जुटी है।

बारात में डांस करने पर मारपीट, चार पर केस दर्ज

राजगढ़। कुरावर थाना क्षेत्र की शिक्षक कॉलोनी में बारात में डांस करने की बात पर चार युवकों ने मिलकर बारातियों के साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने सोमवार को फरियादी की रिपोर्ट पर चार के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरु की। पुलिस के अनुसार ग्राम जामनेर थाना शुजालपुर निवासी लखन (25) पुत्र नारायणसिंह ने बताया कि रविवार रात बारात में डांस करने की बात को लेकर शिक्षक कॉलोनी निवासी किक्की, रवि, दिनेश और सागर वर्मा ने गाली-गलौंज करते हुए मारपीट की।

लखनऊ-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस सहित कई स्पेशल ट्रेनों को मिला विस्तार, यात्रियों को मिलेगी राहत

लखनऊ। रेलवे प्रशासन ने होली के त्योहार पर स्पेशल ट्रेनों में लंबी वेटिंग को देखते हुए लखनऊ-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस सहित कई पूजा स्पेशल ट्रेनों को अब तीन महीने का विस्तार दिया है। इससे यात्रियों को नए साल और होली के त्योहार पर वेटिंग से राहत मिलेगी।

रेलवे प्रशासन के मुताबिक, गोरखपुर से जम्मूतवी जाने वाली 02587 अमरनाथ एक्सप्रेस 22 मार्च तक और जम्मूतवी से गोरखपुर जाने वाली 02588 अमरनाथ एक्सप्रेस अब 27 मार्च तक चलाई जाएगी। ऐसे ही भागलपुर से जम्मूतवी जाने वाली 05097 अमरनाथ एक्सप्रेस 25 मार्च तक और 05098 जम्मूतवी-भागलपुर अमरनाथ एक्सप्रेस 23 मार्च तक चलाई जाएगी।

इसी तरह से 02530 लखनऊ जंक्शन-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस और 02529 पाटलिपुत्र-लखनऊ जंक्शन स्पेशल ट्रेन का संचालन अब 31 मार्च तक किया जाएगा। 05023 गोरखपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस का संचालन 30 मार्च तक और 05024 यशवंतपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस एक अप्रैल तक किया जाएगा।

इसके अलावा अगले महीने से हरिद्वार में शुरू होने वाले कुम्भ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने रासी-गंगा स्पेशल ट्रेन के संचालन की अवधि भी बढ़ा दी है। 05005 गोरखपुर-देहरादून रासी-गंगा एक्सप्रेस 31 मार्च तक जबकि 05006 देहरादून-गोरखपुर रासी-गंगा एक्सप्रेस एक अप्रैल तक चलाई जाएगी। 05001 मुजफ्फरपुर-देहरादून रासी-गंगा एक्सप्रेस 29 मार्च तक तथा 05002 देहरादून-मुजफ्फरपुर रासी-गंगा एक्सप्रेस को 27 मार्च तक चलाई जाएगी ।

इसी क्रम में गुजरात जाने वाले यात्रियों को भी राहत दी गई है। 05045 गोरखपुर-ओखा स्पेशल ट्रेन को अब 25 मार्च तक संचालित किया जाएगा। वापसी में 05046 ओखा-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन 28 मार्च तक चलेगी। इससे यात्रियों को नए साल और होली के त्योहार पर आवागमन करने में आसानी होगी।

अधिकारियों की लापरवाही से किसान औने-पौने भाव बेच रहे धान

मण्डला। जिले में 59 खरीदी केन्द्रो के माध्यम से धान की खरीदी किसानों से की जा रही है। हर साल की तरह इस साल भी आधी अधूरी तैयारी के साथ खरीदी आरंभ की गई है। धान खरीदी केन्द्रो से किसान परेशान हो रहे हैं। जिस तरह के हालात धान खरीदी केन्द्रों में दिखाई दे रहे हैं उससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि जिम्मेदार अधिकारी केवल कागजी खानापूर्ति कर रहे हैं। किसानो को घंटो इंतजार करना पड़ता है तब कही जाकर कूपन मिल पाता है। मजबूरी में किसान अपनी उपज व्यापारियो को औने-पौने दाम में बेच रहा है।

राजनैतिक दलो के एजेंडा में किसान पहली प्राथमिकता में होते हैं और सबसे ज्यादा शोषण भी इन्ही किसानों का किया जाता है। जिले में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से 2 लाख किसान खेती किसानी से जुड़े हैं। उद्योग विहीन इस जिले की अर्थव्यवस्था कृषि पर ही आधारित है। लिहाजा कड़ी मेहनत से किसान फसल तैयार करता है और

जब वह खरीदी केन्द्र में पहुंचता है तो उसका शोषण, मानसिक, शरीरिक, आर्थिक रूप से आरंभ कर दिया जाता है । शिकायतों पर कार्यवाही नही होती है, बल्कि शिकायत करने वाले किसानों को और परेशान किया जाता है।

वहीं घपलेबाजी के लिए पहचाने जाने वाले खरीदी केन्द्र प्रभारी किसानों से बिना लेन-देन किए अगर उनकी उपज खरीद ले तो बड़ी बात है। तमाम बहाने नियम कानून बता कर उन्हें रिश्वत देने के लिए आखिर जिम्मेदार मजबूर कर ही देते हैं वहीं घटिया चावल वितरण का मामला प्रकाश में आने के बाद केन्द्र सरकार द्वारा 51 सर्वेयर जिले में भेजे गए हैं जो खरीदी केन्द्र और केप गोदाम आदि में धान की जॉच पड़ताल कर रहे हैं। इन सर्वेयरों पर भी लेन देन के आरोप लगे हैं। जिले में 6 लाख क्वींटल धान की खरीदी की जा चुकीं हैं तो लगातार भुगतान किए जाने की बात अधिकारियों ने कहीं है।

विधायक के निर्देश पर किया निरीक्षण

रविवार को विकासखंड लेम्पस मोहगांव के अंतर्गत सिंगारपुर धान खरीदी केन्द्र का निरीक्षण निवास विधानसभा के विधायक डॉ. अशोक मर्सकोले के निर्देशानुसार मंडलम मोहगांव के सभी कार्यकर्ताओ की उपस्थिति में खरीदी केन्द्र पहुंचकर औचक निरीक्षण किया गया। जहां अव्यवस्थाए देखी गई। स्थानीय किसानो की समस्याए विधायक के संज्ञान में लायी ।

प्रबंधक कर रहा सौतेला व्यवहार

प्रबंधक द्वारा सौतेला रवैया अपनाया जा रहा है जो बड़े बिचौलिये लोग यहा ज्यादा मात्रा मे धान लेकर आ रहे हैं उनकी धान का तौल तत्काल किया जा रहा है छोटे किसान सिर्फ खरीदी केन्द्र के चक्कर ही काट रहे हैं। इस संबंध में एमपी स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन लिमिटेड मंडला के , प्रबंधक एनएस पवार का कहना है कि जिले के 59 खरीदी केन्द्रो में धान की खरीदी की जा रही है। केन्द्र सरकार से 51 सर्वेयर भेजे गए हैं जो धान आदि की जांच कर रहे हैं और भुगतान भी लगातार किया जा रहा है।

सारदा चिटफंड में भाजपा ने ममता पर साधा निशाना

कोलकाता। सारदा चिटफंड मामले में भाजपा ने अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। भाजपा के पश्चिम बंगाल के केंद्रीय सह प्रभारी और आइटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने 23 दिसंबर को सीबीआई के सारदा चिट फंड घोटाले पर सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि सीएम ममता बनर्जी की बनाई पेंटिंग्स की खरीदारी सारदा समूह ने की थी, लेकिन कभी भी उसकी जांच नहीं की गई। इस बारे में पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव से भी बार-बार हिसाब मांगा गया है, लेकिन स्पष्ट जवाब नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम, कुणाल घोष और सुदीप्त सेन के बीच अच्छे संबंध थे। अमित मालवीय ने सोमवार को ट्वीट किया, ÷23 दिसंबर को सीबीआई ने सारदा चिट फंड घोटाले पर कोर्ट में याचिका दायर की। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईडी की जांच में पता चला है कि राज्यसभा के के पूर्व सांसद व सारदा मामले के आरोपी कुणाल घोष पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और सारदा ग्रुप के प्रमोटर सुदीप्त सेन के बहुत अच्छे संबंध थे। उन्होंने ट्वीट किया, सारदा के एक कर्मचारी सफीकुर रहमान ने खुलासा किया कि ... ÷घोष सारदा के प्रमोटर ... (सारदा प्रमोटर) सेन को विभिन्न दुर्गा पूजा समितियों को पैसे देने के लिए निर्देश दिया करते थे और ÷जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने विधानसभा का चुनाव लड़ा था, तो सेन को भवानीपुर, कोलकाता की पूजा को प्रायोजित करने के लिए मजबूर किया गया था। अमित मालवीय ने ट्वीट किया, ÷सीबीआई की दलील से पता चलता है कि ÷प्रति माह 27 लाख रुपये की दर से 6.21 करोड़ का भुगतान सीएम के राहत कोष से लेकर तारा टीवी को किया गया था।

मनुष्य को ठंडा रहना चाहिए, क्रोध नहीं करना चाहिए। लोहा भले ही गर्म हो जाए, हथौड़े को तो ठंडा ही रहना चाहिए अन्यथा वह स्वयं अपना हत्था जला डालेगा।
—सरदार पटेल

परिवारिक विवाद में युवक ने पत्नी का गला काटा

लखनऊ। विभूतिखंड थाना क्षेत्र में रविवार की देर शाम को मामूली विवाद में युवक ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से गला काट दिया। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। विभूतिखंड के भरवारा में रहने वाला अमित दैनिक मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करता है। रविवार को परिवारिक विवाद के चलते अमित ने धारदार हथियार से पत्नी गीता के गला पर वार कर घायल कर दिया। मौहल्ले वालों की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपित पति को गिरफ्तार कर घायल महिला को इलाज के लिए लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों ने महिला की हालत नाजुक बतायी है।

युवक ने लगाई मेट्रो के आगे छलांग, टांग कटी

गाजियाबाद। कौशांबी मेट्रो स्टेशन पर रविवार की शाम एक युवक ने मेट्रो ट्रेन के आगे छलांग लगा दी जिससे उसकी एक टांग कट गई। उसे गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवक का नाम अनुज त्यागी है और उम्र करीब 28 साल है। वह मेरठ का रहने वाला है। सुरक्षाकर्मियों ने उसे ट्रैक से उठाया और एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। उसके सिर में भी गंभीर चोटें आई हैं। उसने यह कदम क्यों उठाया अभी साफ नहीं है। पुलिस जांच कर रही है। मेट्रो के सुरक्षाकर्मियों को उसके पास से केवल मेट्रो का कार्ड मिला है।

यूपी में कमजोर हुआ शीतलहर, ठंड रहेगी बरकरार

मौसम

आसमान में बादल छाये रहने के साथ बढ़ेगा कोहरा बर्फीली हवाएं चलती रहेंगी

लखनऊ। हवाओं की रफ्तार धीमी होने से पहाड़ों से चलने वाली बर्फीली हवाएं भी उत्तर प्रदेश में कमजोर हुई है। इसके चलते कुछ जनपदों को छोड़ ज्यादातर जनपदों में शीतलहर का प्रकोप कम हो जाएगा, लेकिन ठंड बरकरार रहेगी। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर-पश्चिमी दिशा से बर्फीली हवाएं चलती रहेंगी तथा कहीं-कही हल्के से मध्यम बादल छाये रहने की संभावना है। इसके साथ ही कोहरा भी तराई और मैदानी क्षेत्रों में सुबह-शाम बढ़ने के आसार है।

पहाड़ों से चल रही सर्द हवाओं से बीते दिनों जहां उत्तर प्रदेश के लगभग सभी जनपद शीतलहर की चपेट में आ गये थे वहीं अब हवाओं की रफ्तार धीमी होने से शीतलहर कमजोर हो रहा है। हालांकि बर्फीली हवाओं के चलते ठंड में कोई कमी होने वाली नहीं है। मौसम विभाग के मुताबिक बर्फीले पहा?ों से बहने वाली सर्द हवाओं के चलते उत्तर प्रदेश के पश्चिमी, पूर्वी तथा मध्य भागों में उत्तर प्रदेश के सभी भागों में मौसम मुख्यतः साफ और शुष्क रहेगा। इसके साथ ही कुछ स्थानां पर हल्के बादल छाये रहेंगे और औसतन दिन का अधिकतम तापमान 21-22 डिग्री सेल्सियस, सापेक्षिक आद्रता 90-94 के मध्य एवं हवाओं की दिशा दक्षिण-पूर्वी तथा रात्रि का न्यूनतम तापमान 6-8 के मध्य रहेगा। सापेक्षिक आद्रता 60-64 के मध्य एवं हवाओं की दिशा उत्तर-पश्चिम चलने के आसार हैं। उत्तर-पश्चिमी दिशा से ब?ीली हवाएं चलती रहेंगी तथा कहीं-कही हल्के से मध्यम बादल छाये रहने के संभावना है।

चन्द्रशेखर आजाद कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ एसएन पाण्डेय ने बताया कि मैदानी इलाकों के लिए शीत लहर की घोषणा तब की जाती है जब न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस या इससे नीचे हो और लगातार दो दिन तक सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस कम हो। यह स्थिति उत्तर प्रदेश में अब कुछ जनपदों को छोड़कर नहीं है। हालांकि लोगों को कड़ाके की ठंड से अभी निजात नहीं मिलने वाली है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के मध्य क्षेत्र को छोड़कर ज्यादातर जनपदों में कोहरे का भी असर देखने को मिल रहा है। बताया कि वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर, प्रतापगड़, जौनपुर, अयोध्या, सुल्तानपुर समेत पूर्वी व इटावा, मैनपुरी, कन्नौज, फर्रुखाबाद, कानपुर, कानपूर देहात, हरदोई, आगरा, लखीमपुर खीरी, सीतापुर समेत पश्चिमी जिले में भी अब रात्रि व प्रातः काल के समय हल्का कोहरा एवं धुंध दिखाई देने के आसार है।

प्रमख शहरों का तापमान

आगरा 22,5 अलीगढ़ 21,5 बहराइच 23,8 बांदा 25,5 बरेली 19,4 फैजाबाद 24,7 नोएडा 20,4 गाजियाबाद 20,4 गोरखपुर 24,7 लखनऊ 24,6 प्रयागराज 25,7 वाराणसी 24,8 कानपुर 23,5 डिग्री सेल्सियस तापमान रहने की संभावना है।

कुल्लू व लाहौल में फिर से बिछी बर्फ की चादर, तेज हवाओं का प्रकोप

कुल्लू। कुल्लू व लाहौल घाटी में एकबार फिर बर्फबारी हुई है। कुल्लू में मध्यरात्रि काफी समय तक तेज हवाएं चलती रही व उसके बाद बारिश शुरू हो गई। ऊंचे क्षेत्रों में पारा शून्य व शून्य से नीचे पहुंच गया है। पूरी घाटी ठंड की चपेट में आ गई है।

बीती रात हुई बर्फबारी के बाद ऊंची पहा?ियां एकबार फिर चमकने लगी हैं। रोहतांग, सोलंग घाटी, मनाली के साथ सटी ऊंची पहा?ियां, मणिकर्ण की खीर गंगा लगघाटी की ऊंची पहाड़ियां बर्फ से भर गई हैं। पास में रात को भारी बर्फबारी हुई है। मनाली व आसपास हुई बर्फबारी के बाद मनाली आए पर्यटकों के चेहरे खिल उठे हैं। कुल्लू मनाली में पहले ही पर्यटकों आवाजाही बढ़ गई है, ताजा बर्फबारी के बाद इसमें इजाफा होने की संभावना है।

पुलिस अधीक्षक कुल्लू गौरव सिंह ने बताया कि गत दिवस एक ही दिन में 5450 वाहन अटल टनल रोहतांग के दोनों तरफ से गुजरे हैं। उन्होंने कहा बर्फबारी के बाद अटल टनल रोहतांग के पास मार्ग बंद है। बर्फ हटाए जाने तक लोग इस तरफ न जाएं।

शिमला में मौसम की पहली बर्फबारी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मौसम ने करवट ली है। राज्य के पहा?ी इलाकों में बर्फबारी और मैदानों में बारिश होने से मौसम सर्द हो गया है। लोकप्रिय पर्यटन स्थल शिमला में रविवार देर रात इस मौसम का पहला हिमपात हुआ। इस पर्यटक स्थल पर क्रिसमस के बाद बर्फबारी न होने से पर्यटक काफी मायूस थे। बर्फबारी की चाह में तादाद में सैलानी अभी भी शिमला में डेरा डाले हुए हैं। वीक एंड पर रविवार देर शाम बर्फबारी शुरू होते ही इनके चेहरे खिल गए। रात भर बर्फबारी के दौर चला। लोग सुबह नींद से जागे तो पूरा शहर बर्फ की चादर में लिपटा मिला। खाली जगह और घरों की छतों पर बर्फ की मोटी चादर बिछी हुई थी। स?कों पर ख? वाहन बर्फ से ढके हुए मिले। राजधानी में करीब एक से दो इंच तक बर्फबारी हुई है। शिमला में विंटर सीजन का यह पहला हिमपात है।

70 साल के बुजुर्ग पर चढ़ा इश्क का बुखार, बेटों ने पिता और उसकी प्रेमिका को मार डाला

वारदात

मड़ियांव की घटना, तीन बेटे व दो पौत्र गिरफ्तार

लखनऊ। मड़ियांव इलाके के सेमरा गौरी में 21 दिसम्बर की देर रात बेटों ने प्रॉपर्टी विवाद में पिता व उसकी कथित पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। डबल मर्डर की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर दोनों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मृतका के बेटे की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

इंस्पेक्टर विपिन कुमार सिंह ने बताया कि मड़ियांव के सेमरा गौरी में राम दयाल गौतम (70) शान्ति देवी (60) के साथ लिव इन रिलेशनशिप में श्रीपाल रावत के मकान में पिछले कई साल से रह रहे थे। पुलिस के अनुसार शान्ति देवी पत्नी स्व0 छोटेलाल के बेटे संजय मौर्य ने बताया कि सोमवार रात करीब 09-30 बजे वह अपनी मां से मिलने गया। जैसे वह जीने पर च?ा तो तेजी व घबराहट में रामदयाल की पहली पत्नी विमला के बेटे राम मिलन व उनका भतीजा राहुल गौतम भाग रहे थे। वही कुछ लोग दूर पेड़ के नीचे भी खड़े हुए थे। संजय अपनी मां के कमरे में गया तो देखा कि राम दयाल गौतम व उसकी मां शान्ति देवी मृत पड़ी थी। शान्ति के गले में शाल से फंदा लगा हुआ था। इसकी जानकारी उसने अपने भाई मोनू को दी। जिसके बाद वह मौके पर पहुंचकर डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी।

प्रॉपर्टी बेचने के विवाद में

पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने बताया कि डबल मर्डर की सूचना उन्हें डायल - 112 पर रात करीब एक बजे मिली। बताया जा रहा है कि मृतक राम दयाल की पहली पत्नी विमला जीवित है। पहली पत्नी से राम दयाल के पांच बेटे राम मिलन, प्रवीण कुमार उर्फ पांडेय, संतोष कुमार, सुरेश और टिल्लू के अलावा दो बेटियां हैं। राम दयाल गौतम (70) शान्ति देवी (60) के साथ पिछले कई सालों से लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। अर्जुन पुर इटौंजा के मूल निवासी मृतक राम दयाल के पास दो बीघा पक्की जमीन थी जिसमे से इटौंजा के पास किनारे 6.50 बिस्वा काफी बेसकीमती जमीन थी। इस जमीन को शान्ति देवी के कहने पर राम दयाल 57 लाख रुपये में बेंच रहे थे। इन 57 लाख रूपयों में 11.50 लाख रुपये मृतक राम दयाल के खाते में आ चुके थे व चार लाख रुपये मृतका शान्ति देवी के पुत्र मोनू के खाते में आ चुके थे। जिस पर मृतक की पहली पत्नी विमला व उनके बेटों को आपत्ति थी। सोमवार को मृतक की पहली पत्नी के तीन बेटे व दो पोते मौके पर जाकर राम दयाल को समझाने का प्रयास किया। कि वह इस जमीन को न बेंचे जिस पर मृतका शान्ति देवी ने कहा कि अभी तो इतनी बेंची है पूरी जमीन बेच देंगे। इस बात को लेकर वाद विवाद भी हुआ था।

हत्या में लिप्त पांच आरोपी गिरफ्तार

पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने बताया कि घटना में संलिप्त राम मिलन, प्रवीण कुमार उर्फ पाण्डेय, संतोष पुत्रगण राम दयाल, राहुल, अवनीश पुत्रगण सुरेश को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बयानों में विरोधाभास

मृतक राम दयाल गौतम श्रीपाल के मकान की पहली मंजिल पर किराए पर रह रहे थे। वही उसी मंजिल में अन्य छह और किराएदार रह रहे है। शान्ति देवी पत्नी स्व0 छोटेलाल के बेटे संजय मौर्य ने मौके पर बताया कि सोमवार रात करीब एक बजे उन्हें अन्य किराएदार बुलाने गए। संजय के अनुसार किरायदारों ने बताया कि उनके पिता के कमरे में टीवी चल रही है। और आवाज लगाने पर कोई जवाब नही आ रहा है। जिसके बाद संजय आकर मां के कमरे में गया तो देखा कि पिता राम दयाल तख्त पर मृत पड़े थे वही उसकी मां जमीन कर पड़ी थी। मां शान्ति के गले मे शाल से फन्दा लगा था। जबकि पुलिस को दी गई तहरीर में संजय ने मौके से आरोपियों को भागते हुए देखने की बात कही है।

पर्यावरण प्रेमी भाई की तेरहीं में कराया पौध वितरण

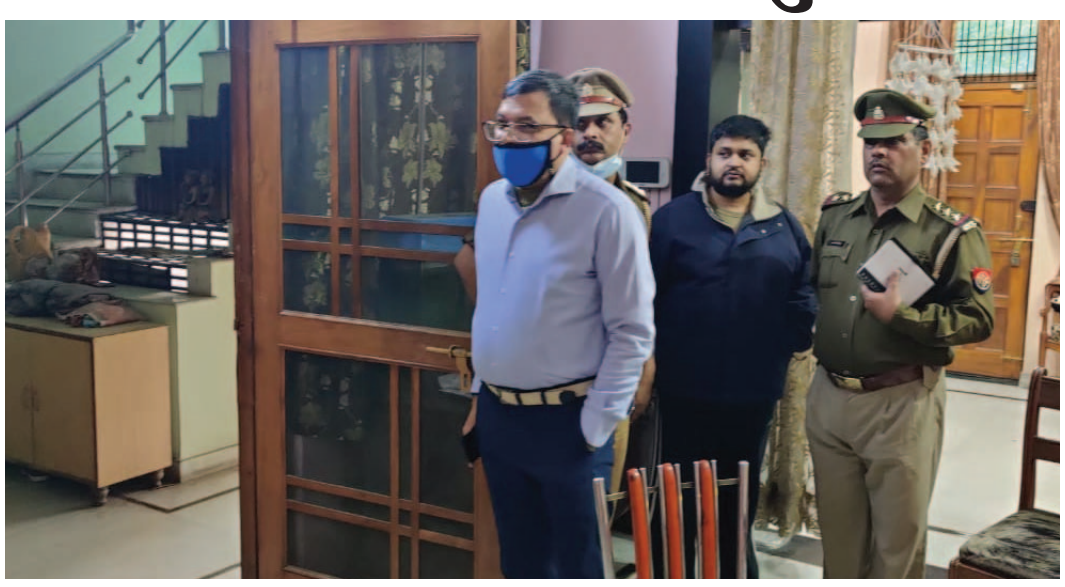

लखनऊ। यूं तो लोग अपने परिजनों की तेरहीं में ब्राह्मण भोज और अन्य धार्मिक आयोजन संपन्न कराते हैं, मगर 25 दिसंबर को ग्राम अशरफपुर (राजा साहब), पोस्ट महमूदाबाद, जिला सीतापुर में कमलेश कुमार वर्मा (प्रदेश अध्यक्ष, उ.प्र. मण्डी परिषद कर्मचारी संघ, और प्रदेश अध्यक्ष, उ.प्र. स्वशासी/स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, मण्डी कर्मचारी कल्याण संघ भारत) ने अपने बडे भाई पर्यावरण प्रेमी रामपाल वर्मा (रिटा.सीआईडी इन्सपेक्टर) की पुण्य स्मृति में अनोखा वृक्ष भंडारा आयोजित कर लोगों को निशुल्क पौधे वितरित किए। साथ ही पौधे रोपित कर स्वर्गीय भाई को सच्ची श्रद्धांजलि दी। पूर्व इन्स्पेक्टर रामपाल वर्मा का 22 दिसंबर को लखनऊ में आकस्मिक निधन हो गया था। ग्रामवासियों को पौधे वितरित करते हुए कमलेश वर्मा ने कहा कि पौधरोपण एक पुनीत कार्य है। इसके माध्यम से हम अपने पूर्वजों की यादों को चिर स्थाई बना सकते हैं। कमलेश वर्मा ने कहा कि मांगलिक अवसर पर पौधरोपण अक्सर लोग करते हैं, मगर तेरही पर पौधारोपण और लोगों को वृक्ष दान करना वाकई में समाज और पर्यावरण के लिए एक अच्छी पहल है। इसके माध्यम से हम पर्यावरण के प्रति अपने कर्तव्यों को पूरा कर सकते हैं। वृक्ष भंडारे में आम, कंजी, पकरी, पीपल, बरगद सहित कई प्रकार के फलदार और छायादार पौधे वितरित किए गए। इस अवसर पर श्री नरेन्द वर्मा, मा.विधायक महमूदाबाद, कई ग्राम प्रधान, मान्य रिश्तेदार और महासंघ के पदाधिकारियों और समस्त ग्राम वासियों ने भी भावुक श्रद्धान्जलि दी!

- पूर्व इंस्पेक्टर को भाई ने दी श्रद्धांजलि

उप्र कोरोना संक्रमण काल में 29.06 लाख शैक्षिक ग्रुप से 67.73 लाख विद्यार्थियों ने उठाया लाभ

लखनऊ। कोरोना काल में जब सारी दुनिया ठहर सी गई थी उस दौर में भी उत्तर प्रदेश में ज्ञान की ई-गंगा का प्रवाह तेजी से हुआ है। कोरोना का कहर भी प्रदेश में ज्ञान के प्रसार को रोक नहीं सका है। उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने बताया कि प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा विभाग ने कोरोना काल में ई-शिक्षा की ऐसी अनूठी पहल की कि छात्र छात्राओं की शैक्षिक प्रगति की रफ्तार पूर्व की तरह ही बनी रही। विभाग की इस पहल ने शिक्षा के दीप की लौ से बच्चों के रोशन होने की जो व्यवस्था की वह देश के लिए माडल सी बन गई।

डॉ. शर्मा ने कहा कि सरकार इस बात के लिए कटिबद्ध थी कि कोरोना की छाया शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित नहीं करे तथा इसमें सरकार ने सफलता हासिल की है। बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने हर संभव उपाय सरकार ने किया है और आगे भी करेगी क्योंकि ये बच्चे ही देश का भविष्य हैं। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण प्रधानमंत्री के संकल्प को पूरा करने के लिए शिक्षित व दृढसंकल्पित युवाओं को तैयार किया जाना जरूरी है। इसलिए शिक्षा व्यवस्था को नया स्वरूप देकर सुचारू रखा गया।

उन्होंने बताया कि माध्यमिक शिक्षा विभाग ने लाकडाउन अवधि में शिक्षण व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए ई ज्ञान गंगा कार्यक्रम एवं वर्चुअल स्कूल आरंभ किए। 20 अप्रैल से वर्चुअल कक्षाएं संचालित की गई। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के 29.06 लाख ग्रुप बनाकर 67.73 लाख विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया।

विभूतिखंड में गन्ना संस्थान के इंजीनियर के घर हुई डकैती का नहीं हो सका खुलासा

डकैती

- मोबाइल का सिम कार्ड निकालकर फोन लूट ले गए थे बदमाश
- डेढ़ लाख कैश, सात लाख की ज्वैलरी समेत महंगे सूट व साड़ी लूट ले गए
- पुलिस की पांच टीम बनाई गई, खंगाल रहे सीसीटीवी फुटेज

लखनऊ। विभूतिखंड के विराजखंड में 23 दिसम्बर की रात इंजीनियर योगेंद्र श्रीवास्तव के घर में धावा बोलने वाले बदमाशों ने परिवार के सभी मेंबर्स के मोबाइल फोन लूट ले गए। बदमाशों ने फोन से सिम कार्ड निकालकर मौके पर ही फेंक दिया और खाली फोन अपने साथ ले गए। बदमाशों के सुराग के लिए पुलिस की पांच टीम लगाई गई है। गुरुवार को पुलिस की एक टीम आस-पास इलाके की सीसीटीवी फुटेज खंगालती रही। हालांकि पुलिस के हाथ अभी कोई मजबूत सुराग नहीं लगा हैं।

महंगे सूट व साड़ी तक लूट ले गए

बुधवार को मेरठ से वापस घर पहुंचे इंजीनियर योगेंद्र श्रीवास्तव और उनके परिवार से पुलिस ने एक बार फिर गुरुवार को मुलाकात की। 24 दिसम्बर को योगेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि बदमाश घर में रखे करीब डेढ़ लाख रुपये कैश और सात लाख रुपये की ज्वैलरी लूट ले गए। बदमाशों ने अलमारी में रखी महंगी साड़ी व जेट्स सूट भी लूट ले गए। बेटी के दो मोबाइल फोन का सिम कार्ड निकाल मौके से फेंक दिया। इसके अलावा पत्नी का मोबाइल और घर में रखा एक पुराना मोबाइल फोन भी अपने साथ ले गए।

पांच टीम कर रही काम, खंगाले जा रहे सीसीटीवी

डीसीपी ईस्ट संजीव सुमन ने बताया कि बदमाशों के सुराग के लिए पुलिस की पांच टीम लगाई गई है। चिनहट में फरूड इंस्पेक्टर के घर 6 अक्टूबर की घटना और इंजीनियर के घर डकैती की वारदात की माडसअपरेंडी एक जैसी हैं। बदमाशों के सुराग के लिए इलाके आस-पास लगे करीब पचास से ज्यादा सीसीटीवी की फुटेज खंगाली जा रही हैं. यह भी पता लगाया जा रहा है कि बदमाशों के आने व जाने के दौरान आस-पास के स्टेशनों से कौन कौन सी ट्रेन रूकती हैं।

8 से 10 नकाबपोश बदमाशों ने की वारदात

इंजीनियर की पत्नी निशा के अनुसार रात करीब 2.30 बजे के बीच 8 से 10 नकाबपोश बदमाशों ने मेन गेट फांद कर अंदर दाखिल हुए और ड्राइंगरूम की खिड़की की ग्रिल तोड़ कर अंदर दाखिल हो गए। बदमाशों के हाथ में चाकू, डंडे और बांका था। बदमाशों ने जान से मारने की धमकी दी, बेटी जिनिया ने मदद के लिए शोर मचाया तो बदमाशों ने लोहे के हथियार से उसके सिर पर वार कर घायल कर दिया।

राजधानी में 60 दिन बाद दूसरी बड़ी डकैती

लखनऊ। ठीक 60 दिन बाद शहर की पॉश कॉलोनी में डकैतों का फिर धावा, बदमाशों ने इस बार विभूतिखंड के विराज खंड-4 में रहने वाले गन्ना विभाग के इंजीनियर के घर डकैती की वारदात को अंजाम दिया। इस बार भी डकैती 6 अक्टूबर की रात चिनहट के विकल्प खंड-3 में सीनियर फरूड इंस्पेक्टर उदय प्रताप सिंह के घर में वारदात जैसी थी। रात 2.30 बजे 8 से 10 की संख्या में नकाबपोश बदमाश ने बाउंड्री फांद कर अंदर दाखिल हुए और विंडो की ग्रिल को निकाल कर अंदर पहुंचे। घर में मौजूद इंजीनियर की पत्नी व उनकी बेटी को बंधक बना लिया। उनके कमरे की अलमारी में रखी चादर से उनके हाथ पैर बांध दिए। बदमाशों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी और बेटी के शोर मचाने पर नुकीले हथियार से एक बदमाश ने उसे घायल कर दिया। डकैतों ने करीब दो घंटे तक एक-एक कमरे व अलमारी को खंगाला। परिजनों के अनुसार बदमाश करीब डेढ़ लाख रुपये कैश और लाखों की ज्वैलरी लूट ले गए।

विभूतिखंड के विराजखंड 4 में रहने वाले इंजीनियर योगेंद्र श्रीवास्तव गन्ना विभाग में तैनात है और वर्तमान में उनकी पोस्टिंग मेरठ में हैं। इंजीनियर योगेंद्र श्रीवास्तव 2 दिन की छुट्टी में घर आए हुए थे। परिवार में पत्नी निशा श्रीवास्तव, बेटी जीनिया सहित पांच लोग हैं। बताया जा रहा है कि इंजीनियर योगेंद्र मंगलवार रात करीब 9 बजे वह अपने बेटे के साथ नौचंदी एक्सप्रेस से मेरठ निकल गये सुबह करीब 5 बजे इंजीनियर की पत्नी ने फोन कर बताया कि घर पर बदमाशों ने धावा बोल दिया था। इंजीनियर की पत्नी और बेटी को बाथरूम व कमरों में बंधक बनाया। इंजीनियर के मुताबिक करीब एक से डेढ़ लाख कैश और लाखों की ज्वैलरी लूट ले गए।

चादर फाड़ कर बांधे हाथ पैर व मुंह

निशा के अनुसार पांच बदमाश ने अपने मुंह ढक रखे थे और उन्होंने लोअर टी-शर्ट पहन रखी थी। नीचे के लोर पर बने तीन कमरों की बारी-बारी से तलाशी ली. बदमाशों ने बेड की चादर फाड़ कर उनके व बेटी के हाथ पैर व मुंह बांध कर बाथरूम में बंद कर दिया। बदमाशों के हाथों में असलहे देख वह डर गई।

2 घंटे तक की लूटपाट, डीवीआर भी ले गए

बदमाशों ने इंजीनियर योगेंद्र के घर में करीब 2 घंटे तक तांडव किया। हर कमरे, अलमारी की तलाशी ली और सारा सामान अस्त-व्यस्त कर दिया। बदमाश घर में रखा कैश और ज्वैलरी लूट ले गए। पूरा मकान सीसीटीवी कैमरे से लैस हैं। बदमाशों ने भागते समय डीवीआर भी उखाड़ कर साथ ले गए। डीसीपी पूर्वी संजीव सुमन के अनुसार बदमाश करीब डेढ़ लाख रुपये कैश और ढाई लाख की ज्वैलरी अपने साथ ले गए।

रिटायर्ड जज के परिवार से मांगी मदद

सुबह 4.30 बजे बदमाशों ने वारदात को अंजाम देकर मकान के पीछे रास्ते से निकल कर फरार हो गए। मकान के पिछले के रास्ते से रेलवे पटरी महज पचास मीटर की दूरी पर हैं। जिनिया ने सुबह 5 बजे किसी तरह अपने को बंधक मुक्त किया और घर के सामने रहने वाले रिटायर्ड जज एससी मिश्रा के घर को खटखटा कर मदद मांगी। उनके वकील बेटे ने जिनिया से पूरी बात की जानकारी लेकर डायल 112 को कॉल कर घटना की सूचना दी। पॉश इलाके में डकैती की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस टीम पहुंच गई और छानबीन शुरू की। फॉरेसिंक टीम ने भी मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। मकान से डीवीआर गायब होने के चलते बदमाशों की फुटेज नहीं मिल सकी। पुलिस की टीम ने आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालना शुरू किया। जिससे बदमाशों की संख्या व उनके आने जाने की लोकेशन का पता चल सके।

मेन दरवाजा बंद कर घुसे बदमाश

रेलवे लाइन के किनारे स्थित इंजीनियर के मकान में बदमाशों ने बगल के खाली प्लॉट से सड़क तक रास्ता तय किया। इसके बाद मेन गेट के पास दीवार फांद कर अंदर दाखिल हुए। ड्राइंग रूम के खिड़की खोल कर बाहर किया और अंदर दाखिल हो गए।

अंदर डकैत, बाहर पुलिस कर रही थी गश्त

इंजीनियर के मुताबिक उनकी पत्नी ने बताया कि जब बदमाश परिवार को बंधक बनाए हुए थे, उस दौरान पुलिस की जीप भी दरवाजे के सामने से गश्त करती हुई निकली, लेकिन पुलिस को इस बात की भनक भी नहीं लगी कि घर में डकैत घुसे हुए हैं। इसकी पुष्टि भी पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर और डीसीपी ने की हैं।

> डकैती की घटना को बहुत ही गंभीरता से देखा जा रहा है। पुलिस की टीमें लगी हुई हैं, जल्द ही बदमाश पुलिस की गिरफ्त में होंगे।
> —डीके ठाकुर, पुलिस कमिश्नर

कब क्या हुआ

2.30 बजे - बदमाश घर के अंदर दाखिल हुए
2.45 बजे - मां-बेटी को बंधक बनाया।
3.00 बजे - बेटी को बाथरूम और मां को कमरे में चादर से बांध कर डाल दिया।
4.30 बजे - घर के सभी कमरों व अलमारी को खंगाला और लूटपाट कर फरार हो गए।
5.00 बजे - बेटी ने बंधक मुक्त होकर सामने रहने वाली रिटायर्ड जज के बेटे को सूचना दी।
5.15 बजे - जज के बेटे ने डायल - 112 पर डकैती की सूचना दी।
5.30 बजे - 112 डायल की गाड़ी फोर्स समेत मौके पर पहुंची।
6.00 बजे - विभूतिखंड पुलिस मौके पर पहुंची
7.00 बजे - पुलिस अफसर और डॉग स्कवॉयड टीम मौके पर पहुंचे।
10.00 बजे - फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल शुरू की।
शाम 5.30 बजे - पुलिस कमिश्नर ने पीड़ित परिवार से मौके पर पहुंच कर मुलाकात की

नहीं काम आया सीसीटीवी कैमरा और सेंसर हूटर

इंजीनियर योगेंद्र के मुताबिक घर की सुरक्षा के लिए उन्होंने इंतजाम किया है। घर में हर तरफ सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं और सेंसर हूटर भी लगवाया है, ताकि कोई अनजान आदमी घुसे तो अलार्म बज जाए लेकिन मंगलवार रात बदमाशों ने जब धावा बोला तो यह काम नहीं कर रहा था। वह घर में एक लैबराडोर डॉग भी पाला गया है। हालांकि फैमिली मेंबर ने उसे रात में अलग कमरे में बंद कर दिया था। बदमाश अपने साथ सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर के साथ-साथ आई फोन और फैमिली मेंबर्स के सभी मोबाइल फोन भी अपने साथ ले गए, ताकि पुलिस को तत्काल सूचना न दी जा सकें।

पहले वो आप पर ध्यान नहीं देंगे, फिर वो आप पर हँसेंगे, फिर वो आप से लड़ेंगे, और तब आप जीत जायेंगे।
- गांधी जी

कितना सफल होगा कांग्रेस वाम मिलन?

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी को वामपंथी मोर्चे से गठबंधन करने की मंजूरी दे दी है। वहां 2021 में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस व वामपंथी दल मिलकर चुनाव लेंगे। हालांकि, 2016 का विधानसभा चुनाव भी कांग्रेस ने वाम मोर्चे के साथ मिलकर ल?ा था मगर उसके बाद यह गठबंधन टूट गया। 2019 के लोकसभा का चुनाव दोनों दलों ने अलग-अलग लगा था।

कांग्रेस ने 2011 के विधानसभा चुनाव में वाममोर्चा के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी से गठबंधन कर चुनाव ल?ा था। जिसमें उन्होंने वाम मोर्चे को करारी शिकस्त दी थी तथा ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार में कांग्रेस पार्टी शामिल हुई थी। बाद में कांग्रेस के ममता बनर्जी से संबंधों में क?वाहट उत्पन्न हो जाने के कारण उनका गठबंधन टूट गया तथा कांग्रेस ममता मंत्रिमंडल से अलग हो गई। 2016 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस व वामदलों ने मिलकर चुनाव ल?ा था। इसके बावजूद ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस पार्टी ने 294 सीटों में से 211 सीटें जीतकर लगातार दूसरी बार सरकार बनाई। तृणमूल कांग्रेस को दो करोड़ 45 लाख 64 हजार 523 यानी 44.91 प्रतिशत वोट मिले थे। भाजपा ने 291 सीटों पर चुनाव ल?कर मात्र 3 सीटें जीती थी। उसे 55 लाख 55 हजार 134 यानी 10.16 प्रतिशत वोट मिले थे। माकपा ने 148 सीटों पर चुनाव ल?कर 26 सीटें जीती थी। पार्टी को एक करो? 8 लाख 2 हजार 58 यानी 19.75 प्रतिशत वोट मिले थे। कांग्रेस ने 92 सीटों पर चुनाव ल?कर 44 सीटें जीती। कांग्रेस को 67 लाख 938 वोट मिले जो 12.25 प्रतिशत थे। ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने 25 सीटों पर चुनाव लड़कर दो सीटें जीती थी। उसे 15 लाख 43 हजार 764 यानी 2.82 प्रतिशत वोट मिले थे। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने 11 सीटों पर चुनाव लड़कर 1 सीट जीती थी। उसे 7 लाख 91 हजार 925 यानी 1.45 प्रतिशत वोट मिले थे। रिवॉल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी ने 19 सीटों पर चुनाव लड़कर 3 सीटें जीती थी। उसे 9 लाख 11 हजार 4 वोट यानी 1.67 प्रतिशत वोट मिले थे।

इन आंकड़ों को देखें तो 2016 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस वाम मोर्चे के गठबंधन में सबसे अधिक फायदा कांग्रेस को ही हुआ था। कांग्रेस पार्टी ने मात्र 92 सीटों पर चुनाव लड़कर 44 सीटें जीती थी। जबकि वामपंथी दल 202 सीटों पर चुनाव लड़कर मात्र 32 सीटें ही जीत पाए थे। 44 सीटें जीतने के कारण कांग्रेस को विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल का दर्जा भी मिला था। हालांकि बाद में कांग्रेस के बहुत से नेता पार्टी छोड़कर दूसरे दलों में शामिल हो गए। उसके बाद बंगाल में कांग्रेस की हालत बहुत खराब हाती चली गई।

जहां 2016 के विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के 44 विधायक चुनाव जीते थे। उनकी संख्या घटकर अब मात्र 23 रह गई है। वहीं भाजपा के मात्र 3 विधायक जीते थे जिनकी संख्या बढ़कर 19 हो गई है। माकपा के भी 25 विधायक जीते थे उनकी संख्या भी 19 रह गई है। पिछले 5 वर्षों के दौरान तृणमूल कांग्रेस में विपक्षी दलों के 8 विधायक व भाजपा में 16 विधायक शामिल हो चुके हैं।

पिछले लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में भाजपा ने लंबी छलांग लगायी व तृणमूल कांग्रेस के बाद सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। 2019 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को 42 में से 22 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल हुई थी। उसे 2 करोड़ 47 लाख 57 हजार 345 वोट मिले थे जो कुल मतदान का 44.91 प्रतिशत थे। भाजपा को 18 लोकसभा सीटों पर जीत मिली। जबकि उससे पूर्व बंगाल में भाजपा के मात्र दो सांसद थे। भाजपा को 2 करोड़ 30 लाख 28 हजार 517 वोट मिले थे। जो कुल मतदान का 40.70 प्रतिशत थे। पिछले लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को भाजपा से मात्र 2.60 प्रतिशत वोट ही अधिक मिले थे।

कांग्रेस ने लोकसभा की मात्र 2 सीटें जीती थी। उसे 32 लाख 10 हजार 491 वोट मिले थे जो कुल मतदान का 5.67 प्रतिशत थे। पिछले लोकसभा चुनाव में बंगाल में माकपा सहित वाम मोर्चे का खाता भी नहीं खुला था। माकपा को 35 लाख 94 हजार 286 वोट मिले थे जो कुल मतदान का 6.30 प्रतिशत थे। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस व वाममोर्चा तो मुख्य मुकाबले से भी दूर रहे थे। असली मुकाबला तृणमूल कांग्रेस व भाजपा के बीच हुआ था।

पश्चिम बंगाल में पिछले 10 वर्षो से तृणमूल कांग्रेस नेता ममता बनर्जी एकछत्र राज कर रही हैं। उससे पूर्व पश्चिम बंगाल में 34 वर्षो तक वाममोर्चा व 25 वर्षो तक कांग्रेस ने शासन किया था। मगर अब स्थितियां एकदम से पलट गई हैं। वर्तमान में वहां मुख्य मुकाबला तृणमूल कांग्रेस व भाजपा में होना तय माना जा रहा है।

अटलजी का चुटीला अंदाज और हाजिरजवाबी ने दिलों को जीता

भाजपा 1996 के लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनी। तब वाजपेयी जी का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए प्रस्तावित किया गया। रात के समय आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में एक पत्रकार ने वाजपेयी से पाकिस्तान की प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो को लेकर एक प्रश्न पूछा कि आप आज रात बेनजीर भुट्टो को क्या संदेश देना चाहेंगे? हाजिरजवाबी का परिचय देते हुए उन्होंने उत्तर दिया कि यदि मैं कल सुबह बेनजीर को कोई संदेश दूं तो क्या उससे कोई नुकसान है?

श्वेता गोयल

देश के पूर्व प्रधानमंत्री तथा भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य रहे अटल बिहारी वाजपेयी जी इतने हाजिरजवाब राजनेता थे कि पलभर में सामने वाले बोलती बंद कर किया करते थे। उनकी इसी हाजिरजवाबी, मजाकिया स्वभाव और ईमानदार शख्सियत के कारण विरोधी दलों के नेता भी उन्हें भरपूर मान-सम्मान दिया करते थे। भारत ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी वाजपेयी जी अपने चुटीले अंदाज और हाजिरजवाबी से दूसरे पक्ष को चुप करा दिया करते थे। देश-विदेश में उनकी हाजिरजवाबी के ऐसे ही अनेक किस्से प्रचलित हैं। ऐसे ही किस्सों में से कुछ अपने पाठकों के लिए यहां प्रस्तुत कर रहे हैं।

एकबार पाकिस्तान के आतंकी कैंपों के बारे में पत्रकारों ने वाजपेयी जी से सवाल किया कि पड़ोसी कहते हैं, ताली एक हाथ से नहीं बजती। वाजपेयी जी ने यह सुनते ही तपाक से जवाब दिया कि ताली नहीं पर चुटकी तो बज ही सकती है। इसी प्रकार एकबार पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने बयान दिया कि कश्मीर के बिना पाकिस्तान अधूरा है। इसपर वाजपेयी जी ने अपने चुटीले अंदाज में टिप्पणी करते हुए कहा, किन्तु पाकिस्तान के बिना हिन्दुस्तान अधूरा है।

ऐसा ही एक और किस्सा स्मरण आता है, जब एक महिला पाकिस्तानी पत्रकार ने अटल जी के समक्ष अपनी शादी का अनूठा प्रस्ताव रखा। उसने अटल जी से कहा कि अगर आप मुंह दिखाई में कश्मीर दे दें तो मैं आपसे शादी

करने को तैयार हूं। अटल जी ने उस महिला पत्रकार को ऐसा करारा जवाब दिया कि उनके उस जवाब की गूंज लंबे समय तक पूरे पाकिस्तान में गूंजती रही। उन्होंने कहा कि ठीक है, मैं आपसे शादी तो कर लूंगा लेकिन दहेज में मुझे पूरा पाकिस्तान चाहिए।

भाजपा 1996 के लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनी। तब वाजपेयी जी का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए प्रस्तावित किया गया। रात के समय आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में एक पत्रकार ने वाजपेयी से पाकिस्तान की प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो को लेकर एक प्रश्न पूछा कि आप आज रात बेनजीर भुट्टो को क्या संदेश देना चाहेंगे? हाजिरजवाबी का परिचय देते हुए उन्होंने उत्तर दिया कि यदि मैं कल सुबह बेनजीर को कोई संदेश दूं तो क्या उससे कोई नुकसान है?

अपनी ऐसी ही हाजिरजवाबी का परिचय देते हुए वाजपेयी जी ने एकबार तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भी निरुत्तर कर दिया था। दरअसल इंदिरा गांधी ने जनसंघ पर कुछ तीखी टिप्पणियां की थी। इंदिरा ने संसद में दिए अपने भाषण में भारतीयता के मुद्दे पर जनसंघ को घेरते हुए कहा था कि वो जनसंघ जैसी पार्टी से पांच मिनट में ही निपट सकती हैं। वाजपेयी जी को इंदिरा का वह वक्तव्य बर्दाश्त नहीं हुआ और उन्होंने तीखे शब्दों में उसका जवाब देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री महोदया कहती हैं कि वह जनसंघ से पांच मिनट में ही निपट सकती हैं लेकिन पांच मिनट में तो आप अपने बाल भी ठीक नहीं कर सकती हैं, फिर भला हमसे कैसे निपटेंगी?

ममता बनर्जी जब वाजपेयी जी के कार्यकाल में रेलमंत्री थी, तब भी वह बात-बेबात नाराज हो जाती थीं। वाजपेयी जी की ही सरकार को कटघरे में खड़ा कर देती थीं। ऐसे ही एक बार पेट्रोल-डीजल के बढ़े दामों को लेकर ममता दीदी की नाराजगी को लेकर केन्द्र में उन्हीं की सरकार पर सवालिया निशान लगने लगे। हालांकि वाजपेयी जी ने उन्हें मनाने का बहुत प्रयास किया लेकिन ममता अपनी जिद से टस से मस नहीं हुई। जब वह किसी भी तरह मानने का तैयार नहीं हुई तो देश के प्रधानमंत्री होते हुए भी वाजपेयी जी स्वयं कोलकाता में ममता के घर जा पहुंचे। ममता उस वक्त कोलकाता में नहीं थी, इसलिए उन्होंने ममता की मां को कहा कि आपकी बेटी बहुत शरारती है और बहुत तंग करती है। जब ममता वापस कोलकाता लौटी और उनकी मां ने वाजपेयी जी का संदेश उन्हें दिया तो वाजपेयी जी की महान शख्सियत के समक्ष सातवें आसमान पर बैठा ममता का गुस्सा पलभर में ही गायब हो गया।

भारतीय राजनीति के भीष्म पितामह अटल बिहारी वाजपेयी 93 वर्ष के अपने जीवनकाल में कुल तीन बार देश के प्रधानमंत्री बने। देश को परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र बनाने का कारनामा भी वाजपेयी जी के कार्यकाल में हुआ था। उनके प्रधानमंत्री रहते हुए ही राजस्थान के पोरखण में 1 मई 1998 को परमाणु बम परीक्षण किया गया था और भारत को परमाणु शक्ति सम्पन्न देश बनने का गौरव हसिल हुआ था। 16 अगस्त 2018 को यह महान हस्ती इस दुनिया को सदा के लिए अलविदा कह गई। आज भले ही यह महान शख्सियत हमारे बीच नहीं है लेकिन प्रत्येक देशवासी के हृदय में वे हमेशा अजर-अमर रहेंगे।

(लेखिका शिक्षिका हैं)

आनंद के प्यास से जन्म लेती है कला

हृदयनारायण दीक्षित

विश्व मानवता का सतत् विकास हुआ है। मनुष्य ने सुख स्वस्ति और आनन्द के लिए लगातार प्रयत्न किये हैं। प्रकृति और मनुष्य के बीच अंगांगी सम्बन्ध हैं, लेकिन तमाम अन्तर्विरोध भी हैं। प्रकृति सत्य है, हम मनुष्य प्रकृति सत्य के मध्य जीवनयापन करते हैं। लेकिन मनुष्य ने शिव और सुन्दर की भी अभिलाषा की है। विषम परिस्थितियों को अपने अनुकूल बनाने का काम किया है। उसने संस्कृति ग?ी। कलाएं संस्कृति का अंग हैं। सभी कलायें मनुष्य की सौन्दर्य चेतना का विकास है। मनुष्य को प्रकृति के रूप सुन्दर लगते हैं। कुछ रूप ज्यादा सुन्दर लगते हैं, कुछ रूप कम। लेकिन सौन्दर्य सबको आकर्षित करता है। कलाओं का जन्म सौन्दर्य की बीज चेतना से हुआ है। मनुष्य लगातार जिज्ञासा करता रहा है।

सत्य सहज है। सरल है। प्रत्यक्ष है। अनुभूत है। विराट जगत में एक ही सत्य भिन्न-भिन्न रूपों में प्रकट होता है। सत्य हमेशा सुखदायी ही नहीं होता। सत्य कभी दुखी करता है तो कभी सुखी। सत्य शिव और सुन्दर भी होता है। जान पड़ता है कि पहले कभी प्रत्यक्ष सत्य को सुन्दर बनाने की भी आवश्यकता अनुभव की गयी होगी और इसी में से अनेक कलाओं का जन्म हुआ। वैसे मनुष्य के सामान्य जीवन में भी कला का विकास होता रहता है। आदिम मनुष्य ने कभी पत्थर की खोहों से निकल कर घास-फूस के घर बनाये। उसने इन्हें सुन्दर बनाने के लिए भिन्न-भिन्न तरीके अपनाये। छोटे-छोटे घरेलू उत्सवों में घर को फूलों से सजाना कला चेतना का ही विस्तार है। घर की बैठकी या ड्राइंगरूम में रंग-बिरंगे कपड़े या अन्य वस्तुओं को सजाना भी मनुष्य की कला अभिलाषा का परिणाम है। विवाह के समय दूल्हे की कार या कन्या को सजाना भी कला चेतना का अंग है। कला की चेतना आदिम काल से लेकर आधुनिक काल तक प्रवाहमान है।

हम सबके मस्तिष्क में शब्द हैं। शब्दों के अर्थ हैं। अर्थ के अनुसार शब्दों को स्थापित करने और उनमें अन्तर्निहित लोकमंगल के भाव को व्यक्त करने की कला ही साहित्य है। कला संस्कृति का महत्वपूर्ण भाग है। विद्वानों का एक वर्ग भारत में सौन्दर्यबोध की शास्त्रीय परम्परा नहीं देखता। ऐसे लोग ऋग्वेद के कवियों ने सौन्दर्यबोध नहीं देखते। वह वाल्मीकी, कम्बन, रवीन्द्रनाथ टैगोर, तुलसीदास और निराला के साहित्य से सौन्दर्यबोध की सघन उपस्थिति नहीं देखते। यह प्रकृति सृष्टि भी अति सुन्दर कला है। मनमोहिनी है। इस कला के रचनाकार के सम्बन्ध में अनेक विचार हैं। प्रकृति की रचना करने वाले कलाकार की जिज्ञासा स्वाभाविक है। कुछ लोगों के मतानुसार प्रकृति ने ही प्रकृति को बनाया है। प्रकृति स्वयंभू है। सदा से है। प्रकृति सर्वांग सुन्दरी है। भारतीय चिन्तन में प्रकृति सृष्टि के रचनाकार ब्रह्मा, विश्वकर्मा या ईश्वर माने गये हैं। उपनिषदों में यह बात भी बड़े कलात्मक ढंग से कही गयी है। कहा गया है कि परमात्मा एकाकी था। एकाकी होने के कारण उसे आनन्द नहीं आया। सो उसने लोक बनाये, परलोक बनाये, धरती गई। प्राणी बनाये सूर्य, चन्द्रमा, ग्रह, नक्षत्र बनाये। ऋग्वेद में विश्वकर्मा भी जगत बनाने वाले देवता कहे जाते हैं।

प्रकृति अति सुन्दर जटिल और विशिष्ट कलाकृति है। समझ में नहीं आता कि किसने करो?ों वर्ष तक प्रकाश देने वाले सूर्य को रचा। इसके भीतर अनंत काल तक ताप देने वाला ईंधन किसने रखा? किसने आकाश बनाये, किसने नक्षत्रों की तारावली या आकाश गंगा बनाई? किसने दिन-रात बनाये? किसने भिन्न-भिन्न प्रकार के जीव बनाये? किसने वनस्पतियॉ बनायी। किसने अंतरिक्ष में चन्द्रमा को स्थापित किया और मंगल, बुद्ध, बृहस्पति, शुक्र, शनि को। प्रश्न उठता है कि क्या एक ही देव या कलाकार ने प्रकृति जैसी सुन्दर कलाकृति को गढ़ा है या कई कलाकारों देवों ने सृष्टि का सृजन किया है। यह सृजन अद्वतीय है। एकबार बन जाने या बना देने के बाद यह अपने आप अपने भीतर से नयी सृष्टि गढ़ती जाती है। पुराना अपने आप विदा होता है। नया अपने आप उगता जाता है। यह कला विस्मय पैदा करती है। तुलसीदास ने विनय पत्रिका में लिखा है ''केशव कहि न जाय का कहिये/ देखत यह रचना विचित्र अति समुझि मनहि मन रहिये।''

प्रकृति को सुन्दरतम कलाकृति बनाने का मानवीय प्रयास सहस्त्रों वर्षों से जारी है। कला मनुष्य को सुख से भरती है। अच्छा साहित्यकार या कलाकार दुख के चित्रण में भी सुख सृजित करता है। कला और साहित्य से जुड़े सजग रचनाधर्मी उदात्तभाव का सृजन करते हैं। कलायें मनुष्य को संवेदनशील बनाती हैं। कलाओं के प्रभाव में संस्कृति के उदात्त तत्व मजबूत होते हैं।

मनुष्य काव्य और कलाओं के माध्यम से अपने वातावरण को सुखमय व आनन्दपूर्ण बनाना चाहता है। कलाओं के लिए भी माध्यमों का उपयोग होता है। सामाजिक विकास के क्रम में धीरे-धीरे नये माध्यम जुड़ते गये। साहित्य के लिए पहला माध्यम भाषा है। भाषायें लगातार विकासशील रही हैं। बिना किसी माध्यम के स्वयं को माध्यम बनाकर बोलना या गीत गाना धीरे-धीरे विकसित हुआ है। नृत्य कला भी बिना माध्यम के संभव है। स्वयं नाचने के लिए अपनी ही इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है। दूसरा माध्यम जरूरी नहीं होता।

क्या भारत का लोकतंत्र फर्जी है?

भारत के किसानों ने विपक्षी दलों पर जबर्दस्त मेहरबानी कर दी है। छह साल हो गए और वे हवा में मुक्के चलाते रहे। अब किसानों की कृपा से उनके हाथ में एक बोथरा चाकू आ गया है, उसे वे जितना मोदी सरकार के खिलाफ चलाते हैं, वह उतना ही उनके खिलाफ चलता जाता है।

अब विपक्ष की सबसे ब?ी पार्टी कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी किसानों की बजाय भारत के राष्ट्रपति के पास पहुंच गए। कहते हैं कि किसान-आंदोलन के पक्ष में उन्होंने दो करो? हस्ताक्षरवाला ज्ञापन राष्ट्रपति को दिया है। दो करो? तो बहुत कम हैं। उसे 100 करो? भी कहा जा सकता था। यदि दो करो? लोगों ने उस पर सचमुच दस्तखत किए हैं तो राहुलजी उनमें से कम से कम दो लाख लोगों को तो दिल्ली ले आते। उनकी बहन प्रियंका को पुलिस ने पक? लिया। उसपर उनकी आपत्ति ठीक हो सकती है लेकिन इसीलिए आप यह कह दें कि भारत का लोकतंत्र फर्जी है, बनावटी है, काल्पनिक है, बिल्कुल बेजा बात है। भारत का लोकतंत्र, अपनी सब कमियों के बावजूद, आज भी दुनिया का सबसे ब?ा और बहुत हद तक अच्छा लोकतंत्र है।

राहुल का यह कहना हास्यास्पद है कि मोदी का जो विरोध करे, उसे आतंकवादी घोषित कर दिया जाता है। भारत में आज किसकी आजादी में क्या कमी है? जो भी जो चाहता है, वह बोलता और लिखता है। उसे रोकनेवाला कौन है? जो अखबार, पत्रकार और टीवी चैनल खुशामदी हैं, डरपोक हैं, कायर हैं, लालची हैं- वे अपना ईमान बेच रहे हैं। वे खुद दब रहे हैं। उन्हें दबाया गया था, आपातकाल में, राहुल की दादी के द्वारा। पांच-सात साल के राहुल को क्या पता चला होगा कि काल्पनिक लोकतंत्र कैसा होता है?

जहां तक पार्टी के आंतरिक लोकतंत्र का सवाल है, युवराज की हिम्मत नहीं कि इस सवाल को वह कभी छू भी लें। नरसिंहराव-काल को छो? दें तो पिछले 50 साल में कांग्रेस तो एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनकर रह गई है। उसमें अब भी ब? योग्य और प्रतिभाशाली नेता हैं लेकिन उनकी हैसियत क्या है? पार्टियों के आतंरिक लोकतंत्र का खात्मा ही बाह्य लोकतंत्र के खात्मे का कारण बनता है।

हर कोई बेचैन दिख रहा है, किसी के मन को शांति नहीं

गिरीश्वर मिश्र

गीता की व्याख्या के अनुसार स्वस्तिभाव की कुंजी बिना इच्छा के बिना कामना के आनंद की अनुभूति में होती है। हमारा मानस ही सारी उथल-पुथल की ज? है। इच्छाओं को कम करने में ही शांति है। हमें इच्छाओं का दास नहीं होना चाहिए। एक के बाद दूसरी, फिर तीसरी चीज की चाह हमेशा बनी रहेगी। इच्छाएं मन पर छा जाती हैं, ढंक लेती हैं। सोच विचार को गलत दिशा में मो? देती है। तब सफलता भी नहीं मिलती।

आज के दौर में चिंता, अवसाद और तनाव निरन्तर बढ़ रहे हैं। बढ़ती इछाओं की पूर्ति न होने पर क्षोभ और कुंठा होती है। तब आक्रोश और हिंसा का तांडव शुरू होने लगता है। दुखद बात तो यह है कि सहिष्णुता और धैर्य कमजोर प?ने लगे हैं। आपसी रिश्ते, भरोसा और पारस्परिकता की डोर टूटती-सी दिख रही है। धन सम्पदा भी बढ़ रही है, शायद ज्यादा तेजी से और अधिक मात्रा में। पर हर कोई बेचैन दिख रहा है। किसी के मन को शांति नहीं है, चैन नहीं है। इसकी खोज में लोग दौड़ लगा रहे हैं। वे पहाड़ों पर जाते हैं, सिद्ध और संत महात्मा की खोज में लगे रहते हैं, नशा करते हैं, मदिरा का सेवन करते हैं और किस्म-किस्म के व्यसन में जुट जाते हैं। अच्छे जीवन की तलाश जारी है पर प्रसन्नता दूर ही भागती रहती है। तृप्ति नहीं मिलती। कुछ और पाने की दौड़ लगी रहती है और संतुष्टि नहीं होती। शांति के बदले कोलाहल बढ़ रहा है, अंदर भी और बाहर भी। यह भी पाया जाता है कि आर्थिक समृद्धि का जीवन संतुष्टि के साथ कोई सीधा और ठोस रिश्ता भी नहीं है। सूचना और ज्ञान के समुद्र में डूबते और गोते लगाते सभी परेशान नजर आ रहे हैं। सुख की चाह और दुख को दूर रखना बहुत उपयोगी युक्ति या तरकीब नहीं रही। सकारात्मकता का केंद्र सिर्फ व्यक्ति बना रहे, अकेला आदमी, सबसे अलग-थलग यह न संभव है न उचित और उपादेय है। हमें विकल्प के विचार और जीवन की शैली पर गौर करना होगा। इस धुंधलके में श्रीमद्भगवद्गीता एक प्रकाश के स्रोत की तरह है जो हमारी अपनी स्मृति का हिस्सा तो है पर अचेतन में या अवचेतन में पहुंच जाने के कारण पहुंच से दूर हो गई है।

कृष्ण द्वैपायन व्यास द्वारा रचित महाभारत के भीष्म पर्व में (अध्याय 23-40) श्रीमद्भगवद्गीता प्राप्त होती है। इस अद्भुत रचना में कुल 700 श्लोक हैं जो 18 अध्यायों में निबद्ध हैं। अनुमानत॒ इसकी रचना 5वीं से दूसरी ईसा पूर्व की अवधि में हुई थी। हर अध्याय के साथ एक योग का नाम लगा हुआ है। इसके रचयिता महर्षि व्यास कथाओं के द्रष्टा और पात्र दोनों ही हैं। सारी कथाएं धर्म, युग धर्म, सूक्ष्म धर्म और धर्म संकट की व्याख्या प्रस्तुत करती हैं। महाभारत की कथा विष्णु पुराण में आती है। गीता सम्वाद की शैली में है जिसमें चार लोग हिस्सा लेते हैं कृष्ण, अर्जुन, धृतराष्ट्र और संजय। कृष्ण द्वारा अर्जुन को उपदेश ही इसकी मूल कथा है। यह सब पांडव (अच्छाई!) और कौरव (बुराई!) के बीच कुरुक्षेत्र के युद्ध संदर्भ में होता। विचार करने पर यह मनुष्य के अंदर चल रहे आंतरिक संघर्ष का नाटकीय रूप है। इसकी चुनौतियां आज के दौर में भी मानव जीवन में अनुभव की जा रही हैं। उपभोक्तावाद और बाजार की शक्तियों के विस्तार के साथ जो परिस्थिति बन रही है उसमें गीता का चिंतन और जरूरी होता जा रहा है। गीता इस तरह के कुहासे के दौर में प्रकाश की किरण है। सदियों से गीता ने विश्व मन को आकर्षित किया है। इसके दो हजार से ज्यादा अनुवाद विश्व की अन्यान्य भाषाओं में किए गए हैं। इसे उपनिषद, ब्रह्म सूत्र के साथ प्रस्थानत्रयी में रखा गया है। इसपर अनेक टीकाएं या व्याख्याएं शंकराचार्य से लेकर तिलक, गांधी और विनोबा जैसे राजनेता और समाजसेवी और परमहंस योगानंद, महर्षि महेश योगी, स्वामी प्रभुपाद , स्वामी चिन्मयानंद आदि अनेक संतों ने लिखी हैं। सबने प्रेरणा पाई है। गद्य पद्य के अनुवाद और विवेचन तो असंख्य हैं। यह निश्चय ही एक अत्यंत लोकप्रिय और विलक्षण रचना के रूप में चतुर्दिक स्वीकृत है, रुचि से पढ़ी जाती है और लोग प्रेरणा लेते हैं। इसकी तर्ज पर कई और गीताएं भी रची गई हैं जैसे- उद्धव गीता, अवधूत गीता, अष्टावक्र गीता, गणेश गीता और व्याध गीता। कहते हैं कि गीता को आत्मसात करो बाकी शास्त्रों के विस्तार में जाने की क्या जरूरत है? प्रसिद्ध है कि सभी उपनिषद गाय हैं, कृष्ण दूध दूहने वाले हैं, अर्जुन गाय के बछ? हैं, गीतामृत दूध है, जिसे बुद्धिमान लोग पीते हैं।

गीता के आरम्भ में अर्जुन, सबसे योग्य धनुर्धर और महारथी विषाद से ग्रस्त होते हैं। वे युद्धस्थल में अपनों को विरोधी सेना में देख किंकर्तव्यविमूढ़ हैं कि क्या करें क्या न करें। इस तरह की द्वंद्व और तनाव की स्थिति आज भी हर कोई अनुभव करता रहता है। गीता पूरे व्यक्तित्व का परिष्कार करती है और इसके लिए जीवन जीने की प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराती है। गीता की घोषणा है कि सुख मनुष्य के अंतस में है बाहर की दुनिया में उसकी खोज व्यर्थ और निष्फल ही होती है। बाहर की सुखदायी प्रसन्नता क्षणिक है और वस्तुओं पर टिकी होने से एक खालीपन के अहसास को जन्म देती है। इस हालत में मन किसी दूसरे और फिर उसके बाद किसी और आकर्षण की ओर दौ?ता रहता है। इसलिए गीता का सुझाव है कि अपने ऊपर अपने आत्म (सेल्फ) के ऊपर नियंत्रण स्थापित करो, फिर सारी दुनिया मुठ्ठी में। शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा ये सब मिलकर मनुष्य का निर्माण करते हैं। ये सभी क्रमश॒ प्रत्यक्ष और क्रिया, भावना और संवेग, निर्णय और विश्लेषण से जु? होते हैं। इन सबमें हमारी बुद्धि जो संकल्प और विकल्प से जु?ी है खास महत्व की होती है। यह कहना ज्यादा ठीक होगा कि चार रास्ते हैं॒ शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा। इनमें से अपना आधार चुनना होता है। हमारी मनो संरचना महत्वपूर्ण होती है क्योंकि हम जैसा सोचते हैं वैसा ही होते जाते हैं। ध्यातव्य है कि दीर्घकाल तक ध्यान करने वालों की मस्तिष्क की भौतिक संरचना तक में परिवर्तन पाए गए हैं। आध्यात्मिक जीवन में ध्यान परमात्मा पर सतत रूप से केंद्रित होता है। अत॒ असली चुनौती अंतर्मन की है। हमें उच्च चेतना पर, देवत्व की ओर, आत्मा की ओर ध्यान देना चाहिए (ध्यानावस्थित तद्गतेन मनसा पश्यंति यं योगिनो)। देवत्व की ओर ध्यान से आंतरिक शांति मिलेगी।

गीता की व्याख्या के अनुसार स्वस्तिभाव की कुंजी बिना इच्छा के बिना कामना के आनंद की अनुभूति में होती है। हमारा मानस ही सारी उथल-पुथल की ज? है। इच्छाओं को कम करने में ही शांति है। हमें इच्छाओं का दास नहीं होना चाहिए। एक के बाद दूसरी, फिर तीसरी चीज की चाह हमेशा बनी रहेगी। इच्छाएं मन पर छा जाती हैं, ढंक लेती हैं। सोच विचार को गलत दिशा में मो? देती है। तब सफलता भी नहीं मिलती। मन में असंतुष्टि और और क्षोभ पैदा होता है। ऐसे में इच्छाओं का प्रबंधन जरूरी ताकि उन्हें उदात्त बनाया जा सके। हमें इच्छाओं से मुक्ति की स्थिति में पहुंचना चाहिए। गीता इसके लिए तीन तरह की संचालन व्यवस्था का निर्देश देती है ॒ कर्म योग, भक्ति योग और ज्ञान योग, जो क्रमश॒ शरीर, मन और बुद्धि पर केंद्रित हैं।

कर्म योग वह प्रौद्योगिकी है जो वर्तमान इच्छाओं का शमन करती है और नई इच्छाओं को जन्म नहीं लेने देती है। अनासक्त भाव से कर्म करने पर हम काम तो करते हैं परंतु वह क्रिया हमें बांधती नहीं है। स्वधर्म का पालन करना चाहिए। हमें अपने कर्म को व्यापक लोक तरक्की की ओर उन्मुख कर देना चाहिए। स्वार्थ के अधीन कर्म से निःस्वार्थ कर्म की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। त्याग से आनंद पाना चाहिए। महत्तर और ब? कार्य करने के महान परिणाम होते हैं। निःस्वार्थ कर्म ही श्रेष्ठ मार्ग है। व्यक्ति को परिणाम की चिंता किए बिना अपनी भूमिका का निर्वाह करना चाहिए। हीनता या कमी (डेफीसियेंसी) की प्रेरणा से प्रेरित नहीं होना चाहिए। कृतज्ञता से शांति मिलती है। हमें समग्र का अंश होना चाहिए। दूसरों के प्रति प्रेमभाव से प्रेम ही मिलता है। इसके लिए अपनी भावनाओं पर नियंत्रण जरूरी है। कार्य के विकल्प का निर्धारण भावना से नहीं बुद्धि से किया जाना चाहिए।

प्रसन्नता और आश्वस्तिभाव एक मानसिक अवस्था है। इस हेतु आत्म-विचार आवश्यक है। भौतिक सुख तो आते-जाते रहते हैं और हमेशा कम ही प?ते हैं। दूसरी ओर त्याग अधिक समृद्ध करने वाला है। आध्यात्मिक जीवन असीम होता है। त्याग करके आनंद की प्राप्ति करनी चाहिए। ध्यान इस यात्रा में सहायक होता है। तभी व्यक्ति स्थित प्रज्ञ होता है, समत्व की प्राप्ति होती है और कर्म में कुशलता आती है।

गीता के आख्यान अंत में हम पाते हैं कि अर्जुन का मोह समाप्त हो गया और स्मृति वापस मिल गई। अपनी प्रकृति या स्वभाव को समझ लिए और सारे संदेह चले गए। हमें आशा है कि एकदिन हम सब भी स्मरण कर सकेंगे और आत्मबोध पा सकेंगे। गीता का विचार है कि व्यक्ति अपने द्वारा अपना उद्धार करे, अपना पतन न करे; क्योंकि आप ही अपना मित्र है और आप ही अपना शत्रु। जिसने अपने आप से अपने आपको जीत लिया है, उसके लिए आप ही अपना बंधु है और जिसने अपने आप को नहीं जीता है, ऐसे अनात्मा का आत्मा ही शत्रुता में शत्रु की तरह बर्ताव करता है।

महिला किसानों की भी हो चर्चा

किसान दिवस पर पुरुष किसानों की चर्चा जबकि चर्चाओं की हकदार महिला किसान भी हैं। खेती के कामों में दिये जाने वाले उनके नियमित योगदान को कमतर आंका जाता है। जनगणना 2011 के मुताबिक भारत में तकरीबन 6 करोड़ के आसपास महिला किसानों की संख्या बताई गई है। हालांकि धरातल पर उनकी संख्या कहीं ज्यादा है। बीते एकाध दशकों से ग्रामीण इलाके के पुरुषों विशेषकर युवाओं का रुझान खेती बाड़ी की बजाय नौकरियों व व्यापार में ज्यादा बड़ा है। उनके नौकरियों या व्यापार में चले जाने के बाद खेती बाड़ी की पूरी जिम्मेदारी महिलाओं के कंधों पर ही होती है, जिसे महिलाएं पूरी जिम्मेदारी से निर्वाह करती हैं। घरों का काम निपटाने के बाद वह खेतों में लग जाती हैं। इस लिहाज से ये आंक?ा पुरुषों के मुकाबले आधे से भी ज्यादा हो जाता है। बावजूद इसके महिलाओं की भूमिका को पर्दे के पीछे रखा जाता है।

महिलाएं खेतीबाड़ी में किस तरह लगी हैं, इसकी ताजा तस्वीर इस समय हमारे सामने है। दिल्ली में तीन सप्ताह से किसानों का बड़ा आंदोलन हो रहा है। देश के अलग-अलग प्रांतों के अन्नदाताओं ने राजधानी के विभिन्न हिस्सों में डेरा डाला हुआ है। जबकि इस वक्त कुछ जगहों पर धान की कटाई और गेहूं में पानी लगाने का है। दूसरी मौसमी फसलें भी खेतों में लगी हैं, उन सभी की देखभाल महिलाएं ही कर रही हैं। किसान आंदोलन में डटे हैं। उनको पता है उनकी गैर मौजूदगी में उनकी औरतें खेती संभाल लेंगी। विगत कुछ वर्षों से मध्यम और सीमांत जोतकार दूसरे काम-धंधों की तरफ मुड़ गए हैं। उनकी जमीनें घरों की महिलाएं जोतती हैं। उत्तर प्रदेश में गन्ने की खेती सबसे ज्यादा होती है। यूपी के लखीमपुर और पीलीभीत जिले में गन्ने की खेती बहुतायत में होती है, इस समय वहां गन्ने की कटाई बड़े स्तर पर चालू है, जिसमें ज्यादातर महिलाएं लगी हैं।

समाज में आधी आबादी के सशक्तिकरण और उनके उत्थान की बातें जोर-शोर से होती हैं। उनको मुकम्मल हक फिर भी नहीं मिल पाता। पर, ऐसे हकों को अब साहसी महिलाएं अपने बूते हासिल करने लगी हैं। बिहार में किसान चाची के नाम से प्रसिद्ध एक महिला किसान हमसबों के लिए बड़ा उदाहरण हैं, जिन्होंने कई जिलों में मीलों दूर साईकल चलाकर किसानी के प्रति ग्रामीण महिलाओं में अलख जगाई। उन्होंने देखा, जिन किसानों के पास खेती के लिए कम जमीनें थीं। घर-परिवार का गुजारा मुश्किल से होता था। ऐसे में किसान चाची में पुरुषों को शहरों में जाकर नौकरी करने और महिलाओं को खेती करने का रामबाण नुस्खा दिया। महिलाओं ने उनकी सलाह मानी, नतीजा ये निकला कि उनके घरों में महिला-पुरुष दोनों कमाने के लिए सशक्त हुए। बिहार में किसान चाची के प्रयास से आज कई जिलों की महिलाएं खेती बाड़ी करती हैं। महिलाओं में खेती के प्रति जागरुकता जगाने के उनके कार्यों को देखते हुए दो वर्ष पूर्व भारत सरकार ने उन्हें पद्म विभूषण सम्मान से भी नवाजा।

आंकड़ों के अनुसार खेती बाड़ी के काम में 32.8 प्रतिशत महिलाएं और 81.1 फीसदी पुरुष जुड़े हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ये कागजी आंकड़े सच्चाई बताने से मुकर जाते हैं। नहीं बताते कि इनमें 81.1 फीसदी पुरुष किसानों के घर की औरतें, वह औरतें जो किसान नहीं कहलातीं। महिलाएं फसलों की बुआई से लेकर, निराई, फसल काटने आदि में अपनी भागीदारी बढ़-चढ़कर निभाती हैं। लेकिन इनकी मेहनत कहीं नहीं गिनी जाती। आजादी से लेकर अभीतक महिला किसानों के नाम पर कोई कार्य योजनाएं नहीं बनाई गई। कृषि ऐसा सेक्टर है जो जीडीपी को कोरोना जैसे संकट काल में भी संजीवनी देता है। जीडीपी के ओवरऑल ग्रोथ में तकरीबन बीस फीसदी भूमिका अदा करता है। लेकिन वह आंकड़े हमें सार्वजनिक रूप से नहीं बताते कि सकल घरेलू उत्पाद में महिलाओं का कितना योगदान होता है? दरअसल, सिस्टम के पास इकनॉमिक ग्रोथ में आधी आबादी की भूमिका नापने का कोई पैमाना नहीं है।

राख का हर एक कण मेरी गर्मी से गतिमान है मैं एक ऐसा पागल हूं जो जेल में... ...
- भगत सिंह

झारखंड में पीएलएफआई के दो सदस्य गिरफ्तार

रांची। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के टेबो थाना क्षेत्र से पुलिस ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के दो हार्डकोर सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों नक्सली वायरलेस के माध्यम से पुलिस की हर गतिविधियों को संगठन तक पहुंचाने का काम करते थे। इसके अलावा दोनों गिरफ्तार नक्सलियों ने ठेकेदारों से लेवी वसूलने और संगठन के लिए राशन का इंतजाम करने में भी अपनी भूमिका की बात स्वीकार की है।

पश्चिमी सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शनिवार को टेबो थाना क्षेत्र के एरको?ा गांव के आसपास पीएलएफआई नक्सली संगठन के शनिचर सुरीन और अजय पूर्ति के 10-11 सदस्यों का हथियारबंद दस्ता भ्रमणशील है। इस सूचना पर जिला पुलिस और सीआरपीएफ जवानों की एक संयुक्त टीम गठित की गयी। छापेमारी के क्रम में एरको?ा के जंगल पहाड़ा में भाग रहे दो संदिग्ध लोगों को पुलिस बल द्वारा खदेड़ कर पक?ा गया। पकड़ाये गये व्यक्तियों ने अपनी पहचान मंगरा मुंडारी और सनिका नाग के रूप में बनायी। दोनों ने स्वीकार किया कि वह पीएलएफआई नक्सलियों के लि लेवी वसूलने, राशन पहुंचाने और पुलिस की गतिविधि की सूचना संगठन तक पहुंचाने का काम करता था।

मंगरा मुंडारी उर्फ जबरा मुंडारी के पास से एक वायरलेस सेट, बैटरी और जेबस से नक्सली संगठन का पर्चाभी मिला है, जबकि सनिका नाग उर्फ धर्मदास नाग के पास से एक वायरलेस सेट का चार्जर और मोबाइल मिला। दोनों नक्सलियों को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

ब्रजवासियों को मिलेगा जवाहर बाग के साथ 150 अन्य पार्कों का उपहार

एजेंसी

मथुरा। नये साल में ब्रजवासियों को जवाहर बाग के साथ-साथ 150 अन्य पार्कों का उपहार इस बार भाजपा सरकार देने जा रही है। जिससे ब्रजवासियों को स्वच्छ हवा और आरोग्य की सौगात मिलेगी। यह बात रविवार राजकीय उद्यान जवाहर बाग में 15.93 करोड़ के विकास कार्य एवं सौंदर्यीकरण का निरीक्षण करने पहुंचे प्रदेश के ऊर्जामंत्री पं. श्रीकान्त शर्मा कही। ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्त्रोत मंत्री पंडित श्रीकान्त शर्मा ने रविवार को राजकीय उद्यान जवाहर बाग और वृंदावन कुंभ क्षेत्र का निरीक्षण किया।

जवाहर बाग के निरीक्षण के दौरान ऊर्जा मंत्री ने कहा कि नये साल में ब्रजवासियों को यह शानदार उपहार मिलने जा रहा है। यह शहर का नया पिकनिक स्पॉट होगा। साथ ही ओपन थिएटर में होने वाले आयोजनों का आनंद भी लोग ले सकेंगे। यह आम लोगों को सुविधा देने के लिये तैयार हो गया है। जल्द ही इसका औपचारिक लोकार्पण किया जाएगा। पूर्व सरकार में अवैध कब्जों के कारण जाना जाने वाला यह पार्क भाजपा सरकार में हुए कार्यों के बाद अब 'नये मथुरा-वृन्दावन' की नई पहचान होगा। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि 153 एकड़ में फैला यह पार्क बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों हर वर्ग के लिये समय बिताने व स्वास्थ्य लाभ लेने का डेस्टिनेशन होगा। यह जॉगिंग ट्रैक, मेडिटेशन एरिया, सूर्य नमस्कार पॉइंट, नक्षत्र वाटिका ,नवग्रह वाटिकाऔर पंच वाटिका से सुसज्जित है। इसमें 1 किमी का जॉगिंग ट्रैक है। बच्चों के लिये स्केटिंग एरिया है।

ओपन जिम और झूले भी हैं। ओपन थिएटर व कैफेटेरिया होने से यहाँ सांस्कृतिक आयोजन व छोटे निजी कार्यक्रम भी हो सकते हैं।

यहां फलदार व छायादार वृक्षों के बगीचे हैं। साथ ही सुंदर व औषधीय गुण वाले पौधे भी हैं। इस विशाल पार्क का टोटल बॉउंड्री एरिया 6.5 किमी बनाकर इसे सुरक्षित व संरक्षित किया गया है।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि शहर में ज्यादातर पार्क जर्जर, बदहाल व अतिक्रमण के शिकार थे। भाजपा सरकार ने नये पार्क बनाने के साथ ही पुराने पार्कों में प्लान्टेशन, बाउंड्री वाल बनाने, बेंच लगवाने का कार्य कर जीर्णोद्धार करवाया है। नये साल में मथुरा-वृन्दावन में ब्रजवासियों को स्वास्थ्य लाभ के लिए शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में 150 से अधिक पार्कों का विकल्प उपलब्ध होगा। नगर निगम क्षेत्र में ऐसे करीब 120 पार्क मौजूद होंगे। इनमें 23 पार्कों का विकास अमृत योजना के तहत किया गया है। वहीं एमवीडीए के भी 37 पार्क आमजन के लिये उपलब्ध होंगे। इनमें 5 पार्कों में ओपन जिम भी है। आने वाले समय में कई पार्कों में ओपन जिम की सुविधा होगी।

एक इंच जमीन पर भी न रहे अतिक्रमण

वृंदावन में कुम्भ क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा कि यह दिव्य, भव्य के साथ सुरक्षित कुंभ भी होगा। ऊर्जा मंत्री ने संतों और संबंधित अधिकारियों के साथ जुगल घाट से देवरहा बाबा घाट तक घाटों के चिन्हीकरण और नये घाटों के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

ऊर्जा मंत्री ने देवरहा बाबा स्थल पर स्थायी घाट व पंटून पुल का कार्य 31 जनवरी से पहले पूरा करने के निर्देश दिये। ऊर्जा मंत्री ने निर्देश दिए कि मथुरा-वृंदावन में एक इंच सरकारी जमीन पर भी अतिक्रमण न रहे। अतिक्रमण हटाकर वहाँ प्लांटेशन करें या पार्क बनायें।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि यमुना खादर में कुम्भ क्षेत्र को संरक्षित कर ग्रीन बेल्ट तैयार करें। कच्चे मार्ग द्वारा घाटों को जो?ें। पर्यावरण संरक्षण के साथ श्रद्धालुओं को बुनियादी सुविधाएं दें।

रक्षा यूनिट में नौकरी दिलाने वाले लखनऊ के जालसाज को कानपुर की आर्मी इंटेलिजेंस ने दबोचा

गिरफ्तार

'सटीएफ व कैंट पुलिस के साथ जालसाज को पकड़ने के लिए बिछाया गया था जाल

कानपुर। रक्षा सहित अन्य विभागों में फर्जी नियुक्ति पत्र बनाकर नौकरी के झांसा देने वाले शातिर जालसाज को आर्मी इंटेलिजेंस, एसटीएफ व कैंट पुलिस ने पकड़ा है। गिरफ्तार जालसाज के कब्जे से कई विभागों की मोहरें व नियुक्ति पत्र बरामद हुए हैं। गिरफ्तार आरोपी मूल रूप से प्रदेश की राजधानी लखनऊ का रहने वाला है।

हाल के दिनों में जनपद के रक्षा प्रतिष्ठान की कैंटीन सहित कई उपक्रमों आदि में नौकरी दिलाने के नाम पर नियुक्ति पत्र भेजे जा रहे थे। इस संबंध में आर्मी की इंटेलिजेंस सक्रिय हुई और फेसबुक से नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले शातिर जालसाज को छावनी क्षेत्र से धर दबोचा गया। इस पूरी कार्यवाही में आर्मी इंटेलिजेंस ने एसटीएफ व कैंट थाना पुलिस की संयुक्त टीमों के साथ लिया और जाल बिछाकर सफलता मिली। संयुक्त योजनाबद्ध तरीके से रविवार की रात जालसाज अभय सोनी निवासी आजाद नगर लखनऊ को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से कई विभागों की जाली मोहर, 10 सीएसडी के नियुक्ति पत्र, आधार कार्ड, पैनकार्ड, मोबाइल आदि बरामद हुए हैं।

एएसपी कैंट निखिल पाठक ने बताया कि

हाल के दिनों में जनपद में आर्मी से जु? कई यूनिटों में जाली मोहर के नियुक्ति पत्र आ रहे थे। इसको लेकर आर्मी इंटेलिजेंस के साथ एसटीएफ व कैंट पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से जालसाज को पकड़ा है। गिरफ्तार आरोपी अभय सोनी से पूछताछ में पता चला है कि वह फेसबुक से नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों को अपने जाल में फंसाकर उनसे अच्छी खासी रकम लेकर ठगी करता था।

इस तरह से उसने कई लोगों को कैंटीन सहित अन्य कई विभागों में नौकरी का फर्जी नियुक्ति पत्र बनाकर विभाग में भेजे थे। लगातार नियुक्ति पत्र आने पर सक्रिय हुई इंटेलिजेंटस, एसटीएफ और क्षेत्रीय पुलिस ने छापेमारी कर शातिर को पकड़ा है। उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्यवाही की जा रही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लिए अधिकारियों को दी जिम्मेदारी

रायपुर। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कराने के लिए राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा के सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में समग्र शिक्षा कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए योजना तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई।

बैठक में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा की भूमिका और जिम्मेदारी के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के मध्य खेल और सांस्कृतिक, साहित्यिक गतिविधियां, व्यवसायिक शिक्षा, बालिका शिक्षा, समग्र शिक्षा का सतत मूल्यांकन, आंगनवा और प्राथमिक स्कूलों में समन्वय, स्कूल पुस्तकालय में विभिन्न भाषाओं का शिक्षण, समावेशी शिक्षा, स्कूल परिसर और स्कूल परिसर के बाहर स्कूल से बाहर के बच्चों का शत-प्रतिशत विद्यालय में प्रवेश और शाला प्रबंधन समिति के संबंध में स्कूल के डेटाबेस की जानकारी और उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

बैठक में आईसीटी और डिजिटल शिक्षा के संबंध में स्कूलों से संसाधन और सुदृ?ीकरण की लॉन्ग टर्म एजुकेशन प्लानिंग तथा गणितीय शिक्षा के संबंध में शिक्षकों के पुरस्कार और स्कूलों की ग्रेडिंग के संबंध में बच्चों की गुणवत्ता परक शिक्षा तथा बच्चों का आकलन जैसे विषयों को किस प्रकार जिम्मेदारी पूर्वक पूर्ण किया जाए इस संबंध में अधिकारियों कर्मचारियों को जानकारी दी गई। इस अवसर पर समग्र शिक्षा के संयुक्त संचालक संजीव श्रीवास्तव उपसंचालक डी. कौशिक सहायक संचालक, डॉ. एम. सुधीश सहित समग्र शिक्षा के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

केजरीवाल खुद तारीख तय करें भाजपा बताएगी कानून के लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के तीन नए कृषि के बिल की बारिकियों और उसके लाभ बताने के लिए भाजपा दिल्ली के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने रविवार को अपने सरकारी आवास में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता भी सम्मिलित हुए। दोनों नेता काफी समय तक मुख्यमंत्री केजरीवाल का इस कार्यक्रम में आने का इंतजार करते रहे लेकिन केजरीवाल नहीं आये। इस पर दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष गुप्ता ने एक बार मुख्यमंत्री को चुनौती दी है कि अगर वह आज किसी काम की व्यस्तता के चलते नहीं आ सकें हैं तो अपनी सुविधानुसार समय और स्थान बता दें हम वहां आकर आपको तीन नए कृषि कानून के फायदे समझा देंगे।

इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि दूसरे राज्यों में जाकर मुख्यमंत्री केजरीवाल कहते फिरते हैं कि कृषि कानून क्या, उसके क्या लाभ हैं और जब आज उनको यह समझाने के लिए बुलाया, तो आए नहीं। उन्होंने कहा कि 23 नवम्बर को केजरीवाल ने तीनों कृषि कानून में से एक कानून को नोटिफाई किया था, और अब इन कानूनों का विरोध कर खुद को किसान हितैषी साबित करने की कोशिश कर रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं विस्तार में बताया है कि नए कृषि कानूनों से न न्यूनतम समर्थन मूल्य की व्यवस्था खत्म होगी, न ही मंडी व्यवस्था खत्म होगी, और न ही किसानों को जमीन चले जाने का खतरा होगा।

सांसद तिवारी ने कहा कि केजरीवाल कह रहे हैं की कृषि कानून के क्या फायदे हैं यह भाजपा समझाएं इसलिए हमने उन्हें आवास पर आमंत्रित किया लेकिन वह नहीं आए। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पूर्व ही निगम के तीनों महापौर और पार्षद मुख्यमंत्री के दरवाजे के बाहर कई दिन रहे लेकिन मुख्यमंत्री केजरीवाल घर से बाहर निकल कर उनसे मिलने तक नहीं आए। उन्होंने कहा कि हमने माननीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर जी द्वारा लिखित पत्रक के माध्यम से तीनों कृषि कानूनों की जानकारी लोगों तक पहुंचाई है, जिसमें स्पष्ट रूप से विपक्ष द्वारा फैलाया जा रहा छूट और उसका सच लिखा गया है।

सौरभ से मिलकर बोलें राज्यपाल, दादा से कई मुद्दों पर चर्चा हुई

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष और टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली से मिलने के बाद राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने कहा है कि दादा से कई मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई है। दरअसल रविवार शाम राज्यपाल जगदीप धनखड़ से मिलने के लिए सौरभ गांगुली राजभवन कोलकाता में पहुंचे थे।

राजभवन सूत्रों ने बताया कि कई मुद्दों पर दोनों के बीच वार्ता हुई है। मुलाकात के बाद राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने तस्वीरें भी सोशल साइट पर डाली। इसमें उन्होंने लिखा है कि दादा के साथ कई मुद्दों पर बातचीत हुई है। उन्होंने कहा कि 1864 में तैयार भारत के सबसे पुराने क्रिकेट स्टेडियम ईडेन गार्डेस में घूमने का निमंत्रण सौरव गांगुली ने दिया है। इसे स्वीकार किया हूं। दरअसल पिछले कई दिनों से पश्चिम बंगाल में सौरव गांगुली की राजनीति में शामिल की चर्चा तेज है। इस बीच उनपर बोर्ड का अध्यक्ष रहते हुए लाभ के पद हासिल करने के आरोप लगे थे। इस बीच पश्चिम बंगाल की राजनीति में पाला बदल का दौर जारी है और सत्तारूढ़ पार्टी में सियासी उठापटक भी जोरों पर है। ऐसे में सौरव गांगुली का राजभवन जाकर राज्यपाल से मुलाकात करने पर अटकलों का बाजार गर्म हो गया है।

हत्या के आरोपित ने जेल में केक काट कर मनाया जन्मदिन का जश्न, तीन निलंबित

एजेंसी

दतिया। जेल के अंदर अपराधी सजा के लिए भेजे जाते हैं, लेकिन सेंव?ा उपजेल में हत्या का एक आरोपित अपने साथियों के साथ जन्मदिन का जश्न मनाता रहा। इसका एक वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस वीडियो में सेंवा उप जेल में नेतुआपुरा हत्याकांड का आरोपित साहिल गुर्जर जेल के अंदर केक काटकर गानों की धुनों पर न सिर्फ जश्न मनाते हुए दिख रहा है, बल्कि मोबाइल से सेल्फी भी खींच रहा है।

ग्वालियर जेल अधीक्षक मनोज साहू एस.डी.एम सेंवा अनुराग निंगवाल, दतिया जेलर भास्कर पांडे ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए तीन जेल प्रहरियों को तुरंत निलंबित कर दिया है। जिनमें प्रहरी पुरुषोत्तम पांडे, अम्बरीष भदौरिया तथा परमवीर बघेल शामिल है, जबकि उप जेल के जेलर के खिलाफ डी.जी जेल को कार्यवाई के लिए पत्र भेजा गया है।

रविवार को जेल अधीक्षक ग्वालियर मनोज साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि जेल के अंदर केक कैसे पहुंचा इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल उप जेलर हेमंत नागर को भी किया निलंबित। जहाँ तक नियम है कि जेल के अंदर कोई भी वस्तु बाहर की खाने, पीने की न जाये फिर जेल में बंद हत्या के आरोपित के जन्मदिन के अवसर पर केक कैसे पहुंचे और जन्मदिन का जश्न कैसे मना और जेल प्रहरी कहा थे। आरोपित जेल के अंदर अपराधी सजा के लिए भेजे जाते हैं, लेकिन सेंवा उपजेल में हत्या का एक आरोपित अपने साथियों के साथ जन्मदिन का जश्न मनाता रहा। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस वीडियो में सेंव?ा उप जेल में नेतुआपुरा हत्याकांड का आरोपित साहिल गुर्जर जेल के अंदर केक काटकर गानों की धुनों पर न सिर्फ जश्न मनाते हुए दिख रहा है, बल्कि मोबाइल से सेल्फी भी खींच रहा है। अब सवाल यह है कि क्या उप जेल में बंद कैदियों के लिए इस तरह की पार्टियां करना और मोबाइल जेल में ले जाने की अनुमति किसने दी।

उधर, अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह वीडियो कब का है, हालांकि उप जेल में पदस्थ जेलर का तर्क है कि हमारे समय जेल के अंदर ऐसा कोई आयोजन नहीं हुआ है और न ही हमारे पास ऐसा

कोई वायरल वीडियो आया है। इस घटना की जानकारी ग्वालियर जेल अधीक्षक मनोज साहू को लगी तो उन्होंने एस.डी.एम.सेंवा अनुराग निंगवाल, दतिया जेलर भास्कर पाण्डे की संयुक्त कार्यवाही पर तीन जेल प्रहरी, जेल डी.जी ने उप जेलर हेमंत नागर को निलंबित किया।

पहली बार एक दिन में अटल टनल से गुजरे 5000 वाहन

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिला में बनी अटल टनल रोहतांग में दोनों छोर पर रविवार को पांच हजार से अधिक वाहन आर-पार हुए। यह एक दिन में यहां से गुजरने वाले वाहनों का अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा रहा। राज्य के पुलिस महानिदेशक संजय कुंडू ने रविवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि लाहौल स्पीति की ओर से 2,800 वाहनों का आवागमन पंजीकृत किया गया जबकि लाहौल स्पीति से 2,650 वाहन मनाली की ओर आए। सिस्सू हैलीपैड पार्किंग क्षेत्र में अभी भी 200 से अधिक वाहन हैं।

संजय कुंडू ने कहा कि अटल टनल रोहतांग बहुत की कम अवधि में देशभर में प्रमुख पर्यटक गंतव्य बनकर उभरा है। पर्यटक बर्फ से आच्छादित लाहौल घाटी को देखने के लिए उमड़ रहे हैं और अटल टनल रोहतांग में विशेष रूचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग ने यहां यातायात के सुचारू प्रबन्धन के लिए विशेष प्रबन्ध किए हैं। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि यहां से गुजरने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और पर्यटक यहां से मधुर स्मृतियों के साथ वापिस लौटें।

उल्लेखनीय है कि समुद्र तल से 10 हजार फुट की ऊंचाई पर अत्याधुनिक तकनीक से निर्मित अटल टनल रोहतांग का इसी साल 3 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकार्पण किया था। करीब 9 किलोमीटर लंबी इस टनल के बनने में 10 साल का समय लगा और इस पर 3200 करो? की लागत आई। सामरिक रूप से महत्वपूर्ण अटल टनल रोहतांग से मनाली व लेह के बीच 45 किलोमीटर की दूरी कम हुई है।

शुभेंदु की चुनौती के बाद ममता ने रद्द किया नंदीग्राम दौरा

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले राज्य के कद्दावर नेता शुभेंदु अधिकारी की चुनौती के बाद आखिरकार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपना नंदीग्राम जाने का कार्यक्रम रद्द कर दिया है। दरअसल शुभेंदु अधिकारी का जनाधार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी बड़ा है और 2007 में बंगाल में हुए बहुचर्चित नंदीग्राम आंदोलन का मुख्य चेहरा थे। हालांकि उस समय पश्चिम बंगाल में वाममोर्चा का शासन था और उद्योग के लिए ग्रामीण किसानों की जमीन सरकार ने जबरन अधिग्रहण की कोशिश की थी। इसके खिलाफ बड़े पैमाने पर हजारों लोगों ने आंदोलन में हिस्सा लिया था। इसके सूत्रधार शुभेंदु अधिकारी ही थे। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तब विपक्ष की नेत्री के रूप में आंदोलन का मुख्य चेहरा भले ही थीं लेकिन जनाधार जुटाने से लेकर आंदोलन को रणनीतिक तरीके से चलाने में सबसे बड़ी भूमिका अधिकारी की थी। तब माकपा सरकार ने ग्रामीणों पर गोली चलवाई थी जिसमें कई निर्दोष मारे गए थे और इसी आंदोलन के बाद 2011 में राज्य की सत्ता पर ममता के आरूढ़ होने का रास्ता तय हो गया था। शुभेंदु अधिकारी के भाजपा में शामिल होने के बाद दावा किया जा रहा है कि शुभेंदु के बड़े जनाधार का लाभ भाजपा को मिलने वाला है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बननी तय है। शुभेंदु नंदीग्राम से विधायक भी थे। भाजपा में शामिल होने के पहले उन्होंने अपने विधायक पद से इस्तीफा दिया था। आंदोलन के बाद वह लगातार क्षेत्र से जीतते रहे हैं। सूत्रों के अनुसार 2021 के विधानसभा चुनाव में भी उन्हें नंदीग्राम से टिकट दिया जाएगा। उनकी जीत तय मानी जा रही है। इस बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घोषणा की थी कि वह सात जनवरी को नंदीग्राम में जनसभा करेंगी। तृणमूल दावा कर रही थी कि ममता की सभा में भारी संख्या में लोग आएंगे। उसके बाद शुभेंदु ने भी उन्हें चुनौती देते हुए कहा था कि ममता की सभा के ठीक दूसरे दिन वह भी नंदीग्राम में सभा करेंगे। भाजपा दावा कर रही थी कि ममता की तुलना में अधिक संख्या में लोग शुभेंदु की सभा में आएंगे। माना जा रहा है कि इसीलिए सीएम ने नंदीग्राम की अपनी सभा रद्द की है।

नंदीग्राम के तृणमूल नेता अबू सुफियान ने कहा कि सात जनवरी को नंदीग्राम में सभा जरूर होगी लेकिन उसमें ममता बनर्जी नहीं आएंगी बल्कि सुब्रत बख्शी संबोधन करेंगे। अब वहां मुख्यमंत्री की सभा कब होगी इस बारे में फिलहाल कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

मुझे अब नहीं रहना सीएम, एनडीए जिसे चाहे बना दे मुख्यमंत्री : नीतीश

ऐलान

- ।द की चाहत नहीं, दबाव में सम्भाला मुख्यमंत्री का पद
- स्वार्थ के लिए नहीं करता काम, नहीं किया समझौता

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान बड़ा बयान दिया है। रविवार को उन्होंने जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में दो टूक अंदाज में कहा कि मुझे अब सीएम नहीं रहना। एनडीए गठबंधन जिसे चाहे सीएम बना दे। यहां भाजपा का ही सीएम हो। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे किसी पद का मोह नहीं है।

नीतीश कुमार के इस बयान ने बिहार की राजनीति में हलचल मचा दी है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुझे पद की कोई चाहत नहीं, इच्छा नहीं कि पद पर रहूं। चुनाव परिणाम आने के बाद मैंने अपनी यह इच्छा गठबंधन के समक्ष जाहिर भी कर दी थी। पर दबाव इतना अधिक था कि मुझे फिर से मुख्यमंत्री का काम संभालना पड़ा। नीतीश कुमार ने कहा कि हम स्वार्थ के लिए काम नहीं करते। आजतक हमने कभी किसी तरह का कोई समझौता नहीं किया है।

अरुणाचल प्रदेश में जदयू के छह विधायकों के भाजपा में चले जाने के घटनाक्रम का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि क्या हुआ अरुणाचल में। छह के जाने के बाद भी वहां जदयू का एक विधायक डटा रहा। पार्टी की ताकत को समझिए। हमें सिद्धांतों के आधार पर ही लोगों के बीच जाना है। नफरत का माहौल बनाया जाता है। हमलोग नफरत के खिलाफ हैं। एक-एक काम लोगों के हित के लिए किया गया। सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को गुमराह किया जा रहा है। वह चाहेंगे कि अच्छी बातें सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों के बीच प्रचारित हो। समाज में किसी तरह का मतभेद नहीं हो।

पार्टी नहीं छोड़ा, अब भी करते रहेंगे काम

राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से खुद को मुक्त किए जाने की बात भी अपने संबोधन के क्रम में उन्होंने विस्तार से रखी। उन्होंने कहा कि हमने पार्टी छोड़ा नहीं है। रात-दिन पार्टी के काम में लगे रहते हैं। व्यस्तता की वजह से पार्टी के अध्यक्ष पद का काम ठीक से नहीं देख पा रहा था। उनकी इच्छा है कि पार्टी के संगठन का विस्तार होना चाहिए। इसके लिए लोग दूसरे राज्यों में समय दें। इस दिशा में काफी काम होना चाहिए। मैंने जानबूझकर यह किया है ताकि ज्यादा से ज्यादा समय लोगों को दे सकूं। बता दें कि पटना में जदयू की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। रविवार को बैठक का दूसरा और अंतिम दिन था। इसके बाद जदयू के प्रधान महासचिव केसी त्यागी ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि जदयू ने अरूणाचल प्रदेश की घटना पर क्षोभ व?यक?त किया है। जदयू के छह विधायकों को भाजपा ने मंत्रिमंडल में शामिल करने की बजाय उन्हें अपने दल में ही शामिल कर लिया है। यह अच्छा नहीं किया। हमें इसपर बेहद दुख है। यह गठबंधन की राजनीति के लिए अच्छा संकेत नहीं है। माना जा रहा है कि नीतीश कुमार अरूणाचल प्रदेश की घटना से बेहद दुखी हैं। उनका यह ताजा बयान इसी घटना से जोड़कर देखा जा रहा है।

जीवन ताश के पत्तों के खेल की तरह है। आपके हाथ में जो है वह नियति है, जिस तरह से आप इसे खेलते हैं वह स्वतंत्र इच्छा है। - पंडित जवाहर लाल नेहरू

पांच माह की गर्भवती ने 62 मिनट में की रेस पूरी

बेंगलुरु से एक ऐसी कहानी सामने आयी है जो प्रेरणा देती है। इस रन में एक महिला जो पांच महीने की गर्भवती हैं ने सिर्फ 62 मिनट में रेस पूरी की. इस रेस को पूरा करने वाली इस महिला का नाम है अंकिता गौड। 20 दिसंबर से शुरू हुए इस रन में अंकिता ने रविवार को हिस्सा लिया था। उनका कहना है कि उनके लिए दौड़ना डेली रूटीन का हिस्सा है। वे नौ साल से लगातार दौड़ रही हैं। अंकिता पेशे से इंजीनियर हैं।।उन्होंने पांच बार अंतरराष्ट्रीय मैराथन में भी भाग लिया है। अपने रन को लेकर तैयारी पर बात करते हुए अंकिता ने कहा कि मैंने इसके लिए बहुत पहले से तैयारी कर ली थी और मैं रोज 5-7 किलोमीटर दौड़ती थी। प्रेग्नेंसी के दौरान दौड़ने से कोई असुविधा नहीं होती बस आपको थोड़ा सा ध्यान रखना होता जिसके बारे में मैंने अपने डॉक्टर से बात कर ली थी। मेरे डॉक्टर ने यह कहा था कि प्रेंग्नेंसी के दौरान दौड़ना अनसेफ नहीं है।

गुजरात के धोलेरा में बनेगा एजुकेशन हब

गांधीनगर/अहमदाबाद। गुजरात का धोलेरा 5,000 एकड़ के क्षेत्र में दक्षिण एशिया का पहला सबसे बड़ा एजुकेशन हब होगा, जिसमें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय होंगे। यहां ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज और येल परिसरों की स्थापना होगी, जिससे छात्रों को वर्तमान समय में दुनिया में उपलब्ध लगभग सभी पाठ्यक्रम यहां उपलब्ध होंगे। गुजरात सरकार ने हाल ही में मुख्यमंत्री विजय रूपानी की उपस्थिति में धोलेरा में गुजरात विशेष शिक्षा क्षेत्र स्थापित करने के लिए भारत के सबसे बड़े शिक्षा बुनियादी ढांचे फंड, सेरेस्ट्रा वेंचर्स, तेलंगाना के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस शिक्षा क्षेत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि विदेशी मेडिकल कॉलेज भी यहां आएंगे। तब मेडिकल की सीटें कम होने के कारण गुजरात और भारत के छात्रों को रूस, चीन या अन्य देशों में नहीं जाना पड़ेगा। अपेक्षाकृत कम लागत पर आप अब गुजरात से एक विदेशी विश्वविद्यालय में प्रवेश पा सकेंगे।

होलसेल में ड्रायफरूट्स के दाम 200 रुपये तक घटे

मंदसौर। ठंड में ड्रायफरूट का बाजार गर्म है। वहीं इनके दामों में गिरावट हो चुकी है। कोरोना के चलते इम्युनिटी बढ़ाने के तौर पर आमजन ने ड्रायफरूट का सेवन भी बड़ा दिया है। बाजार के जानकार अनिल जैन के मुताबिक होलसेल में दाम गिरने की प्रमुख वजह दिसम्बर से लेकर मार्च तक बड़ी संख्या में शादियां नहीं होना हैं। वहीं जो शादियां हुई उसमें भी संख्या को सीमित किए जाने से सूखे मेवे का उपयोग महानगरों में तेजी से घटा है। जबकि दाम कम होने से मंदसौर जैसे शहरों में सूखे मेवे की बिक्री 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है। बादाम के भावों में 160 रुपये किलो की गिरावट- गतवर्ष बादाम के भाव 680 रुपये किलो के थे, जो इस साल घटकर 520 रुप. किलो के ही रह गए हैं। व्यापारी कैलाश जैन के मुताबिक कोरोना के चलते जम्मू एवं दिल्ली में बड़ी मात्रा में स्टॉक का माल बचा हुआ है।

IPL को लेकर बीसीसीआई ने किया बड़ा ऐलान

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 89वीं एनुअल जनरल मीटिंग में आईपीएल को लेकर बड़ा फैसला लिया गया। 2021 में टूर्नामेंट में पहले की तरह 8 टीमें ही खेलेंगी, लेकिन 2022 में दो टीमें और शामिल की जाएंगी। साथ ही कोरोना से हुए नुकसान का हर फर्स्ट क्लास क्रिकेटर (महिला-पुरुष) को मुआवजा मिलेगा।

यह मीटिंग अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम में हुई। इसमें फैसला लिया गया कि अध्यक्ष सौरव गांगुली को बोर्ड में डायरेक्टर बने रहेंगे। साथ ही राजीव शुक्ला को का औपचारिक तौर पर उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

चेतन बने सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन

पूर्व क्रिकेटर चेतन शर्मा के सीनियर नेशनल सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन (चीफ सिलेक्टर) बनाए गए हैं। वहीं, भारत और मुंबई के पूर्व तेज गेंदबाज अभय कुरुविला और देवाशीष मोहंती को भी चयन समिति का सदस्य बनाया गया। नई चयन समिति इंग्लैंड के खिलाफ अगले साल फरवरी में होने वाली घरेलू सीरीज के लिए टीम चुनेगी।

मीटिंग ये 10 फैसले लिए गए

- इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी से क्लेरीफिकेशन के बाद 2028 ओलिंपिक में क्रिकेट को शामिल करने के फैसले का समर्थन करेगा।
- बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली आईसीसी बोर्ड में डायरेक्टर बने रहेंगे। उनकी गैरमौजूदगी में सेक्रेटरी जय शाह यह जिम्मेदारी संभालेंगे।
- शाह आईसीसी में भारत रिप्रेजेंटेटिव भी होंगे। वह आईसीसी के चीफ एग्जीक्यूटिव मीटिंग में बोर्ड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

2021 में 8, 2022 में 10 टीमें खेलेंगी

नई फ्रेंचाइजी किन शहरों की हो सकती हैं?

नई फ्रेंचाइजी के लिए अहमदाबाद का नाम सबसे आगे है। वैसे भी गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन ने अहमदाबाद में 1 लाख 10 हजार दर्शक क्षमता वाला देश का सबसे बड़ा स्टेडियम बनाया है। इससे यहां होने वाले मैचों में आईसीसी को अधिक दर्शक भी मिल सकेंगे। दूसरी फ्रेंचाइजी के लिए पुणे, कानपुर या लखनऊ का नाम रेस में है।

नई फ्रेंचाइजी तो क्या खरीदार भी नए?

देश के सबसे अमीर लोगों में शामिल अडानी ग्रुप के मालिक गौतम अडानी पहले भी आईसीसी फ्रेंचाइजी खरीदने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं। अब जबकि, अहमदाबाद का नाम सबसे आगे चल रहा है तो इस गुजराती बिजनेसमैन के लिए आईसीसी से जुड़ने की एक वजह मिल गई है। अडानी को आरपीजी ग्रुप के संजीव गोयनका से कड़ी टक्कर मिल सकती है। गोयनका आईसीसी का हिस्सा रही पुणे सुपरजाइंट्स के मालिक रह चुके हैं। साउथ के सुपरस्टार मोहनलाल भी आईसीसी की नई फ्रेंचाइजी खरीदने के उत्सुक बताए जाते हैं। उनके साथ साउथ के बड़े बिजनेसमैन भी हैं। मोहनलाल हाल ही में खत्म हुए आईसीसी के दौरान दुबई भी गए। तब से इस तरह की अटकलें लग रही हैं।

- जनवरी में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी-20 चैम्पियनशिप के बाद सभी घरेलू टूर्नामेंट्स कराए जाएंगे।
- राजीव शुक्ला को औपचारिक तौर पर बोर्ड का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। महिम चौधरी के बाद से ये पद खाली था।
- बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह और कोषाध्यक्ष अरुण धूमल केंद्र सरकार से आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2021 और 2023 वनडे वर्ल्ड कप को लेकर टैक्स में छूट देने को लेकर बात करेंगे। दोनों ही वर्ल्ड कप भारत की मेजबानी में होने हैं। टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टैक्स में छूट नहीं मिलने से बीसीसीआई को करीब 904 करोड़ रुपए का नुकसान होगा।
- सूत्रों के मुताबिक बीसीसीआई ने क्रिकेटर्स का इंश्योरेंस कवर बढ़ाकर 5 लाख से 10 लाख रुपए कर दिया है।
- साथ ही बोर्ड ने अंपायर्स, मैच रेफरी और स्कोरर्स की रिटायरमेंट उम्र को बढ़ाकर 55 से 60 कर दिया है।

जनवरी से शुरू होंगे घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट, फरवरी में इंग्लैंड से भिड़ेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एनुअल जनरल मीटिंग में बड़ा फैसला लेते हुए अगले साल से डोमेस्टिक क्रिकेट को शुरू करने का फैसला किया। जनवरी में सैयद मुश्ताक अली टी-20 चैम्पियनशिप के बाद सभी घरेलू टूर्नामेंट्स कराए जाएंगे। इससे भारत में क्रिकेट की वापसी होगी। इसके बाद इंग्लैंड की टीम भारत दौरे पर आएगी। इससे भारत में इंटरनेशनल क्रिकेट की वापसी होगी।

ये है अगले साल का शेड्यूल

5 फरवरी से 28 मार्च	इंग्लैंड का भारत दौरा
अप्रैल में	आईपीएल
मई में	वुमन्स टी-20 चैलेंज
मई में	आईपीएल के साथ अंडर-23, 19, 16 टूर्नामेंट
जून में	वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल
अगस्त में	भारत का इंग्लैंड दौरा
अक्टूबर में	टी-20 वर्ल्ड कप

आईपीएल के साथ ही कराए जाएंगे सभी एज ग्रुप टूर्नामेंट्स

- आईसीसी के 14वें सीजन के साथ ही जूनियर और सीनियर लेवल पर महिला और पुरुषों के टूर्नामेंट भी भारत में ही कराए जाएंगे। साथ ही एज रिलेटेड टूर्नामेंट्स जैसे कि अंडर-23, अंडर-19 और अंडर-16 टूर्नामेंट्स भी कराए जाएंगे।
- मीटिंग में अगले साल महिलाओं के टेस्ट क्रिकेट पर भी बातचीत हुई। हालांकि इसपर फैसला अपेक्स काउंसिल लेगी।
- टीमों की संख्या बढ़ने से मैचों की संख्या भी बढ़ेगी। इससे आईसीसी को रेवेन्यू में काफी इजाफा होने की उम्मीद है।

ब्रॉडकास्टर के लिए परेशानी बढ़ सकती है

ब्रॉडकास्टर के लिए बीसीसीआई के ब्रॉडकास्ट पार्टनर स्टार इंडिया की इससे परेशानी बढ़ सकती है। स्टार पर पहले से ही आईसीसी के हाई लाइसेंसिंग फीस की वजह से काफी दबाव है। अब 10 टीमें होने पर मैचों की संख्या बढ़कर 94 हो जाएगी। 34 एक्स्ट्रा मैच जुड़ने से स्टार इंडिया को 17 सौ करोड़ रुपए से ज्यादा लाइसेंसिंग फीस के रूप में देने होंगे, जो उनके लिए मुश्किल खड़ी कर सकता है।

टीमें बढ़ने का क्या मायने?

खिलाड़ियों के लिए नवंबर में खत्म हुए ढ्ढक्क के बाद टीमों के प्रदर्शन के लिहाज से इसे अब तक का सबसे सक्सेसफुल ढ्ढक्क कहा गया। इसके बाद से कई पूर्व खिलाड़ी भी आईपीएल में टीमों की संख्या बढ़ाने की वकालत कर चुके हैं। उनका कहना है कि इससे ज्यादा खिलाड़ियों को मौका मिलेगा।

फीफा की घोषणा, 2023 में होने वाले महिला फुटबॉल विश्व कप में चार सीधे कोटे मिलेंगे

टूर्नामेंट

अमेरिका, कनाडा और जमैका ने पिछले साल फ्रांस में 24 टीमों के विश्व कप में क्षेत्र की नुमाइंदगी की थी

एजेंसी

ज्यूरिख। कोंकाकाफ को 2023 में होने वाले महिला फुटबॉल विश्व कप में चार सीधे कोटे मिलेंगे जबकि क्षेत्र की दो और टीमें दस टीमों के प्लेआफ के जरिये प्रवेश कर सकती हैं। अमेरिका, कनाडा और जमैका ने पिछले साल फ्रांस में 24 टीमों के विश्व कप में क्षेत्र की नुमाइंदगी की थी। कोंकाकाफ क्षेत्र में उत्तर और मध्य अमेरिका और कैरेबियाई देश आते हैं।

फीफा ने गुरूवार को 32 टीमों के टूर्नामेंट के कोटों का ऐलान किया। यूरोप को 11 सीधे कोटे मिलेंगे जबकि एशिया को छह और अफ्रीका को चार कोटा स्थान मिलेंगे। दक्षिण अमेरिका को चार और ओशेनिया को एक कोटा स्थान मिला है।

आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड मेजबान होने के नाते सीधे क्वालीफाई कर चुके हैं। उनके कोटा स्थान उनके परिसंघ को मिले कोटा स्थानों में से लिये गए हैं। पिछले महिला विश्व कप में यूरोप की नौ , एशिया की पांच, अफ्रीका और कोंकाकाफ की तीन, दक्षिण अमेरिका की दो , ओशेनिया की एक और कोंकाकाफ . कोनमेबोल प्लेआफ की विजेता टीमों ने भाग लिया था।

एनबीए का पूर्णकालिक रेफरी सुयश को चुना गया

नई दिल्ली। यूएस की नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन (एनबीए) लीग को सुयश मेहता के रूप में अपना पहला पूर्णकालिक भारतीय मूल का रेफरी मिल गया है। एनबीए द्वारा की गई एक आधिकारिक घोषणा में बताया गया कि मेहता सिमोन जेल्क्स और एंडी नेगी के साथ पूर्णकालिक एनबीए स्टाफ अधिकारियों को पदोन्नत किए जाने वाले तीन रेफरियों में से एक हैं। पहले भारतीय मूल के खिलाड़ी (सतनाम सिंह भामरा) और पहली भारतीय मूल की महिला कोच (सोनिया रमन) के कुछ महीनों बाद, एनबीए में अब एक भारतीय मूल का रेफरी भी होगा।

बाल्टीमोर, मेरीलैंड में रहने वाले मेहता को 2020-21 सीज़न के रोस्टर में शामिल किया गया है, जोकि मंगलवार से शुरू हो चुका है। मेहता ने इससे पहले एनबीए जी लीग के पांच सत्रों में भाग लिया था। इसके अलावा 2019-20 एनबीए सीज़न के दौरान, उन्होंने 13 नियमित-सीज़न एनबीए मैचों में ÷गैर-कर्मचारी अधिकारी÷ के रूप में भाग लिया है।

वर्ल्ड बैंडमिंटन कैलेंडर की हुई घोषणा, 11 मई से होगा इंडिया ओपन टूर्नामेंट

एजेंसी

नई दिल्ली। बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने आगामी साल के लिए नया कैलेंडर जारी किया है जिसमें इंडिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट तोक्यो ओलंपिक के लिए आखिरी क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट होगा और इसका आयोजन 11 से 16 मई तक किया जाएगा। तोक्यो खेलों के लिए ओलंपिक क्वालीफिकेशन समय अगले साल से दोबारा शुरू होगा और पहला क्वालीफाइंग टूर्नामेंट स्विस ओपन होगा जो दो से सात मार्च तक खेला जाएगा। इसके बाद नौ से 14 मार्च तक जर्मन ओपन होगा। चार लाख डॉलर इनामी इंडिया ओपन तोक्यो ओलंपिक के लिए अंक हासिल करने वाली 17 प्रतियोगिताओं में से आखिरी होगी। बीडब्ल्यूएफ ने बयान में कहा, ''क्वालीफिकेशन समय 19वें हफ्ते तक चलेगा जिसमें इंडिया ओपन 2021 क्वालीफिकेशन समय का आखिरी टूर्नामेंट होगा।''

महासंघ ने कहा, ''क्वालीफिकेशन का फैसला रेस टू तोक्यो रैंकिंग से होगा जो 18 मई 2021 को प्रकाशित की जाएगी। बीडब्ल्यूएफ परिषद ने फैसला किया है कि इसका इस्तेमाल 2021 में तोक्यो ओलंपिक खेलों के लिए वरीयता देने के लिए भी किया जाएगा।'' इस साल इंडिया ओपन का आयोजन मार्च में होना था लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण इसे 8-13 दिसंबर तक स्थगित किया गया। बाद में इसे रद्द कर दिया गया। नए बीडब्ल्यूएफ कैलेंडर में सत्र के पहले और दूसरे क्वार्टर से कुछ टूर्नामेंटों को स्थगित किया गया है और ग्रेड दो के कुछ टूर्नामेंट रद्द किए गए हैं।

बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स 2020 के साथ दोबारा शुरू होंगी जिसकी शुरुआत 27-31 जनवरी तक होनी है। अगली विश्व रैंकिंग सूची की गणना की घोषणा दो फरवरी को की जाएगी। बीडब्ल्यूएफ ने साथ ही पुष्टि कि थॉमस एवं उबेर कप फाइनल्स अब डेनमार्क के आरहस में होंगे।

आयकर रिटर्न फाइल करने में देरी हुई तो भरना होगा जुर्माना

एजेंसी

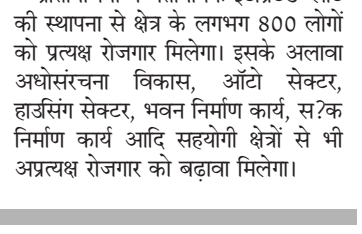

नई दिल्ली। जिन व्यक्तिगत करदाताओं ने अभी तक वित्त वर्ष 2019-20 की आयकर रिटर्न नहीं भरी है, उनके लिए ये बेहद महत्वपूर्ण खबर हैं। आयकर रिटर्न भरने की समयसीमा 31 दिसंबर 2020 है, जो अगले छह दिनों में खत्म होने वाली है। इसलिए अगर आपने अब अपना तक रिटर्न दाखिल नहीं किया है तो बिना देर किए समय से पहले इसे पूरा कर लें, ताकि बाद में जुर्माना ना भरना पड़े।

दरअसल, कोरोना वायरस महामारी को लेकर केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने करदाताओं को इस साल राहत दी थी, जिसके तहत आयकर रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा बढ़ा कर 31 दिसंबर तक करने का फैसला लिया गया था।

हालांकि, जिन करदाताओं के खातों को ऑडिट करने की जरूरत है, उनके लिए यह समयसीमा 31 जनवरी 2021 है। सरकार ने इससे पहले मई में वित्त वर्ष 2019-20 के आईटीआर भरने की समयसीमा 31 जुलाई से बढ़ाकर 30 नवंबर कर दी थी।

उल्लेखनीय है कि आईटीआर भरने के बाद उसका ई-वेरिफिकेशन भी जरूर कर लें, क्योंकि इसके बाद ही रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया पूरी होती है। अपने आईटीआर के स्टेटस की जांच करने के लिए वेबसाइट पर जाकर ई-वेरिफिकेशन की प्रक्रिया जरूर पूरी करें।

मंत्री राजवर्धन सिंह से मिले निवेशक, 3003 करोड़ के निवेश का दिया प्रस्ताव

एजेंसी

भोपाल। प्रदेश के औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव से मंगलवार को मंत्रालय में निवेशकों ने मुलाकात की। निवेशकों ने प्रदेश में 3003 करो? के निवेश का प्रस्ताव दिया।

मुलाकात के दौरान निवेशकों ने बताया कि डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड सतना जिले के रामपुर बघेलान व अमरपाटन में 3003 करोड़ रुपये से सीमेंट उत्पादन के लिये इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट में निवेश करना चाहता है। इस प्रोजेक्ट द्वारा प्रदेश में अधोसंरचना के लिये उपयोगी सीमेंट का उत्पादन किया जायेगा। इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट में कच्चा माल के रूप में लाइम स्टोन का उपयोग किया जायेगा। उन्होंने बताया कि डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड सीमेंट उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी संस्था है।

प्रतिनिधियों ने बताया कि इंटीग्रेटेड प्लांट की स्थापना से क्षेत्र के लगभग 800 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। इसके अलावा अधोसंरचना विकास, ऑटो सेक्टर, हाउसिंग सेक्टर, भवन निर्माण कार्य, स?क निर्माण कार्य आदि सहयोगी क्षेत्रों से भी अप्रत्यक्ष रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

जल्द लोन ऑफर करने वाले डिजिटल प्लेटफार्म्स और ऐप से बचें

टूर्नामेंट

आरबीआई ने दी हिदायद जालसाज ग्राहकों के मोबाइल डाटा भी पूरी तरह से एक्सेस कर लेते हैं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने चेतावनी दी है कि लोन देने वाले अनधिकृत डिजिटल प्लेटफार्मों और मोबाइल ऐप से ग्राहक सावधान रहें। इसमें व्यक्तिगत और छोटे बिजनेस वालों को खास तौर से सावधानी बरतने की हिदायत दी गई है।

केंद्रीय बैंक ने आगाह किया कि इस तरह के प्लेटफॉर्म क्विक और हैसल फ्री लोन देने का वादा तो करते हैं, लेकिन साथ ही कई छिपे हुए चार्ज वसूलने के साथ ही ब्याज भी ज्यादा लेते हैं। यही नहीं रिकवरी के लिए इनका तरीका भी गलत होता है और एग्रीमेंट का दुरुपयोग कर ये लोग ग्राहकों के मोबाइल डाटा भी पूरी तरह से एक्सेस कर लेते हैं। रिजर्व बैंक ने आगे कहा कि इन प्लेटफार्मों के वादों के झांसे में न आएं। बिना वेरीफाई किए किसी भी कंपनी या फर्म से लोन के लिए आवेदन न करें। ऑन लाइन या मोबाइल ऐप पर आँखें बंद करके भरोसा न करें। रिजर्व बैंक ने कहा कि ग्राहक सिर्फ एनबीएफसी या कंपनियों से लोन लेने के लिए संपर्क करें, जो रिजर्व बैंक के पास रजिस्टर्ड हैं या फिर किसी रेगुलेटर के दायरे में आती हैं। यह ऑन लाइन प्लेटफॉर्म या ऐप किसी रेगुलेटर के दायरे में नहीं होते हैं। इसलिए इन पर कार्रवाई भी नहीं हो पाती है।

पारदर्शिता को निश्चित बनाने के लिए ग्राहकों को केवाईसी का डॉक्यूमेंट बिना पहचान वाले लोगों, कंपनियों या फिर ऐप को कभी भी नहीं देना चाहिए। ऐसे मामलों में संबंधित एजेंसियों को जानकारी देनी चाहिए। इस तरफ के फ्रॉड के शिकार लोग पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

योजना अटलजी की जयंती सुशासन दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री पीएम किसान समान निधि योजना वितरित की

9 करोड़ किसानों के खाते में 18,000 करोड़ जमा, नहीं मिला लाभ तो दें शिकायत

एजेंसी

नई दिल्ली। स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत 9 करोड़ से अधिक किसानों के खाते में 18,000 करोड़ रुपये हस्तांतरित किये। प्रधानमंत्री ने एक बटन दबाकर नौ करोड़ किसान लाभार्थियों के खातों में इस राशि को ट्रांसफर कर दिया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2014 में सरकार बनने के बाद हमारी सरकार ने नई अप्रोच के साथ काम करना शुरू किया। हमने देश के किसान की छोटी छोटी दिक्कतों, कृषि के आधुनिकीकरण और उसे भविष्य की ज़रूरतों के लिए तैयार करने पर ध्यान दिया। हमारी सरकार ने प्रयास किया कि देश के किसान को फसल की उचित कीमत मिले।

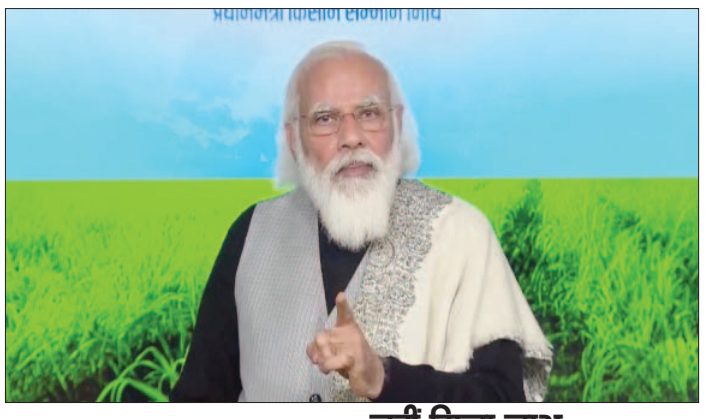

वहीं केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि इस योजना के तहत अब तक 10.60 करोड़ किसानों को फायदा मिल चुका है, जिनके खातों में कुल 96 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि ट्रांसफर की जा चुकी है।

नहीं मिला लाभ तो ऐसे करें जांच

अगर आपने भी इस योजना के लिए रजिस्टर किया है और इस बात की जानकारी चाहते हैं कि आपको अगली किस्त मिलेगी या नहीं, तो आप प्रधानमंत्री किसान योजना के लिए समर्पित पोर्टल के जरिए इसकी जानकारी हासिल कर सकते हैं। साथ ही लिस्ट में अब तक नाम दर्ज नहीं होने पर आप यहां शिकायत भी दर्ज करवा सकते हैं। सबसे पहले आपको पीएम किसान योजना की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा। वेबसाइट के दाहिनी तरफ फार्मर कॉर्नर के अंतर्गत आपको बैनिफिशयरी लिस्ट का विकल्प दिखाई देगा। इस लिंक पर क्लिक करने के बाद आपके सामने एक नया पेज खुलेगा। इस पेज पर राज्य, जिला, उप-जिला, प्रखंड के बाद गांव का चयन करें। सही विकल्प चुनने के बाद गेट रिपोर्ट पर क्लिक करें। जिसके बाद सभी लाभार्थियों की सूची आपके सामने आ जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस योजना के तहत हर साल तीन किस्तों में किसानों के खातों में 6,000 रुपये भेजे जाते हैं। किसानों के खाते में दो-दो हजार रुपये की राशि तीन किस्तों में भेजी जाती है

इस नंबर पर करें संपर्क

अगर आपका पिछली सूची में आपका नाम था, लेकिन अब ताजा सूची में नहीं है, तो आप पीएम किसान के हेल्पलाइन नंबर 011-24300606 पर अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। इसके अलावा सरकार ने कई और जरूरी नंबर भी साझा किए हैं ताकि इस लाभ के बारे में किसान को जानकारी लेने में सुविधा हो सके -

पीएम किसान टोल फ्री नंबर- 18001155266

पीएम किसान हेल्पलाइन नंबर- 155261, 0120-6025109

पीएम किसान लैंडलाइन नंबर- 011-23381092, 23382401

मैं ऐसे धर्म को मानता हूं जो स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा सिखाता है।
- डॉ. भीम राव अम्बेडकर

कला, संस्कृति, अध्यात्म और क्रांति की जन्मभूमि है पश्चिम बंगाल

भारतीय धर्म, कला, संस्कृति, अध्यात्म, दर्शन, तंत्र मार्ग और काला जादू की भूमि बंगाल क्रांतिकारियों की भी जन्मभूमि रही है। बंगाल के बारे में जितना कहा और लिखा जाए उतना कम है, परंतु बंगाल का विभाजित हो जाना भारत का सबसे बड़ा नुकसान रहा। मुगल और अंग्रेज काल में सबसे ज्यादा आंदोलन और विद्रोह बंगाल में हुए। 1757 में प्लासी के विद्रोह से लेकर 1905 के बंग-भंग आंदोलन तक बंगाल ने बहुत कुछ सहा। बंगाल ने इस देश को बहुत कुछ दिया। आओ जानते हैं भारत के पश्चिम बंगाल (बंग्लादेश नहीं) के संबंध में संक्षिप्त जानकारी।

बंगाल के शासक

वैसे तो प्राचीनकाल में बंगाल शैव, शाक्त और बौद्ध संप्रदाय का गढ़ रहा है। यहां पर रामायण और महाभारत काल के राजाओं का राज रहा है। इसके बहुत समय बाद यहां पर पाल और सेन राजाओं के राज्य के बाद मुस्लिम आक्रांताओं ने शासन किया जिसमें इलियास वंश के बाद बायाजिद, गणेश, हाबिस, हुसेन वंश चला। इसके बाद शूरवंश और काररानि वंश के बाद मुगल शासकों का राज प्रारंभ हुआ। फिर बंगाल में नवाबों का शासन चला जिसमें अंतिम शासक सिराजुद्दौला था जिसने अंग्रेजों को भीतर आने दिया और बाद में अंग्रेजों ने उसी का शासन पलट दिया। ब्रिटिश काल में ही बंगाल का विभाजन हुआ और भारत के विभाजन के बाद बांग्लादेश बना। ब्रिटिश काल का अंतिम नवाब सइफ उद दौला था। इतने लंबे समय से मुस्लिम शासन के चलते बंगाल के आधे लोग मुस्लिम बन चुके थे और ब्रिटिश शासन के चलते लाखों लोग ईसाई बन चुके थे। बाद में मरद टेरेसा के प्रचार के चलते बंगालियों का ईसाई धर्म की और रुझान बढ़ा और इस तरह बंगाल बहुधर्मी राज्य बन गया।

बंगाल विभाजन

वैसे तो बंगाल का विभाजन अंग्रेजों द्वारा 1905 में ही धर्म के आधार पर कर दिया गया था परंतु 1947 में इसके विभाजन को पक्का कर दिया गया। पूर्वी बंगाल पाकिस्तान का हिस्सा बना और पश?चिम बंगाल भारत का। इसके बाद 1971 में पूर्वी बंगाल एक आजाद देश बाना जिसका नाम बांग्लादेश रखा गया।

बंगाल के प्रसिद्ध संत

बंगाल में कई महान क्रांतिकारी संत हुए हैं। चैतन्य महाप्रभु, स्वामी प्रणवानंद, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, कृतिवास, बाउल संत, प्रभु जगत्बंधु, का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। इसके अलावा युक्तेश्वर गिरि, योगी श्यामाचरण, स्वामी योगानंद और प्रभात रंजन सरकार ऊर्फ आनंदमूर्ति भी बंगाल में सक्रिय रहे हैं।

बंगाल के शक्तिपीठ

52 शक्तिपीठों में से बांग्लादेश में 4 और बंगाल में लगभग 12 से 13 शक्तिपीठ विद्यमान हैं। अधिकतर शक्तिपीठ बंगाल में ही विराजमान हैं क्योंकि प्राचीन काल से ही बंगाल शाक्त और तंत्र मार्ग का गढ़ रहा है। नवरात्रि में दुर्गा पूजा बंगाल का प्रमुख त्योहार है।

प्रमुख नदियां

मोटे तौर पर 80 से अधिक छोटी-बड़ी नदियां बंगाल से होकर बहती हैं। इनमें से प्रमुख नदियों की संख्या करीब 19 है जिनके नाम बांसलोई, पगला, मयुराक्षी, अजय, जालंगी, चुर्नी, दामोदर, द्वारकेश्वर, कंसाई, भागीरथी, पद्मा, तिस्ता, महानंद, तोरषा आदि हैं। गंगा पश्चिम बंगाल की प्रमुख नदी है। यह झारखण्ड के रास्ते पश्चिम बंगाल में प्रवेश करती है। आगे चलकर गंगा नदी का नाम हुगली हो जाता है। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता हुगली नदी के किनारे ही बसा हुआ है। वहीं, भागीरथी नदी मुर्शिदाबाद जिले के मीठापुर गांव में गंगा से कटकर निकलती है। यह दक्षिण की तरफ बहती हुई सागरद्वीप के पास बंगाल की खाड़ी में समा जाती है। कई नदियों के साथ पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हुई हैं।

प्रमुख पूजा स्थल

बंगाल के प्रमुख मंदिरों में कालीघाट का कालिका माता का मंदिर कोलकाता, दक्षिणेश्वर काली मंदिर कोलकाता, हंसेश?वरी मंदिर बांसबेरिया, त्रिपुर सुंदरी मंदिर गारिया, कनक दुर्गा मंदिर मिदनापुर, तारापीठ मंदिर बीरभूमि, कृपामयी काली मंदिर 24 परगना बारानगर, खप्पा ताल मंदिर मालो पाडा, रामपारा काली मंदिर कालीबाड़ी, किरीतेश्वरी मंदिर मुर्शिदाबाद। यह तो सभी कालिका माता के मंदिर थे। इसके अलावा हुगली के तट पर तारकेश्वर मंदिर, श्रीरामकृष्ण मठ, हगेश्वरी मंदिर, हुगली इमामबाड़ा और बैंडेल चर्च को देखा जा सकता है।

प्रमुख स्थल

पश्चिम बंगाल में घुमने के लिए खास जगह हैं- कोलकाता, दीघा (मिदनापुरे), बाक्खाली सी रिजॉर्ट, सागर द्वीप और सुंदरबन्स (साउथ 24 परगना), बंदेल, ताराकेश्वर, कमरापुकार (हुगली), गधियारा (हावड़ा), शांति निकेतन और बकरेश?वर (बिरभूम), दुर्गापुर (बर्दवान), मुकुटमणिपुर और विष्णुपुर (बाकुरा), अयोध?या पर्वत (पुरुलिया), मुर्शिदाबाद, गौर, पडुवा (मालदा), दार्जिलिंग, मिरिक, कलिंपोंग, संदाकफू और फलूत तथा कुर्सेयॉग (दार्जिलिंग) जलदापारा और डूअर्स (जलपाईगुड़ी)। उक्त स्थानों पर आपको सबकुछ देखने को मिलेगा। खासकर आप कोलकाता, दार्जिलिंग, सुंदरबन नेशनल पार्क, मुर्शिदाबाद और सैंडकफू ट्रेक खास है।

बंगाल के प्रसिद्ध लोग

बंगाल में हजारों कवि, साहित्यकार, सिनेमाकार, प्रसिद्ध नेता आदि हुए हैं जिन्होंने भारत का नाम विश्व में प्रसिद्ध किया है। आधुनिक काल में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, मलय रायचौधुरी, देबी राय, सुबिमल बसाक, समीर रायचौधुरी, रविंद्रनाथ टेगोर प्रमुख कविगण रहे हैं। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, जगदीश चन्द्र वसु (बोस), सत्यजित राय, तपन सिन्हा, मृणाल सेन और अपर्णा सेन, बिधान चन्द्र राय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, शरत चन्द्र चट्टोपाध्याय, रवीन्द्र नाथ ठाकुर (टैगोर), सत्येन्द्र नाथ बोस, महाश्वेता देवी, राजा राममोहन राय, सौरभ गांगुली, शर्मिला टैगोर, अमर्त्य सेन, खुदीराम बोस, भूदेव मुखोपाध्याय आदि अनेक महान लोग हुए हैं। आजाद भारत में ज्योति बसु ने बहुत समय तक शासन किया उसके बाद ममता बनर्जी ने राज्य की कमान संभाल रखी है। मोहन बगान एवं ईस्ट बंगाल जैसी टीम इसी प्रदेश से हैं।

नए साल पर ताजमहल का दीदार रोजाना 15 हजार लोग कर सकेंगे

आगरा। नए साल पर अगर आप ताजमहल का दीदार करना चाहते है और आगरा आ रहे है तो यह खबर आपके लिए बेहद खास है। दरअसल, पर्यटन उद्योग को बढ़वा देने के लिए ताजमहल का दीदार करने वालों की संख्या में इजाफा कर दिया गया है। अब रोजाना 15 हजार सैलानी ताजमहल का दीदार कर सकेंगे। इस नई व्यवस्था को आज रविवार (27 दिसंबर) से लागू कर दिया गया है। इस बात का जानकारी आगरा जिले के जिलाधिकारी प्रभु एन. सिंह ने दी है। साथ ही बताया कि ताजमहल के टिकट सिर्फ ऑनलाइन बुक हो सकेंगे।

आपको बता दें कि ताजमहल पर लगी पर्यटकों की कैपिंग सीमा में फिर से बदलाव किया गया है। इससे पहले 10 को भी पर्यटकों की संख्या में बदलाव किया गया था। तो वहीं, आगरा किला में भी सैलानियों की क्षमता अब पांच हजार से ब?कर सा? सात हजार कर दी गई है। इसके अलावा अन्य किसी मोनुमेंट्स के लिए कैपिंग सीमा में कोई परिवर्तन नहीं किया गया। खबरों के मुताबिक, नए साल पर पर्यटक की संख्या ब?ने के मद्देनजर प्रशासन ने कोविड-19 समीक्षा के बाद यह निर्णय किया है।

दरअसल, कोरोना वायरस और लॉकडाउन के चलते ताजमहल करीब छह महीने बंद रहा था। सितंबर के महीने में ताम बंदिशों के साथ ताजमहल को पर्यटकों के लिए खोल दिया गया था। पर्यटकों की भीड़ को देखते हुए इसे बढ़ा 10 हजार किया गया। अब नए साल पर पर्यटक ब?ने के मद्देनजर प्रशासन ने ताजमहल के टिकटों की संख्या 15 हजार कर दी है। टिकट ऑनलाइन ही मिलेंगे। प्रशासन के इस फैसले पर पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों ने खुशी जाहिर की है।

टिकटों की संख्या बढ़ने से ताजमहल पर सैलानियों की भीड़ उमड़ आई है। ताजमहल पर शनिवार को 8,256 सैलानी आए। दोपहर एक बजे ही पूरे 10 हजार टिकट बुक हो चुके थे। ताजमहल पर दोपहर एक बजे के बाद पहुंचे ऐसे सैलानी, जिन्होंने ऑनलाइन पहले से टिकट बुक नहीं किया था, वह निराश हुए तो पास के दुकानदारों और एएसआई कर्मचारियों की सलाह पर महताब बाग पहुंच गए। यही वजह रही कि इस साल महताब बाग से सबसे ज्यादा 1112 सैलानियों ने ताजमहल देखा। आगरा किला पर भी सैलानियों की भीड़ रही।

आगरा किला पर 2500 की जगह 4 हजार कैपिंग करने के बाद पहली बार यहां 4041 पर्यटकों ने प्रवेश किया। इनमें से 3040 पर्यटक और 1001 बच्चे शामिल रहे। ताजमहल पर शनिवार को 8256 सैलानी आए, जिनमें से 4161 सैलानियों ने मुख्य गुंबद का 200 रुपये का अतिरिक्त प्रवेश शुल्क लेकर शाहजहां-मुमताज की कब्रें देखीं। दो साल पहले मुख्य गुंबद पर टिकट लगाया गया था। तब भारतीय सैलानियों में महज 15 फीसदी ही शाहजहां-मुमताज की कब्रें देखने जाते थे, लेकिन अब इनकी संख्या 50 फीसदी तक पहुंच गई है।

ऐतिहासिक चितौड़गढ़ दुर्ग पर बढ़ने लगी सैलानियों की भीड़

चित्तौड़ग। विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक चित्तौड़गढ दुर्ग पर साल के अंतिम दिनों में पर्यटकों की खासी रेलमपेल देखी जा रही है, जिसके चलते स्थानीय लोगों को जहां रोजगार की आस बंधने लगी है। वहीं, यहां आने वाले सैलानी दुर्ग के इतिहास को जानकर अभिभूत हो रहे है। इधर, कई जगहों पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें भी देखी गई। जिसके चलते पुलिस प्रशासन ने दुर्ग पर यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती भी की। कोरोना काल के कारण लम्बे अर्से से दुर्ग पर पर्यटकों की आवाजाही नहीं होने से स्थानीय लोगों के रोजगार पर भी खासा असर प?ने लग गया था, लेकिन जैसे-जैसे कोरोना रोगियों की संख्या में कमी आने लगी, वैसे वैसे दुर्ग पर पर्यटकों की चहल कदमी शुरू हो गई। पिछले दो माह से सैलानियों की आवाजाही शुरू होने से स्थानीय लोगों को रोजगार की आस बंधने लगी। वर्ष के अंतिम दिनों में अवकाश के दिनों में दुर्ग पर देश के कोने-कोने से पर्यटकों की खासी रेलमपेल देखने को मिल रही है, खास तौर पर गुजरात के पर्यटकों की खासी भी? यहां पहुंच रही है। रविवार का अवकाश होने के चलते दुर्ग पर पर्यटकों की अच्छी खासी भी? स्मारकों को देखने के लिये पहुंची। इस दौरान कई मार्गो पर वाहनों का जमाव?ा होने से जाम लग गया, जिसे निपटने के लिये यातायात पुलिस को मशक्कत करनी प?ी। दुर्ग को देखने के लिये ऑनलाइन टिकट व्यवस्था लगातार पर्यटकों के लिये दुविधा का विषय बन रहा है। जहां घंटो लोगों को कतार में ख? रहकर टिकट के लिये जद्दोजहद करनी प? रही है, वही टिकट नहीं मिलने के कारण कई पर्यटक बिना दुर्ग भ्रमण किये बेरंग लौटने को मजबूर हो रहे है। वही दूसरी ओर पर्यटको की आवाजाही के कारण गाईड, फोटो ग्राफर सहित स्थानीय रोजगार को भी बढावा मिलने लगा है।

28 दिसंबर से सप्ताह की शुरुआत हो रही है. यह सप्ताह सभी 12 राशियों के लिए महत्वपूर्ण है। वर्ष 2021 का आगाज होने जा रहा है। नव वर्ष का शुभारंभ पुष्य नक्षत्र में होगा। ये सप्ताह सभी राशियों के लिए कैसा रहेगा, जानते हैं साप्ताहिक राशिफल। पंचांग के अनुसार 28 दिसंबर को चतुर्दशी की तिथि है। नए सप्ताह कुछ राशियों के लिए बहुत ही शुभ होने जा रहा है। लेकिन इन 4 राशियों को कुछ मामलों में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। इस सप्ताह कुछ राशियों को धन हानि भी हो सकती है। इसलिए सोच समझकर ही निर्णय लें।

मेष

इस सप्ताह मेष राशि वालों को निवेश या उधार आदि के लिए सतर्कता रखनी होगी. अनुभवहीन की सलाह या लालच में आकर कोई भी निर्णय करना खतरनाक हो सकता है. प्लानिंग के दौरान वरिष्ठों के साथ वैचारिक मतभेद से बचें. नौकरी से जुड़े लोग समय के सही इस्तेमाल के लिए सजग रहें. कार्यस्थल पर वरिष्ठों के गुस्से का शिकार बन सकते हैं. कारोबार कर रहे लोगों को सप्ताह की शुरुआत में नया काम शुरू करने से बचना चाहिए. नुकसान की आशंका है. हेल्थ को लेकर खानपान संतुलित और मौसम के अनुकूल रखें. जंक या फास्ट फूड से परहेज रखें. अनुजों से अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है, घर में सबके साथ अच्छा तालमेल रहेगा, मन शांत और सप्ताह सुखद बीतेगा.

वृष

यह सप्ताह विशेषकर कारोबार या कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ कंपटीशन वाला रह सकता है, तो वहीं कई परिश्रम के बाद ही सफलता या सम्मान मिलेगा. लेन-देन संबंधी विवाद भी सप्ताह मध्य तक उभर सकते हैं. कारोबारी अपने हिसाब किताब में पारदर्शी बनाए रखें, अन्यथा कानूनी कार्रवाई की चपेट में आ सकते हैं. अपनी पूंजी को बहुत संयमित तरीके से प्रयोग करने की जरूरत है. रियल स्टेट का काम करने वालों को लाभ होगा. स्वास्थ्य को लेकर स्थितियां फिलहाल सचेत रहने वाली हैं. शुरुआती कुछ दिन खान-पान में लापरवाही परेशानी खड़ी कर सकती है. रिश्तेदारों और करीबियों के साथ तालमेल बनाकर चलें. कहीं घूमने की प्लानिंग भी बन सकती हैं मगर मौसम के अनुरूप दूरी वाले डेस्टिनेशन ही चुनें.

मिथुन

इस सप्ताह अपनी समीक्षा करते हुए भूल और गलतियों को सुधारने के लिए काम करने का है. कामकाज में बेहतर प्रदर्शन के लिए ठोस कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ना बेहतर होगा. नौकरी कर रहे लोगों के लिए यात्रा का योग बन रहा है. धातु और दवा का कारोबार करने वालों को स्टॉक मेनटेन करने की जरूरत है, ध्यान रखें कि वैरायटी देकर ही ग्राहकों को रिझाया बढ़ सकता है, अन्यथा पुराने और भरोसेमंद कस्टमरों को भी मुंह मोड़ देर नहीं लगेगी. विद्यार्थी कलात्मक विषयों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे, इसलिए कठिन सिलेबस पर फोकस ब?ाना होगा. थकान और सुस्ती हावी रह सकती है, जिससे तनाव बढ़ेगा. अपने व्यवहार को लेकर सतर्क रहें. परिवार के लोग आपसे नाराज हो सकते हैं.

कर्क

इस सप्ताह के शुरुआत में काफी ऊर्जावान नजर आएंगे तो वहीं सप्ताह के मध्य में कुछ आलस्य रहेगा. आर्थिक लाभ को लेकर सजग रहें. बड़े मुनाफे के लिए जोखिम भरे कार्य करने से बचें. इस सप्ताह करियर से जुड़े कुछ अच्छे समाचार सुनने को मिल सकते हैं. जो लोग मार्केटिंग या फील्ड वर्क में रहते हैं, उनको टारगेट पूरा करने के लिए समय उपयुक्त है. कैश बैक जैसी योजनाओं का लाभ मिल सकता है. व्यापारिक मामलों में पार्टनरशिप वाले व्यापार अच्छे चलते नजर आएंगे. जो लोग शुगर पेशेंट है, वह सप्ताह के अंतिम दिनों में अधिक परहेज करें. पिता और बड़े भाई के साथ ताल-मेल बनाने से उनका सहयोग मिलेगा. रिश्तों में बेवजह की शंका को स्थान न दें.

सिंह

इस सप्ताह हर परिस्थिति में आप संयमित और कुशल प्रशासक नजर आएं. ऐसा करने से आपके बिग? काम भी बन सकते हैं. सरकारी अ?चनें व पेडिंग कार्य पूरे होते दिख रहे हैं. शोध कार्यों में लोगों के लिए लाभ की संभावनाएं हैं. कारोबारियों को प्रतिष्ठान को विस्तार देने का मौका है. ग्राहकों की पसंद के मुताबिक स्टॉक मेनटेन करें. सेहत के लिए सप्ताह बहुत चिंताजनक नहीं रहने वाला है. घरेलू मामलों में समझदारी से काम लेने की जरूरत है. परिवार में बेहतर प्रबंधन के लिए सराहना मिलेगी. किसी भी मामले में निर्णय लेते समय असमंजस में हैं तो घर के बढ़े और बुजुर्गों की सलाह से काम लेना कारगर होगा. अपनी हित से जुड़े विषयों पर मजबूती से पक्ष रखें.

कन्या

इस सप्ताह में परिश्रम का परिणाम मनमुताबिक और जल्दी मिलने वाला होगा. ध्यान रखें कि कार्यस्थल पर खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित करने के लिए अधिक काम करना पढ़ सकता है. टीम को भी एकजुटता के साथ काम करने के लिए प्रेरित करें. सप्ताह मध्य तक किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर वरिष्ठ की सलाह बेहद कारगर होगा. बड़े व्यापारियों के लिए सप्ताह अंत तक रुका धन लौट सकता है. फाइनेंस से संबंधित कारोबार कर रहे हैं लोग सजग रहें. अभिभावकों को छोटे बच्चों की पढ़ाई और संगत पर भी ध्यान देने की जरूरत है. हेल्थ में गिरकर हड्डी में चोट लगने की आशंकाएं प्रबल नजर आ रही है. पुरानी बीमारियों में राहत रहेगी. विवाह के लिए भी रिश्ता आ सकता है.

तुला

इस पूरे सप्ताह छोटी-छोटी परेशानियां आपके मार्ग में बाधक बन सकती हैं. ऐसे में इन्हें बहुत गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है. कई दिनों से पेंडिंग काम है यदि नहीं पूरा हो पा रहा था तो उसे इस सप्ताह इसे निपटाने से तनाव खत्म होगा. अभिनय-कला क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा. जो लोग कॉस्मेटिक का कारोबार कर रहे हैं, उनके लिए भी लाभ की स्थिति बन रही है. सेहत के लिए सप्ताह अनुकूल नहीं है, तबीयत खराब रहने की आशंका अधिक है. बाहर की तलीभुनी और मसालेदार चीजों से परहेज रखें. पिता के स्वास्थ्य को लेकर सजगता बरतें, अगर वह साथ नहीं रहते हैं तो फोन पर जरूर उनसे हाल-चाल लेते रहें.

वृश्चिक

इस पूरे सप्ताह नौकरी या कारोबार में रुचि और बढ़ाने की जरूरत है. कोई भी काम बे-मन से न करें, अन्यथा जो काम आप कर सकते हैं वह भी पूरा नहीं हो सकेगा. सप्ताह के मध्य में उच्चाधिकारीयों से तनाव की स्थिति हो सकती है. अगर काम को लेकर आपसे कुछ नाराजगी भरे शब्द बोलते हैं तो जवाब विनम्रता से दें. विदेशी सामानों की बिक्री करने वालों को अच्छा लाभ मिलेगा. हेल्थ को लेकर वाहन दुर्घटना के प्रति सजग रहें और यातायात नियमों का पालन करें. सप्ताह में कुछ दिन अगर घर-परिवार के साथ बिताने का मौका मिलता है तो जरूर लाभ उठाएं. पैतृक संबंधित मामलों को सुलझा सकते हैं. परिवार में सभी से स्नेह और प्रेम बना रहेगा.

धनु-

इस सप्ताह नेटवर्क बढ़ाने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन रही हैं. आर्थिक स्थिति मजबूत बनाए रखने के लिए बचत की आसान तरीका खोजना होगा. ऑफिसियल काम में और फोकस ब?ाना होगा, तो वहीं निस्संदेह काम का बोझ भी बढ़ेगा. समय का पूरा इस्तेमाल करें. उच्च अधिकारियों के सामने छवि खराब कर देगा. व्यापारियों को विदेशी निवेशक के साथ बढ़ी डील मिलने की उम्मीद है. कागजी कार्रवाई को लेकर सतर्कता बनाए रखें. विद्यार्थियों के लिए कंबाइंड स्टडी लाभप्रद रहेगी. सेहत में मांसपेशीय या नसों से संबंधित परेशानियों के लिए अलर्ट रहना होगा. कमजोरी से अचानक स्वास्थ्य में गिरावट हो सकती है. पारिवारिक सदस्यों को सेहत के मामलों में सजग रहने की सलाह दें.

मकर

इस सप्ताह मन को तनाव से बचाते हुए परिवार की देखभाल और खुशहाली के लिए काम करने की जरूरत है, तो वहीं दूसरी ओर आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए आय के स्रोत बढ़ाने पर भी ध्यान देना होगा. मगर कोई भी गैरकानूनी काम में खुद को शामिल न करें. अजनबी व्यक्ति आपको भावुक कर सीक्रेट बातों को जानना चाह सकता है, इसलिए मानसिक दृढ़ता दिखाना जरूरी है. व्यापारिक मामलों में लापरवाही करना ठीक नहीं होगा. युवा अपने विचारों को शुद्ध रखें. विद्यार्थी पढ़ाई के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर लापरवाही न बरतें. सेहत के लिए सप्ताह तनावपूर्ण हो सकता है. कमर और गर्दन में दिक्कत रहेगी. दवा से अधिक व्यायाम आपके लिए फायदेमंद होगा.

कुम्भ

इस सप्ताह जहां एक ओर साल के अंतिम दिनों में सेलिब्रेशन का दौर काम के तनाव से राहत देगा, तो वहीं सर्वोत्तम परिणाम पाने के लिए मन शांत और आत्म केंद्रित करने की जरूरत है. नौकरीपेशा से जुड़े लोगों को शुरुआती दिनों में बॉस की बातों को आंखमूंदकर पालन करना होगा. ऑफिस में काम के दौरान कोई भी नियम न तोड़ें. जो लोग गिफ्ट आइटम या डेकोरेशन से जुड़े सामान का बिजनेस करते हैं, वह इस समय अच्छा मुनाफा पाएंगे. विद्यार्थियों को पढ़ाई पर फोकस बढ़ाने की जरूरत है, समय अच्छा है जल्द सफलता मिल सकती है. स्वास्थ्य में जिन लोगों का अभी ऑपरेशन हुआ है, उन्हें अलर्ट रहने की जरूरत है. घर में धार्मिक अनुष्ठान की कार्ययोजना बनेगी.

मीन

बीते सप्ताह के कई जरूरी काम पूरे नहीं हो पाए हैं तो अतिरिक्त समय निकालकर उसे हरहालत में पूरा कर लें. कामकाज में कोई गलती होती है तो किसी एक व्यक्ति को जवाबदेह ठहराते हुए पल्ला न झाड़ें. खुद भी इसके निदान के लिए आगे बढ़कर प्रयास करें. सीनियर कामकाज की जांच भी करवा सकता है. कारोबारियों को ग्राहकों से बातचीत के दौरान सहज रहने की जरूरत है. विद्यार्थी पढ़ाई के अलावा इधर-उधर की बातों में मन आएंगे. मौसम और महामारी को देखते हुए बेवजह घर से बाहर निकलने की योजना न बनाएं. नियमों का पालन कर खुद को और परिवार को सुरक्षित रखें. करीबी रिश्तों में दूरियाँ उभर सकती है, थोड़ा संयम के साथ रहने की जरूरत होगी.

हमारे जन्मदिन के लिए वह सुबह जल्दी उठ जाती थीं और कई स्वादिष्ट व्यंजन बनाती थीं, अब उनके जन्मदिन पर जब मैंने पूछा कि हम क्या कर सकते हैं तो उन्होंने कहा– मैं माँ हूं बच्चा नहीं।
- कंगना रनौत

करीना कपूर खान ने इंस्टाग्राम पर शेयर की थ्रोबैक तस्वीरें

इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी इंजॉय कर रही अभिनेत्री करीना कपूर खान को पुराने दिनों की याद सता रही हैं। जिसके चलते उन्होंने कुछ थ्रोबैक तस्वीरें फैंस के साथ साझा की हैं। करीना की यह तस्वीरें स्विट्जरलैंड के मशहूर डेस्टिनेशन गस्टाड की हैं जहां हर साल सैफ के साथ वह छुट्टियां मनाने के लिए जाती हैं, लेकिन इस साल कोरोना वायरस महामारी की वजह से करीना अपनी फैमिली के साथ वहां नहीं जा पाईं और अब वह इस जगह को काफी मिस कर रही हैं। करीना द्वारा शेयर की गई इन तस्वीरों में करीना के अलावा सैफ अली खान और तैमूर भी दिखाई दे रहे हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए करीना ने लिखा-इस साल हम तुम्हें मिस करेंगे मेरे प्यारे गस्टाड।

सोशल मीडिया पर करीना द्वारा चार तस्वीरें शेयर की गई हैं, जिसमें से एक तस्वीर उनके लाडले बेटे तैमूर की हैं। हालांकि इस तस्वीर में तैमूर का चेहरा दिखाई नहीं दे रहा हैं। तस्वीर में उनका बैकसाइड ही दिखाई दे रहा हैं। वहीं एक अन्य तस्वीर में करीना अपने अभिनेता पति सैफ अली खान और बेटे तैमूर के साथ नजर आ रही हैं, जबकि दो अन्य तस्वीर बेबो की अकेले की हैं। सोशल मीडिया पर करीना द्वारा साझा की गई इन तस्वीरों पर फैंस जमकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

वर्कफ्रंट की बात करे तो करीना कपूर जल्द ही आमिर खान के साथ फिल्म लाल सिंह चड्ढा में लीड रोल में नजर आयेंगी। इसके अलावा करीना करण जौहर की मल्टी-स्टारर फिल्म तख्त में भी नजर आयेंगी। फिलहाल करीना अपनी सेकेण्ड प्रेग्नेंसी इंजॉय कर रही हैं और अपना सारा समय अपने परिवार के साथ बिता रही हैं।

महेश बाबू और रणवीर सिंह ने खास प्रोजेक्ट के लिए मिलाए हाथ

साउथ फिल्मों के सुपरस्टार महेश बाबू और अभिनेता रणवीर सिंह पहली बार साथ में स्क्रीन शेयर करने की तैयारी में है। इस बात की जानकारी खुद अभिनेता रणवीर सिंह ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर शेयर कर दी। इस तस्वीर में रणवीर सिंह महेश बाबू के साथ दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर में दोनों अभिनेताओं का गेटअप बिलकुल अलग है। तस्वीर को शेयर करने के साथ ही रणवीर ने महेश बाबू की तारीफ करते हुए लिखा-एक बेहतरीन जेंटलमैन, जिनके साथ मुझे काम करने का मौका मिला। हमारी बातचीत हमेशा ही बेहतरीन रहती है। प्यार और बहुत सारा सम्मान अपने बड़े भाई महेश जी को। रणवीर सिंह और महेश बाबू की यह तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसके साथ ही फैंस उनके इस नए प्रोजेक्ट के बारे में जानने के लिए उत्सुक है।

प्रियंका ने फैंस को दी नए साल की बधाई

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपने पति निक जोनस के साथ लन्दन में है, जहां उन्होंने धूमधाम से क्रिसमस का त्योहार सेलिब्रेट किया। इस खास मौके पर प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर एक बहुत खूबसूरत तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में प्रियंका अपने पति निक जोनस और अपनी पेट डॉग डायना के साथ दिखाई दे रही हैं। इस तस्वीर में प्रियंका ने रेड कलर की सैंटा कैप लगाई हुई है और वो निक के साथ रोमांटिक मूड में नजर आ रही हैं। तस्वीर में प्रियंका और निक दोनों ही बहुत क्यूट लग रहे हैं। इस तस्वीर को फैंस के साथ साझा करने के साथ ही पीसी ने सभी को नए साल की बधाई भी दी है। प्रियंका ने इस तस्वीर के कैप्शन में लिखा-परफेक्ट। इसके साथ ही उन्होंने अपने फैंस को अपने और अपने परिवार की तरफ से न्यू ईयर की शुभकामनाएं भी दी हैं।

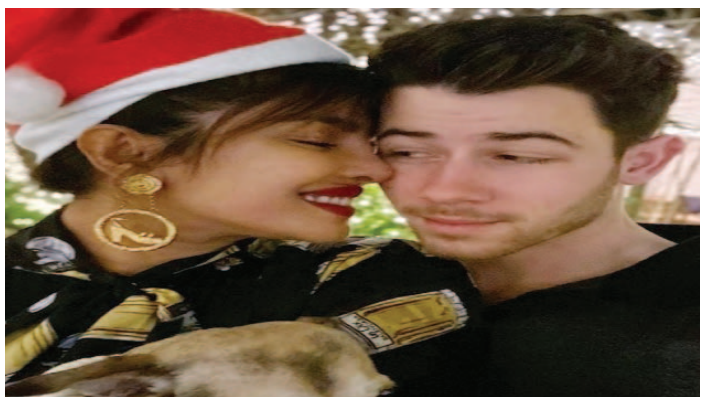

तस्वीर में प्रियंका का अंदाज फैंस को खूब भा रहा है और वस इसपर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा अक्सर निक जोनस के साथ अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती है। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका जल्द ही द व्हाइट टाइगर में अभिनेता राजकुमार राव के साथ नजर आयेंगी। हाल ही में अभिनेत्री ने सैम ह्युघन और सेलीन डायोन के साथ एक हॉलीवुड फिल्म की भी घोषणा की है। साथ ही वह नए साल में अपनी किताब अनफिनिश्ड भी लॉन्च करने वाली हैं।

सम्पादक-हेमन्त कुमार मिश्रा

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक हेमन्त कुमार मिश्रा द्वारा पिन वर्क पब्लिकेशन हाउस, दादाबाड़ी कम्पाउन्ड ठाकुरगंज, लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न किसी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद लखनऊ न्यायालय होगा। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में किसी प्रकार की आपत्ति होने पर सात दिन के अंदर खंडन भेजें अन्यथा समाचार सत्य माना जाएगा: संपादक। **e-mail: crimereview2012@gmail.com, Mobile: 9454552222**